खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 05 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-35

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

खड़गे ने कहा रुपए की घटती कीमत, आर्थिक असमानता व बेरोजगारी चिंता का विषय

नई दिल्ली,04 फरवरी (एजेंसियां) । विपक्ष ने संसद में रुपए की घटती कीमत, आर्थिक असमानता, युवाओं के रोजगार व देश में सामाजिक सद्भाव को मुद्दा उठाया। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये विषय उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट का हवाला दिया और कहा कि अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट भारत में लगातार बढ़ती आर्थिक असमानता को उजागर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में 9 लाख 70 हजार से अधिक पद खाली हैं। वहीं राज्यों, पुलिस व पब्लिक सेक्टर आदि में मिलाकर 50 लाख से ज्यादा पद रिक्त पड़े हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए नेता राज्यसभा में प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील भारतीय किसान विरोधी है। उन्होंने कहा कि यह किसान विरोधी ट्रेड डील है; उन्होंने इसे विफल विदेश नीति का नतीजा बताया। खड़गे ने कहा कि विश्व मंच पर अमेरिका बार-बार भारत का अपमान करता है। राष्ट्रपति ट्रंप दावा करते हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध को ट्रेड डील की धमकी से रोका। खड़गे ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं, फिर भी हमारी सरकार चुप है। 1971 के बाद पहली बार चीन, नेपाल व बांग्लादेश एक साथ आ रहे हैं। नेपाल भारत के कालापानी व लिपुलेख जैसे इलाकों को अपना बता रहा है। हमारा चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन के साथ व्यापार घाटा 116 लाख करोड़ तक पहुंच गया है।

खड़गे ने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि जो लोग कभी चीन को लाल आंख दिखाने की बात करते थे, वही अब चीन के लिए ट्रेड का लाल कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि चीन गलवान के बाद लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा ठोक रहा है। चीन भारत के साथ आर्थिक रिश्ते अपनी शर्तों पर तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेड तब बढ़ रहा है जब सरकार कहती है कि पहलगाम हमले के बाद चीन पाकिस्तान को खुफिया मदद दे रहा था, फिर भी उसका स्वागत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति की विफलताएं विदेश तक सीमित नहीं रहतीं; वे आंतरिक सुरक्षा की चूक बनकर देश के भीतर उठती हैं।

खड़गे ने कहा कि 2014 के बाद से इस सरकार के कार्यकाल में 2300 से अधिक आतंकी हमलों में एक हजार से अधिक भारतीयों ने अपनी शहादत दी। खड़गे ने कहा कि विदेश नीति को आप घरेलू ध्रुवीकरण का हथियार बनाना चाहते हैं। चुनावी लाभ के लिए ऐसा दुरुपयोग लोकतंत्र और विदेश नीति के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा, मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि वे किस प्रकार का भारत बनाना चाहते हैं, प्रतीकात्मक भारत या वास्तविक लोकतांत्रिक, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और संप्रभु भारत। न्यायिक स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व प्रेम वाले भारत से उनका परहेज दिखाई दे रहा है।

खड़गे ने कहा कि आपने गरीबों, महिलाओं, वंचितों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, छात्रों, अल्पसंख्यकों, किसानों, और कामगारों के हितों पर चोट पहुंचाई है और उनको निराश किया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ बात करने से कुछ नहीं होता; लोगों के लिए काम करना होता है। उन्होंने कहा कि हम सोए हुए व्यक्ति को तो उठा सकते हैं लेकिन जो सोने का ढोंग कर रहा है उसे नहीं उठाया जा सकता। उन्होंने कहा कि क्या आप विकसित भारत नफरत और विभाजन की बुनियाद पर खड़ा करना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि मणिपुर जला और सरकार मौन रही है। वहां दो समुदायों के बीच हिंसा में कम से कम 200 लोगों की मौत हुई।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव के लिहाज से देश बेहद खतरनाक दौर से गुजर रहा है। हमारा देश कई धर्मों और संस्कृतियों की जन्मभूमि रहा है, जहां सभी लोग आपसी सद्भाव के साथ फले-फूले हैं। उन्होंने सत्ता पक्ष पर ध्रुवीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में सिलेक्टिव टारगेटिंग व बुलडोजर राजनीति को रणनीतिक तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सामाजिक असमानता की बात कही और एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि टॉप एक प्रतिशत लोगों के पास देश की लगभग 40 प्रतिशत संपत्ति है, वहीं टॉप 10 प्रतिशत के पास दो तिहाई यानी करीब 65 प्रतिशत संपत्ति है। आय के स्तर पर भी टॉप 10 प्रतिशत लोग 58 प्रतिशत राष्ट्रीय आय ले जा रहे हैं, वहीं निचले 50 प्रतिशत के लोगों के लिए केवल कुल 15 प्रतिशत संपत्ति है।

निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी पर संसद को तीन दिन बंधक बनाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली,04 फरवरी (एजेंसियां) । लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चल रही चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अप्रकाशित किताब के अंशों का जिक्र किया, जिससे हंगामा हो गया। इस पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। निशिकांत दुबे ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने संसद को पिछले तीन दिनों से बंधक बना रखा है और वे ऐसी किताब का हवाला दे रहे हैं जो अभी छपी भी नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले तीन दिन से संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है। यह पहली बार है जब मैंने किसी विपक्ष के नेता को इतना असमर्थ देखा कि वे अभिभाषण का समर्थन करें या विरोध। राहुल गांधी को लोकसभा के नियमों और प्रक्रियाओं की बुनियादी जानकारी तक नहीं है। वे खड़े होकर एक ऐसी किताब का जिक्र करने लगे जो आज तक छपी ही नहीं है। जो किताब छपी नहीं, उस पर कैसे चर्चा हो सकती है? यह मेरी समझ से परे है। दुबे ने आगे कहा कि अगर बिना छपी किताब के नाम पर संसद तीन दिन तक रोकी जा सकती है, तो फिर कई ऐसी किताबें हैं जो छप चुकी हैं लेकिन भारत में प्रतिबंधित हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को 'किताब-किताब खेलने' बहुत शौक है, तो आज किताबों पर ही चर्चा हो जाए। इसके बाद उन्होंने कई किताबों का जिक्र किया जो नेहरू-गांधी परिवार पर सवाल उठाती हैं और भारत में बैन हैं।उन्होंने किताबों का जिक्र करते हुए बताया कि पहली किताब चार्ल्स द्वारा लिखी 'इंडिया इंडिपेंडेंट' है, जिसमें दावा है कि माउंटबेटन और एडविना के साथ मिलकर जवाहरलाल नेहरू ने देश का बंटवारा कराया। यह किताब 1964 में बैन कर दी गई थी। दूसरी किताब 'एडविना एंड नेहरू' एक नॉवेल है, जिसमें नेहरू और एडविना के संबंधों का जिक्र है, जैसे वे कितने बजे और कहां मिलते थे, और नेहरू को देश की राजनीति से कितना कम मतलब था। यह भी बैन है।

निशिकांत दुबे ने आगे कहा कि 'द लाइफ ऑफ इंदिरा नेहरू गांधी' में इंदिरा गांधी के कथित अनैतिक संबंधों, विभिन्न लोगों से संबंधों और केजीबी से पैसे लेने का आरोप लगाया गया है, जिससे देश की राजनीति प्रभावित हुई। चौथी किताब 'नेहरू: ए पॉलिटिकल बायोग्राफी' में नेहरू के 1921-22 से 1964 तक के कार्यकाल में भारत को खंडित करने के प्रयास, मक्कारी और गद्दारी के आरोप हैं, साथ ही उनके अनैतिक संबंधों का जिक्र है।

भाजपा सांसद ने बताया कि पांचवीं किताब 'बिगिनर्स और नेहरू एज' है, जिसमें हरू के पीए एम.ओ. मथाई के खुलासे हैं कि इंदिरा गांधी 12 साल तक उनकी पत्नी की तरह उनके साथ रहीं। साथ ही भ्रष्टाचार के आरोप भी हैं। यह भी बैन है।

दुबे ने अन्य किताबों जैसे 'सीजफायर', 'द आर्ट ऑफ इंडिया', 'नेपाल', 'कैप्टिव कश्मीर' और 'हिमालयन ब्लंडर' का भी जिक्र किया और कहा कि इसमें कांग्रेस परिवार की कथित सच्चाई दिखाई गई है।

'मुझ पर हमला करने वाले थे राहुल गांधी', संसद परिसर में हुई बहस के बाद रवनीत सिंह बिट्टू का गंभीर आरोप

नई दिल्ली,04 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तरफ से की गई टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने उनके ऊपर शारीरिक रूप से हमला करने वाले थे। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, आज तो कोई गली का गुंडा भी ऐसा नहीं करेगा जैसा राहुल गांधी ने किया। जब मैंने हाथ नहीं मिलाया, तो वह मुझ पर हमला करने ही वाले थे। केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस के दूसरे नेताओं ने राहुल गांधी को पकड़ा। अगर वे उन्हें नहीं पकड़ते तो पता नहीं क्या कुछ होता। उन्होंने आगे कहा, अगर राहुल गांधी हमला करने आते तो मेरे हाथ भी बंधे हुए नहीं थे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बहस के बाद जब वे अंदर चले गए। लेकिन सवाल ये है कि वे कैसे गलत शब्द बोल सकते हैं और कहते हैं कि दोबारा मेरे पास ही आओगे।रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, राहुल गांधी गलतफहमी में हैं। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे सम्मान दिया है और कांग्रेस नेताओं के सामने बैठाया। उन्हें (राहुल गांधी) को इस बात का दर्द है। मुझे सामने देखकर उन्हें रोज दर्द होता है। वह दर्द आज राहुल गांधी की जुबान और शारीरिक तौर पर साफ दिखाई दिया।

इसी बीच, केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर सिखों की हत्याएं कराने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, ये वे लोग हैं, जिनके समर्थकों ने हजारों सिखों को उनके गले में टायर डालकर और आग लगाकर मारा। उसके बाद गुरुद्वारों को तोड़ा गया। दरबार साहिब में गुरु ग्रंथ साहिब के अंगों में गोली लगी। इसलिए ये हमेशा सिखों के दुश्मन रहे हैं।

रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, उनकी पार्टी (कांग्रेस) में हमेशा यह दर्द था कि मेरे पिता शहीद हुए थे और उनके दादा भी शहीद हुए थे। मैं जहां भी जाता था और तारीफ में नारे लगाता था, तो इससे उन्हें तकलीफ होती थी। कांग्रेस पार्टी ने पंजाब में हमेशा सिखों को मरवाया है। जब नरसिम्हा राव देश के प्रधानमंत्री बने और गांधी राज खत्म हुआ, उस समय मेरे दादा (सरदार बेअंत सिंह) मुख्यमंत्री बने। अगर ये लोग (गांधी परिवार) होते, तो वे सीएम नहीं बन पाते। वे पंजाब में अमन-शांति लेकर आए। सिखों-हिंदुओं को मरवाने की लड़ाई बंद हो गई थी। मेरे प्रति इसका दुख भी कांग्रेस पार्टी के मन में रहता है।

सीएम योगी का बाल प्रेम, एडमिशन, उपचार के लिए तत्काल आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराते हैं मुख्यमंत्री

लखनऊ,04 फरवरी (एजेंसियां) । नर्सरी में एडमिशन कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास पहुंची मासूम बच्ची की जिद हो या चॉकलेट की मांग करने वाले बच्चों की हठ। जिन मुख्यमंत्री का नाम सुनकर अपराधी कांप उठते हैं, बच्चे उन्हीं से मिलकर सहजता से अपनी जिद मनवा लेते हैं। कहते हैं, 'बच्चे मन के सच्चे', वे अपने दिल की भावना को अत्यंत निश्छलता से प्रकट कर देते हैं, यही भाव उस समय सामने आया, जब सीएम योगी आदित्यनाथ को देखते ही एक छोटी बच्ची ने उन्हें सैल्यूट किया। सीएम ने भी मुस्कुराते हुए बच्ची को खूब मन लगाकर पढ़ने के लिए कहा। उनका यह बाल प्रेम उनके कोमल हृदय व सर्वसुलभ होने के साथ-साथ जनसेवा, संवेदना व सुशासन की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करता है। मुख्यमंत्री के बच्चों से जुड़ाव और उनके साथ भावनात्मक संवाद के कई दृश्य समय-समय पर सामने आते रहते हैं। विगत सोमवार को 'जनता दर्शन' में मां के साथ आई बच्ची अनाबी अली से सीएम का संवाद इन दिनों चर्चा में है। अपने एडमिशन के लिए जिद, फिर एबीसीडी व कविता सुनाकर अनाबी ने सीएम का दिल जीत लिया।मकर संक्रांति पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का

गोरखनाथ मंदिर में एक बच्चे से और क्या चाहिए पूछना और उसका मासूम जवाब सुनकर खिलखिलाकर हंसना भी उनके बालप्रेम को प्रकट करता है। बच्चों से अत्यंत आत्मीयता से संवाद और उनके भविष्य को लेकर त्वरित निर्णय मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता को प्रदर्शित करते हैं।

बीते दिनों 'जनता दर्शन' में दो साल की अनन्या से संवाद भी लोगों के मन को छू गया। इसी तरह 31 दिसंबर को मेजर की बेटी अंजना भट्ट ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपने मकान पर कब्जे की शिकायत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने 24 घंटे के भीतर न सिर्फ मकान को कब्जा मुक्त कराया, बल्कि आरोपियों पर एफआईआर व तत्काल गिरफ्तारी भी कराई। यह मामला सीएम की जन समस्याओं के प्रति गंभीरता को प्रकट करते हुए स्पष्ट संदेश देता है कि वे कानून व्यवस्था, बच्चों, महिलाओं और कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों का समाधान कराने में तनिक भी विलंब नहीं करते।कानपुर की मूक-बधिर युवती खुशी गुप्ता की कहानी भी इन दिनों हर किसी की जुबां पर है। मुख्यमंत्री से मिलने की उसकी जिद और अकेले पैदल चलकर लखनऊ पहुंचने की जानकारी जब सीएम योगी आदित्यनाथ को मिली तो उन्होंने उसे बुलाकर उसके बनाए चित्रों को स्वीकार किया और उसके शिक्षित-सुरक्षित भविष्य का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के अपनत्व से भाव-विभोर खुशी की 'अनकही भावनाओं' ने 25 करोड़ प्रदेशवासियों के बीच मुख्यमंत्री की 'प्रदेश ही परिवार' धारणा की विश्वसनीय तस्वीर पेश की।'जनता दर्शन' के जरिए लखनऊ की अनाबी अली, कानपुर की मायरा, गोरखपुर की पंखुड़ी और मुरादाबाद की वाची का स्कूल में एडमिशन कराना भी सीएम योगी की संवेदनशीलता का हिस्सा है। कानपुर की नन्ही मायरा ने कहा था कि मैं बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती हूं। इस पर सीएम ने तत्काल उसका प्रवेश कराने का निर्देश दिया। वाची ने कहा कि मैं पढ़ना चाहती हूं, सीएम ने उसका भी प्रवेश कराया। गोरखपुर की पंखुड़ी की फीस माफ कराने के साथ ही उसे पुनः विद्यालय भेजना भी सुनिश्चित कराया।26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में आए बच्चे सीधे सीएम योगी के पास पहुंच गए। सभी ने सीएम के साथ फोटो खिंचवाई, उनसे बातचीत की। सीएम ने उन्हें दुलारा और एक नन्ही बच्ची को गोद में लेकर अपना वात्सल्य भाव प्रकट किया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर विपक्ष हमलावर चर्चा न होने पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली,04 फरवरी (एजेंसियां) । संसद के मौजूदा सत्र के दौरान भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और विपक्षी सांसदों को बोलने का अवसर न मिलने को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। विपक्षी दलों के नेताओं ने सरकार पर संसद को ठीक से न चलने देने और अहम राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया है। सपा की सांसद डिंपल यादव ने कहा, बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज जिस तरह से संसद में विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा है। अगर विपक्ष चाहता है कि अमेरिका के साथ जो डील हुई है उस पर बात होनी चाहिए। कृषि और डेयरी उत्पाद का आयात आप जीरो टैरिफ पर कर रहे हैं, आपने ऐसा कदम क्यों उठाया है? अगर हम रूस से सस्ता पेट्रोल ले रहे थे, तो वह क्यों बंद हो रहा है? कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, हम काम करने के लिए तैयार हैं लेकिन यह उन पर निर्भर करता है। वे नहीं चाहते कि सदन चले। वे सदन के हर सदस्य को सस्पेंड कर सकते हैं।भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा, जिस तरीके से अमेरिका से डील हुई है, उसपर वो चर्चा नहीं करना चाहते। सदन के माध्यम से ही तो देश जानेगा कि डील में क्या हुआ है। जवाब कौन देगा? हमें लोकतंत्र ने एक ही जगह दी है और वो है संसद, तो हम संसद में ही यह सवाल पूछ सकते हैं लेकिन उनके पास जवाब नहीं है, वो चर्चा से भाग रहे हैं।

पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल (रिटायर्ड) मनोज मुकुंद नरवणे की किताब पर आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने कहा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जो चिट्ठी में लिखा, क्या वो हकीकत नहीं है? क्या वो चिंता का विषय नहीं होना चाहिए था? हमेशा तो वो सरकार में नहीं रहेंगे, लेकिन अगर व्यवस्थाएं बिगड़ जाती हैं तो उनको संभालने में सदियां लग जाती हैं।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी हर समय ड्रामा करते हैं। इसलिए, अगर कोई और ऐसा कर रहा है, तो पीएम मोदी को इतनी जलन महसूस नहीं होनी चाहिए कि उनका ध्यान बंट रहा है।टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने एसआईआर को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, एसआईआर की शुरुआत से ही हमारी नेता ममता बनर्जी स्थिति पर करीब से नजर रख रही हैं। उन्हें इस बात की सीधी जानकारी है कि चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया को कैसे संभाला है।टीएमसी सांसद सुष्मिता देव ने कहा, बंगाल की मुख्यमंत्री लोगों के अधिकारों के लिए लड़ रही हैं। प्रेस मीट में उन्होंने साफ कहा था कि एसआईआर पहले भी किया गया है और किया जा सकता है, लेकिन जिस तरह से भारत का चुनाव आयोग यह एसआईआर कर रहा है, उससे नागरिकों के साथ अन्याय और उत्पीड़न हो रहा है।

कोलकाता में टर्किश एयरलाइंस के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, काठमांडू से भरी थी उड़ान

कोलकाता, 04 फरवरी (एजेंसियां) । टर्किश एयरलाइंस के एक विमान ने कोलकाता एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की। पायलट ने एटीसी को जानकारी दी थी कि विमान के दाएं इंजन में आग लग गई थी, जिसके बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जानकारी के अनुसार, विमान में 236 लोग सवार थे, जिनमें 225 यात्री और 11 चालक दल के सदस्य शामिल थे। सभी यात्री सुरक्षित हैं। फिलहाल, विमान कोलकाता हवाई अड्डे पर तकनीकी जांच के लिए खड़ा है। इस्तांबुल जाने वाली फ्लाइट टीएचवाई-727 ने नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के चार मिनट के भीतर ही चालक दल को दाएं इंजन में खराबी का पता चला। चालक दल के पास काठमांडू लौटने या भैरहवा जाने का विकल्प था, लेकिन विमान लंबी दूरी की यात्रा के लिए अनुपयुक्त हो गया था। इसके बाद उन्होंने कोलकाता में आपातकालीन लैंडिंग का विकल्प चुना।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अनुसार, काठमांडू से इस्तांबुल जा रहे टर्किश एयरलाइंस के एक वाइडबॉडी विमान को बुधवार को टेक-ऑफ के तुरंत बाद इंजन में खराबी का पता चलने पर कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया। विमान एक ही इंजन पर उड़ता रहा, जबकि क्रू ने स्थिति का जायजा लिया और फिर फैसला किया कि लंबी यात्रा पर आगे बढ़ना सुरक्षित नहीं है।

जॉइंट जनरल मैनेजर (एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट) ने एक बयान जारी कर बताया कि 13:38 बजे काठमांडू से इस्तांबुल जाते समय दाएं इंजन में आग लगने के कारण विमान ने पैन-पैन घोषित किया और कोलकाता में लैंडिंग की अनुमति मांगी। विमान ने 13:51 बजे आग पर काबू पाने की सूचना दी और एक इंजन फेल होने के साथ कोलकाता की ओर आने की जानकारी दी।

इसके बाद विमान कोलकाता एयरपोर्ट पर सफलतापूर्वक लैंड हुआ और सभी यात्री व चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का ममता बनर्जी को समर्थन : बोले

बिना ठोस आधार के कोई सुप्रीम कोर्ट नहीं जाता

वाराणसी,04 फरवरी (एजेंसियां) । शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन किया। उनका कहना है कि चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी की बात को अनदेखा किया, जिस वजह से उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा। उन्होंने कहा, हम किसी की नाराजगी पर नहीं कहना चाहेंगे, लेकिन इतना जरूर कहेंगे कि अगर किसी का वोट काटा जा रहा है या बढ़ाया जा रहा है, तो वो 'तर्कसंगत' होना चाहिए क्योंकि इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इसलिए चुनाव आयोग को निष्पक्ष होना चाहिए और अगर कहीं से कोई शिकायत की जा रही है, तो उस पर पूरा ध्यान देकर तत्काल उस पर कार्यवाही करनी चाहिए। अविमुक्तेश्वरानंद ने यह भी कहा कि अगर चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं दिख रहा है, तो लोगों का लोकतंत्र के प्रति भरोसा उठने लगेगा।

ममता बनर्जी के सुप्रीम कोर्ट जाने पर अविमुक्तेवरानंद ने कहा, जिसे दिक्कत होगी, वो जरूर जाएगा। हमने सुना है कि ममता बनर्जी पहले चुनाव आयोग के पास गई थीं, लेकिन वहां उनकी बात नहीं सुनी गई थी। अगर किसी की सुनवाई नहीं होगी, तो ऐसी स्थिति में यह सवाल उठता है कि ममता को सुप्रीम कोर्ट जाना ही क्यों पड़ा था।उन्होंने आगे कहा, अगर ममता जी की

कोई शिकायत थी, तो चुनाव आयोग को उन्हें संतुष्ट करने की कोशिश करनी चाहिए थी। अगर ऐसा नहीं हो पाया, तो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अगर उनकी बात में कोई दम नहीं होता, तो वे सुप्रीम कोर्ट नहीं जातीं और सिर्फ राजनीतिक स्तर पर मामला उठातीं। उनका सुप्रीम कोर्ट जाना इस बात का संकेत है कि उनके पास कुछ ठोस आधार जरूर है।

उन्होंने आगे यह भी जोड़ा कि चुनाव आयोग को कम से कम पूरी तरह से निष्पक्ष रहना चाहिए और हर किसी की बात का मान रखना चाहिए, वरना लोकतंत्र में लोगों की श्रद्धा कम होती जाएगी, जो कि भारत जैसे देश के लिए अच्छी बात नहीं है।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 05 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-35

नबीन प्रहार

तुष्टिकरण बंद करो

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार, 4 फरवरी को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तुष्टिकरण की राजनीति के शिखर पर पहुंचने और तेलुगु भाषा व संस्कृति को दबाने का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद अपने पहले तेलंगाना दौरे पर पहुंचे नबीन ने महबूबनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में 11 फरवरी को होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए भाजपा के अभियान का शंखनाद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते और अमेरिका द्वारा टैरिफ में 18 प्रतिशत की कटौती को भारत की बड़ी उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के पिछले साल नवंबर के बयान कांग्रेस का मतलब मुस्लिम और मुस्लिम का मतलब कांग्रेस का जिक्र करते हुए नबीन ने कहा कि ऐसी टिप्पणियों ने देश की संस्कृति और सनतनी परंपराओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा, सीएम की टिप्पणी दिखाती है कि कांग्रेस केवल मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति के लिए काम करती है, जनता के लिए नहीं। तेलंगाना के लोगों और तेलुगु भाषियों का उनके लिए कोई महत्व

नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में मंदिरों पर हमले हुए और हिंदू त्योहारों पर प्रतिबंध लगाए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मंदिरों का अपमान जारी रहा, तो कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में नहीं रहेगी।

वक्फ बोर्ड की मजबूती और कमीशन राज का आरोप

नितिन नबीन ने तेलंगाना वक्फ बोर्ड के पास लगभग 77,000 एकड़ भूमि होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह बोर्ड देश के सबसे अमीर बोर्डों में से एक बन गया है, जो दर्शाता है कि सरकार समाज की कीमत पर इसे मजबूत करना चाहती है। उन्होंने कांग्रेस सरकार को कमीशन की सरकार करार देते हुए कहा कि बीआरएस के जाने के बाद भी माफिया राज और कमीशन राज जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी की सरकार जनता से जो टैक्स वसूल रही है, भाजपा उसके खिलाफ जनता के बीच जाएगी।

चुनावी वादों पर वादाखिलाफी और 2028 का लक्ष्य

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जहाँ पीएम मोदी महिलाओं को लखपति दीदी बना रहे हैं, वहीं कांग्रेस ने गरीब महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह देने का अपना चुनावी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि रयथु भरोसा और अंबेडकर अभय हस्तम जैसी योजनाओं को लागू न करके कांग्रेस ने किसानों, एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को धोखा दिया है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के 35 प्रतिशत वोट शेयर का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर बूथ पर 50 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करने का आह्वान किया। नबीन ने कहा कि भाजपा का संघर्ष केवल सत्ता के लिए नहीं बल्कि तेलंगाना के भविष्य की रक्षा के लिए है, और कार्यकर्ताओं को 2028 के विधानसभा चुनावों में जीत का संकल्प लेना चाहिए।

हर साल कैंसर के 55 हजार नए मामले

फिर भी स्टेट कैंसर रजिस्ट्री नहीं

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में हर साल कैंसर के 55,000 से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं, जिसके अगले पांच वर्षों में बढ़कर 65,000 होने का अनुमान है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सरकार से कैंसर को अधिसूचित बीमारी घोषित करने और एक

राज्य कैंसर रजिस्ट्री स्थापित करने की मांग तेज कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि रजिस्ट्री न होने से बीमारी के प्रसार की सही निगरानी और शुरुआती पहचान एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कैंसर को अधिसूचित करने का प्रस्ताव वर्षों से लंबित है। भारत के 15 से अधिक राज्य, जिनमें पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु शामिल हैं, पहले ही कैंसर को अधिसूचित बीमारी घोषित कर चुके हैं। तेलंगाना ने 2024 में इसी तरह का प्रस्ताव तैयार किया था और सितंबर 2025 में एक सरकारी आदेश का मसौदा भी बना, लेकिन यह कानून विभाग की तकनीकी अड़चनों के कारण अधर में लटका हुआ है। वर्तमान में केवल निम्स में हैदराबाद के लिए एक सीमित रजिस्ट्री है, लेकिन निजी अस्पताल कानूनी बाध्यता के बिना डेटा साझा करने में कतराते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि केवल हैदराबाद के डेटा के आधार पर पूरे राज्य की स्थिति का आकलन करना अविश्वसनीय है। निम्स के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. सदाशिवुडु गुंडेती के अनुसार, राज्यव्यापी रजिस्ट्री के बिना उन हॉटस्पॉट्स की पहचान करना असंभव है जहाँ कैंसर के मामले सबसे अधिक हैं। डेटा की कमी के कारण अनुसंधान, नीति नियोजन और संसाधनों के सही वितरण में बाधा आ रही है। आईसीएमआर भी बार-बार राज्यों से कैंसर के मामलों को अधिसूचित करने का आग्रह कर चुका है। चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. ए. नरेंद्र कुमार ने कहा है कि फाइल अभी प्रक्रिया में है और कानून विभाग से मंजूरी मिलते ही इस वर्ष की पहली छमाही में सरकारी आदेश जारी होने की संभावना है। ▶10पर

कांग्रेस की जीत तय : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 11 फरवरी को होने वाले नगर निकाय चुनावों से पहले मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारी आत्मविश्वास जताया है। मंगलवार को मंत्रियों के साथ हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार कांग्रेस के लिए कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा नहीं है और मतदाता सरकार के कल्याणकारी एवं विकास कार्यों से पूरी तरह संतुष्ट हैं।

95% सीटों पर जीत का लक्ष्य; मंत्रियों को बूथ स्तर पर कमान संभालने के निर्देश

116 नगर पालिकाओं और सात नगर निगमों के चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए आयोजित इस बैठक में सीएम ने कहा कि यदि मंत्री मैदान में डटे रहें और बूथ स्तर पर समन्वित टीम वर्क सुनिश्चित करें, तो पार्टी 95% सीटों पर जीत हासिल कर सकती है। इस बैठक में टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ और एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन भी मौजूद रहीं। रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि यह चुनाव पार्टी के प्रतीकों पर लड़ा जा रहा है, इसलिए यह पार्टी के लिए 'प्रतिष्ठा का विषय' है।

करीमनगर और निजामाबाद में बढ़ा ग्राफ; बागियों को मनाने की रणनीति

मुख्यमंत्री ने उन क्षेत्रों में सुधार के स्पष्ट संकेत दिए जहाँ पहले कांग्रेस संघर्ष कर रही थी। उन्होंने बताया कि करीमनगर नगर निगम, जहाँ 2020 में पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई थी, वहां अब ग्राफ काफी ऊपर बढ़ा है। निजामाबाद में भी कांग्रेस की लहर देखी जा रही है। उन्होंने मंत्रियों को सख्त निर्देश दिए कि वे उन दावेदारों को मनाएं जिन्हें टिकट (बी-फॉर्म) नहीं मिला है और पुराने व नए नेताओं के बीच के मतभेदों को दूर कर कांग्रेस के वोटों के बिखराव को रोकें। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़ ने स्पष्ट किया कि नगर निकाय चुनावों में एआईएमआईएम के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ चुनिंदा वार्डों और नगर पालिकाओं में सीपीआई , सीपीएम और तेलंगाना जन समिति के साथ पार्टी का चुनावी तालमेल रहेगा। चुनावी अभियान को धार देने के लिए मुख्यमंत्री बुधवार को नलगोंडा के मिरयालगुडा से अपना जिला दौरा शुरू करेंगे, जहाँ वे विकास कार्यों का शिलान्यास और जनसभा को संबोधित करेंगे।

चुनावी रणभेरी फूँकी गई, राजनीतिक दलों ने झोंकी ताकत

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जिला नगर निकाय चुनावों के लिए प्रचार अभियान आज से तेज होने जा रहा है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के चुनावी मैदान में उतरने के साथ ही मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। राजनीतिक दिग्गज अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए डोर-टू-डोर कैंपेन, रोड शो और जनसभाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी हो गई है।

जनसेना की पहली एंट्री

इस बार के चुनावों में जनसेना पार्टी का पहली बार चुनावी मैदान में उतरना चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसने चुनावी समीकरणों में एक नया आयाम जोड़ दिया है। ▶10पर

'फिक्स्ड चार्ज' व्यवस्था

नये बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य विद्युत नियामक आयोग (टीजीईआरसी) ने नए बिजली कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया में एक ऐतिहासिक सुधार किया है। अब राज्य में बिजली के पोल और लाइनों की दूरी के आधार पर लगने वाले शुल्क को समाप्त कर दिया गया है। इसके स्थान पर 'मंजूर लोड' के आधार पर एक सरल 'फिक्स्ड-चार्ज' प्रणाली शुरू की गई है।

यह नई गाइडलाइन्स 5 फरवरी से पूरे तेलंगाना में प्रभावी हो जाएंगी। यह सुधार घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। अधिकारियों ने इसे उपभोक्ता-हितैषी और किसान-केंद्रित कदम बताया है, जो तेलंगाना की बिजली वितरण प्रणाली को आधुनिक नियामक प्रथाओं के अनुरूप बनाता है। नए नियमों के तहत, यदि कोई

उपभोक्ता मौजूदा बिजली लाइन के एक किलोमीटर के दायरे में नया कनेक्शन मांगता है, तो उससे केवल लोड के आधार पर शुल्क लिया जाएगा। अब इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि खंभा , ट्रांसफार्मर या वितरण लाइन कितनी दूर है। इससे पहले, उपभोक्ताओं को खंभों की संख्या और लाइनों की लंबाई के आधार पर हजारों रुपये का भुगतान करना पड़ता था।

आवासीय कनेक्शनों के लिए संशोधित शुल्क इस प्रकार हैं: (1) 1 किलोवाट तक: मात्र 500 रुपये। (2)1 किलोवाट से 5 किलोवाट तक: अधिकतम 3,500 रुपये (कैप्ड)। (3) अपार्टमेंट और व्यावसायिक परिसर: इन मामलों में शुल्क की गणना कुल मंजूर लोड के आधार पर की जाएगी, जिससे प्रक्रिया में एकरूपता और स्पष्टता आएगी।

इस नीति के सबसे बड़े लाभार्थी किसान होंगे। नई गाइडलाइन्स के अनुसार- कृषि कनेक्शन के लिए 1,000 रुपये प्रति किलोवाट का फ्लैट शुल्क तय किया गया है। कोई अतिरिक्त संचालन और रखरखाव शुल्क नहीं लिया जाएगा। पुरानी व्यवस्था बनाम नई: पहले यदि किसी कृषि कनेक्शन के लिए तीन से अधिक खंभों की आवश्यकता होती थी, तो किसानों को अक्सर 45,000 रुपये या उससे अधिक का भुगतान करना पड़ता था, जो अब खत्म हो गया है। ▶10पर

कोठी लूटकांड: तेलंगाना पुलिस यूपी में

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोठी इलाके में शनिवार को एक व्यवसायी को गोली मारकर घायल करने और 6 लाख रुपये लूटने वाले गिरोह को पकड़ने के लिए हैदराबाद पुलिस की एक विशेष टीम उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गई है। पुलिस इस दो सदस्यीय गिरोह की सरगर्मी से तलाश कर रही है, जिन्होंने सरे-राह इस वारदात को अंजाम दिया था। घटना उस समय हुई जब व्यवसायी रिनशाद, बैंक स्ट्रीट स्थित भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम सेंटर पर 6 लाख रुपये नकद लेकर पहुंचे थे। इसी दौरान दो लुटेरों ने उन पर हमला कर दिया और दो राउंड फायरिंग की। एक गोली रिनशाद के पैर में

लगी। फायरिंग के बाद मची अफरा-तफरी का फायदा उठाकर लुटेरे रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। वारदात के बाद लुटेरे काचीगुड़ा पहुंचे, जहाँ उन्होंने अपनी पहचान छिपाने के लिए कपड़े बदले। इसके बाद दोनों एक ऑटो-रिक्शा में सवार होकर श्रीशैलम हाईवे की ओर निकल गए। पुलिस टीमों ने रास्ते के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिससे पता चला कि गिरोह भागने से पहले पूरे दिन शहर में घूमता रहा था।

जांच के दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिसने इन लुटेरों को पनाह दी थी। उससे मिली महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर ही पुलिस टीम उत्तर प्रदेश भेजी गई है।

कार्टून कॉर्नर

'आराधना' में राजेश खन्ना की जीप चलाने वाला वो 'दोस्त'

सुजीत कुमार अपनी माटी के लिए बने भोजपुरी का पहले सुपरस्टार

कल्पना कीजिए दार्जिलिंग की हसीन वादियों की, एक खुली जीप पहाड़ी रास्तों पर दौड़ रही है और उसमें सुपरस्टार राजेश खन्ना गा रहे हैं, 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू...'। भारतीय सिनेमा के इतिहास में यह गीत अमर है। क्या आपने कभी उस जीप को चलाने वाले व्यक्ति पर गौर किया, जो हाथ में माउथ ऑर्गन लिए गा रहा है, जिसकी सादगी और मुस्कुराहट ने उस पूरे दृश्य को एक विश्वसनीय आधार दिया? वो शख्स कोई और नहीं, बल्कि सुजीत कुमार थे। बॉलीवुड के लिए वो एक 'लकी चार्म' और वफादार दोस्त थे, लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार की माटी के लिए वे 'प्रथम सुपरस्टार' थे। शमशेर बहादुर सिंह से सुजीत कुमार बनने तक का सफर किसी फिल्मी पटकथा से कम रोमांचक नहीं है। 7 फरवरी 1934 को वाराणसी के पास चकिया के एक किसान परिवार में जन्मे सुजीत कुमार का अभिनय से दूर-दूर तक नाता नहीं था। वे कानून (एलएलबी) की पढ़ाई कर रहे थे और उनका इरादा अदालत में दलीलें पेश करने का था। लेकिन नियति ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था।

कॉलेज के दिनों में एक नाटक के दौरान प्रसिद्ध निर्देशक फणी मजूमदार की नजर उन पर पड़ी। मजूमदार उनकी लंबी कद-काठी और रौबीली आवाज से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने शमशेर को वकालत छोड़कर बंबई आने की सलाह दी। एक नौजवान के लिए यह फैसला जोखिम भरा था, लेकिन शमशेर ने साहस दिखाया और 'सुजीत कुमार' के नाम से मायानगरी में कदम रखा।

1960 के दशक में सुजीत कुमार ने हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनानी शुरू की। उस दौर में सस्पेंस और मिस्ट्री फिल्मों का बहुत क्रेज था। 1966 में आई फिल्म 'लाल बंगला' ने उन्हें एक ऐसे नायक के रूप में स्थापित किया जो रहस्यमयी कहानियों को अपने कंधों पर ढो सकता था। 'एक साल पहले' और 'लंबू इन हांगकांग' जैसी फिल्मों ने उन्हें मध्यम बजट की फिल्मों का भरोसेमंद चेहरा बना दिया। हालांकि, मुख्यधारा के सिनेमा में उनकी असली चमक अभी बाकी थी।

सुजीत कुमार का सबसे बड़ा ऐतिहासिक योगदान क्षेत्रीय सिनेमा में रहा। 1963 में आई फिल्म 'बिदेसिया' ने उन्हें पूर्वांचल और बिहार के घर-घर में पहुंचा दिया। इसमें उनके द्वारा निभाया गया 'बिदेसी ठाकुर' का पात्र आज भी लोक-संस्कृति का हिस्सा है।

लेकिन असली चमत्कार हुआ 1977 में। उस समय भोजपुरी सिनेमा लगभग दम तोड़ रहा था। फिल्मों का निर्माण बंद था और दर्शक हिंदी फिल्मों की ओर रुख कर चुके थे। ऐसे में सुजीत कुमार 'दंगल' लेकर आए, जो भोजपुरी की पहली रंगीन फिल्म थी। इस फिल्म का गीत 'काशी हिले पटना हिले' आज भी उत्सवों की जान है। वहीं, भोजपुरी फिल्म 'गंगा मैया तोहे पियरी चढ़इबो' (1962) में दिग्गज अभिनेता सुजीत कुमार ने एक सहायक अभिनेता के रूप में काम किया था।'दंगल' ने न केवल भारत में बल्कि मॉरीशस और फिजी जैसे देशों में भी सफलता के झंडे गाड़ दिए। इसने भोजपुरी फिल्म उद्योग को पुनर्जीवित किया, इसीलिए सुजीत कुमार को भोजपुरी सिनेमा का 'भीष्म पितामह' और 'पहला सुपरस्टार' कहा जाता है।

70 के दशक में सुजीत कुमार ने अपनी रणनीति बदली। जहां वे भोजपुरी में 'किंग' थे, वहीं बॉलीवुड में उन्होंने चरित्र भूमिकाओं को पूरी ईमानदारी से निभाया। सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ उनकी जोड़ी बेमिसाल थी। 'आराधना', 'हाथी मेरे साथी', 'अमर प्रेम' और 'अवतार' जैसी करीब 12 सुपरहिट फिल्मों में वे खन्ना के साथ नजर आए। निर्माताओं का मानना था कि सुजीत कुमार फिल्म में हों तो सफलता निश्चित है।

एक और दिलचस्प रिकॉर्ड सुजीत कुमार के नाम है। उन्होंने भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक बार 'पुलिस ऑफिसर' की भूमिका निभाने वाले अभिनेताओं में से एक का गौरव प्राप्त किया। 'इत्तेफाक' का तेज-तर्रार इंस्पेक्टर हो या 'क्रांतिवीर' का पुलिस कमिश्नर, वर्दी उन पर जंचती थी।

सुजीत कुमार केवल कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे भी सक्रिय रहे। उन्होंने अपनी पत्नी किरण सिंह के साथ मिलकर 'शिव भक्ति फिल्म्स' की नींव रखी। एक निर्माता के तौर पर उन्होंने 'खेल' (अनिल कपूर-माधुरी दीक्षित), 'दरार' और 'चैंपियन' (सनी देओल) जैसी सफल फिल्में दीं।

उनकी फिल्म 'पान खाए सैयां हमार' (1984) सुजीत कुमार के कद का प्रमाण थी। इस क्षेत्रीय फिल्म में उनके सम्मान में अमिताभ बच्चन और रेखा जैसे दिग्गजों ने अतिथि भूमिका निभाई थी। यह उनके व्यक्तिगत संबंधों और उद्योग में उनके प्रति सम्मान को दर्शाता है।सुजीत कुमार, जितेंद्र और राकेश रोशन की दोस्ती बॉलीवुड के गलियारों में मशहूर थी। ये तीनों 'जुहू सर्कल' के अभिन्न अंग थे। वे हर सुबह साथ में जिम करते और जुहू बीच पर सैर करते थे। यह दोस्ती केवल व्यायाम तक सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने कई व्यावसायिक प्रोजेक्ट्स में भी एक-दूसरे का हाथ थामा।

2007 में इस महानायक को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी ने घेर लिया। पत्नी के निधन के बाद वे थोड़े अकेले जरूर हुए, लेकिन उनके बच्चों जतिन और हेन्ना ने उन्हें संभाला। 5 फरवरी 2010 को, अपने 76वें जन्मदिन से ठीक दो दिन पहले, भारतीय सिनेमा का यह चमकता सितारा हमेशा के लिए अस्त हो गया। सुजीत कुमार को भोजपुरी सिनेमा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

अनन्या बिड़ला ने लॉन्च किया बिड़ला स्टूडियोज

बिड़ला स्टूडियोज की शुरुआत एक साफ़ सोच के साथ की गई है, ऐसा कमर्शियल सिनेमा बनाना जो बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़े, लेकिन अपनी क्लास और क्रिएटिव पहचान भी बनाए रखे। यहां कहानियां होंगी दमदार, सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई और ऐसी, जो एंटरटेनमेंट और आर्ट दोनों का खूबसूरत संतुलन पेश करें। सिनेमा को आत्म-अभिव्यक्ति का सबसे असरदार ज़रिया मानने वाली अनन्या बिड़ला की सोच से प्रेरित होकर, बिड़ला स्टूडियोज ऐसे सिनेमा को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है जो दिल को तुरंत छू जाए और लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ दे। यहां क्रिएटिव ऊंचाइयों के साथ-साथ कमर्शियल समझ पर भी उतना ही ज़ोर होगा, ताकि फिल्में मायने भी रखें और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचें। अनन्या बिड़ला कहती हैं, हम सभी कहानियों से बने हैं। सिनेमा उन कहानियों को कहने का सबसे ताक़तवर माध्यम है। जब सिनेमा अपने शिखर पर होता है, तो वह पल भर में दिल से जुड़ जाता है और बरसों तक साथ रहता है। बिड़ला स्टूडियोज में हमारा फोकस ऐसी फिल्मों को चुनने पर है जो सांस्कृतिक महत्व और भरपूर मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखें, नए टैलेंट को मौका दें और अलग-अलग जॉनर, नई आवाज़ों और विविध नज़रियों को सामने लाएं। इस सफ़र में इंडस्ट्री से मिले अपनापन और सपोर्ट ने हमें और हौसला दिया है।

भारतीय सिनेमा को आगे ले जाने में अगर हम छोटा सा भी योगदान दे पाए, तो यह हमारे लिए सम्मान की बात होगी। बिड़ला स्टूडियोज एक मल्टी-लैंग्वेज स्लेट पर काम कर रहा है, जिसमें हिंदी, गुजराती, मलयालम समेत कई क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश सिनेमा भी शामिल होगा। मकसद साफ़ है – सरहदों और संस्कृतियों के पार दर्शकों से जुड़ना। आने वाले प्रोजेक्ट्स के खुलासे के लिए जुड़े रहिए, बिड़ला स्टूडियोज जल्द ही अपनी फिल्मों की दुनिया का दरवाज़ा खोलने वाला है।

अभिषेक के लिए सिर्फ पत्नी नहीं, ऐश्वर्य की चाबी भी शादी के बाद जूनियर बच्चन बने सिल्वर स्क्रीन के जादूगर

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन की जिंदगी में ऐश्वर्या राय का आना किस्मत की चाबी की तरह थी, जिसने उनके जीवन और करियर के कई बंद दरवाजे धीरे-धीरे खोल दिए। पत्नी के रूप में वह धैर्य और समझदारी के साथ अभिनेता की जीवन में 'ऐश्वर्य' लेकर आईं। नतीजा ये रहा कि आज जूनियर बच्चन को सिर्फ एक स्टार किड नहीं, बल्कि सिल्वर स्क्रीन का 'जादूगर' भी कहा जाने लगा है। 5 फरवरी 1976 को मुंबई में जन्मे अभिषेक बच्चन की लव स्टोरी काफी दिलचस्प है। अभिषेक और ऐश्वर्या, दोनों पहली बार साल 2000 में फिल्म 'ढाई अक्षर प्रेम के' में साथ नजर आए। इसके बाद 'कुछ ना कहो' में उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। कैमरे के सामने दिखने वाली यह केमिस्ट्री धीरे-धीरे असल जिंदगी में भी बनने लगी। साथ काम करते हुए दोनों ने एक-दूसरे को करीब से समझा और यह रिश्ता दोस्ती से आगे बढ़ता चला गया। साल 2006 में रिलीज हुई 'उमराव जान' और सुपरहिट फिल्म 'धूम 2' जैसी फिल्मों में उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया। फिल्म 'गुरु' के रिलीज होने के बाद साल 2007 में दोनों ने शादी कर ली। दोनों ने एक-दूसरे के करियर को समझा और सपोर्ट किया, जिसका असर खास तौर पर अभिषेक के काम में साफ दिखा।

शादी के बाद अभिषेक बच्चन के करियर में साफ बदलाव दिखाई दिया। इस दौर में उन्होंने सिर्फ 'स्टार हीरो' बनने की दौड़ से खुद को अलग किया और ऐसे किरदार चुने, जिनमें अभिनय की गहराई और चुनौती हो। भले ही हर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट न रही हो, लेकिन एक अभिनेता के तौर पर अभिषेक को लोगों ने काफी सराहा। 'झूम बराबर झूम' और 'सरकार राज' जैसी फिल्मों में उन्होंने साबित कर दिखाया कि वे रोमांस से लेकर गंभीर राजनीतिक ड्रामे वाले किरदारों में खुद को ढाल सकते हैं।

'दोस्ताना' (2008) में अभिषेक ने अपनी इमेज पूरी तरह बदल दी। कॉमिक टाइमिंग और दोस्ती के इमोशन्स को उन्होंने इतनी आसानी से निभाया कि दर्शकों को यह उनका रोल बेहद पसंद आया। 'पा' (2009) उनके करियर की सबसे अहम फिल्मों में गिनी जाती है। यहां उन्होंने एक गंभीर किरदार निभाया। खास बात यह रही कि फिल्म में महानायक और उनके पिता अमिताभ बच्चन भी थे, लेकिन उनके सामने होते हुए भी अभिषेक का अभिनय कमजोर नहीं पड़ा, बल्कि दर्शकों के बीच गहरी छाप छोड़ी। 'दिल्ली-6' (2009) में उनके अभिनय को सराहा गया।

'रावण' (2010) और 'दम मारो दम' (2011) में अभिषेक ने डार्क और ग्रे शेड वाले किरदारों को चुना। 'दम मारो दम' में उनका सख्त पुलिस अफसर वाला रोल दर्शकों को काफी पसंद आया। 'बोल बच्चन' (2012) के जरिए अभिषेक ने दिखाया कि कॉमेडी उनके लिए मुश्किल नहीं है। डबल रोल में उनकी बॉडी लैंग्वेज, डायलॉग डिलीवरी और एक्सप्रेशंस ने फिल्म को हिट बनाया। 'धूम 3' (2013) और 'हैप्पी न्यू ईयर' (2014) जैसी बड़ी फिल्मों में भी उनके काम की दर्शकों ने जमकर तारीफें की। 2018 में 'मनमर्जियां' से अभिषेक ने एक बार फिर अपने अभिनय की ताकत दिखाई। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 'लूडो', 'द बिग बुल', 'बॉब बिस्वास' और 'दसवीं' ने उनके करियर को नई दिशा दी।फिल्मों के अलावा, अभिषेक बच्चन ने बिजनेस की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बनाई।

दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही जिंदगी है: उर्मिला मतोंडकर

90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री उर्मिला मतोंडकर बुधवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने फैंस और चाहने वालों को तहे दिल से शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी तस्वीर शेयर कीं। इसमें वे बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उर्मिला ने पोस्ट कर लिखा, आज मेरा दिल आप सभी से मिले प्यार और आशीर्वाद के लिए कृतज्ञता से भरा हुआ है। आप सभी ने मुझे बिना शर्त के जो प्यार दिया है, वही मेरी दुनिया है और मैं उसे आप सभी के साथ वापस बांटती हूं। अभिनेत्री ने आगे लिखा, जिंदगी एक ऐसे अनगिनत छोटे-छोटे पलों से बनी होनी चाहिए, जिनमें हम ज्यादा से ज्यादा लोगों के चेहरे पर एक छोटी-सी मुस्कान ला सकें। भगवान की कृपा से मुझे ऐसे कई खूबसूरत पल मिले हैं। मैं इसके लिए ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि आगे भी मुझे ऐसे मौके मिलते रहें, जिनसे मैं किसी न किसी तरह दूसरों के जीवन में अच्छा बदलाव ला सकूं।

उर्मिला ने आखिर में फैंस की तरफ से मिले समर्थन, अच्छाई और सराहना के लिए दिल से धन्यवाद किया।

उर्मिला का यह पोस्ट फैंस को पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर जन्मदिन की बधाई देने के साथ हार्ट और फायर के इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

अभिनेत्री ने सिनेमा में 90 के दशक में कदम रखकर धमाल मचाया था। हालांकि, अभिनेत्री ने करियर की शुरुआत बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने सबसे पहले साल 1981 की फिल्म 'कलयुग' से सिनेमा में कदम रखा था, लेकिन असल पहचान साल 1983 में रिलीज हुई फिल्म 'मासूम' से मिली थी। इसके बाद आगे जाकर उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस भी काम किया और काफी नाम कमाया। फिल्म रंगीला में काम करके वे रातों रात स्टार बन गई थीं। इस फिल्म का गाना 'रंगीला रे' आज भी लोगों की जुबान पर है। इसके अलावा 'सत्या' और 'मस्त' जैसी फिल्मों में उन्होंने कमाल का काम किया। उनकी डांसिंग और एक्टिंग स्टाइल ने उन्हें अलग पहचान दी।

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने की काशी की सैर, स्थानीय चाट का भी मजा लिया

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज हाल ही में वाराणसी पहुंची थीं। उन्होंने अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा के साथ शहर की गलियों में घूमकर स्थानीय स्वादिष्ट स्नैक्स का भी लुत्फ उठाया। अभिनेत्री ने वहां की खूबसूरत झलकियां इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। तस्वीरों में जैकलीन पारंपरिक पिंक कलर के सूट में नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वे मुस्कराते हुए पोज दे रही हैं, तो कुछ में काशी की खास वाइब्स को एंजॉय करती दिख रही हैं। एक तस्वीर में उन्होंने वाराणसी की मशहूर चाट की फोटो पोस्ट की है, जिससे साफ पता चलता है कि अभिनेत्री काफी फूडी हैं और अलग-अलग जगहों पर वहां के पारंपरिक खाने को ट्राई करने में दिलचस्पी रखती हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ लिखा, वाराणसी। फैंस को जैकलीन का पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

अभिनेत्री की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की है। साल 2006 में उन्होंने 'श्रीलंका यूनिवर्स' का खिताब जीता था। इसके बाद 2009 में फिल्म 'अलादीन' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली जैकलीन को शुरुआती संघर्ष के बाद 2011 में फिल्म 'मर्डर 2' से बड़ी पहचान मिली। ऑस्ट्रेलिया से मास मीडिया में स्नातक करने वाली जैकलीन आज बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार हैं, हालांकि हाल के वर्षों में वह ठग सुकेश चंद्रशेखर मामले को लेकर भी विवादों में रही हैं।

अभिनेत्री हाल ही में कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं। साजिद नाडियाडवाला के बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनी यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म रिलीज के बाद दर्शकों के दिलों में खास जगह नहीं बना पाई थी, जिसके बाद फिल्म को टीवी पर प्रसारित करना पड़ा था।

आज से बजेगी शहनाई

साल 2026 में शुभ विवाह तिथियां 4 फ़रवरी से शुरू होंगी। 2026 का पहला विवाह मुहूर्त 5 फरवरी को रहेगा। साल का आखिरी मुहूर्त 6 दिसंबर को होगा। सालभर में कुल 59 विवाह मुहूर्त रहेंगे। फ़रवरी से मार्च तक विवाह संभव हैं, लेकिन खरमास के कारण 14 मार्च से 13 अप्रैल तक विवाह स्थगित रहेंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि फरवरी में 12, मार्च में 8, अप्रैल में 8 और मई में भी 8 शुभ मुहूर्त रहेंगे। हालांकि बीच के कुछ महीने ऐसे भी हैं, जिनमें एक भी विवाह के मुहूर्त नहीं हैं। हिंदू धर्म में सभी 16 संस्कारों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक माना जाता है। हर साल 15 जनवरी को धनुर्मास खत्म होते ही शादियों के मुहूर्त शुरू हो जाते हैं। इस बार शुक्र ग्रह अस्त होने के कारण जनवरी में शादी के लिए एक भी मुहूर्त नहीं हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

वर्ष 2026 में शुक्र अस्त होने के कारण खरमास समाप्त होने के बाद भी विवाह वर्जित रहेंगे। 9 दिसंबर 2025 को अस्त होने वाला शुक्र 1 फरवरी 2026 तक अस्त रहेगा। इसके बाद 4 फरवरी 2026 से विवाह पुनः प्रारंभ होंगे। इसके बाद फरवरी के अंत से 4 मार्च तक होलाष्टक काल के कारण विवाहों पर फिर से रोक लग जाएगी।

वैदिक ज्योतिष में गुरु को शुभ फलदायी ग्रह माना गया है। जन्म कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति शुभ होने पर व्यक्ति को हर क्षेत्र में सफलता हासिल होती है। गुरु की कमजोर स्थिति से जातक को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। गुरु धनु व मीन राशि के स्वामी ग्रह हैं। यह कर्क राशि में उच्च व शनिदेव की राशि मकर में नीच के माने जाते हैं। प्रत्येक गुरुवार शिवजी को बेसन के लड्डू चढ़ाने चाहिए। गुरुवार को व्रत करें। इस दिन पीली वस्तुओं का दान अपने साम्र्थ्यनुसार करें। गुरुवार के दिन विष्णु भगवान को घी का दीपक लगाएं। शास्त्रों के मुताबिक विवाह में गुरु ग्रह को उदय होना आवश्यक माना जाता है। हमारे षोडश संस्कारों में विवाह का बहुत महत्त्व है। विवाह का दिन व लग्न निश्चित करते समय वर एवं वधु की जन्म पत्रिका अनुसार सूर्य, चंद्र व गुरु की गोचर स्थिति का ध्यान रखना अति आवश्यक होता है। जिसे त्रिबल शुद्धि कहा जाता है।

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चले जाते हैं। वहीं, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर योगनिद्रा से जागृत होते हैं। इस दौरान विवाह समेत सभी प्रकार के मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। वहीं, देवउठनी एकादशी से शुभ कार्य किए जाते हैं। चातुर्मास के दौरान विवाह संबंधित कार्य भी नहीं किए जाते हैं। इसके साथ ही सूर्य देव के धनु और मीन राशि में गोचर के दौरान भी शादी नहीं की जाती है। इस दौरान गुरु का प्रभाव क्षीण हो जाता है।

शुक्र – गुरु ग्रह के अस्त होने पर विवाह नहीं होते

विवाह मुहूर्त की गणना करते समय शुक्र तारा और गुरु तारा पर विचार किया जाता है। बृहस्पति और शुक्र के अस्त होने पर विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रम नहीं किए जाते है। इसलिए, इस दौरान कोई विवाह समारोह नहीं किया जाना चाहिए।

खरमास और चातुर्मास 2026

14 मार्च 2026 को सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करते ही खरमास पुनः प्रारंभ हो जाएगा। खरमास 13 अप्रैल 2026 तक रहेगा। इस दौरान विवाह नहीं हो सकेंगे। इसके बाद, विवाह का मौसम पुनः शुरू हो जाएगा, जो चातुर्मास के प्रारंभ तक जारी रहेगा। चातुर्मास देवशयनी एकादशी से प्रारंभ होकर देवउठनी एकादशी पर समाप्त होता है। देवउठनी एकादशी के अगले दिन तुलसी विवाह किया जाता है और इसके साथ ही शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। 2026 में, देवशयनी एकादशी 25 जुलाई 2026 को और देवउठनी एकादशी 20 नवंबर 2026 को पड़ेगी। इसलिए, 25 जुलाई से 20 नवंबर 2026 के बीच कोई भी शुभ कार्य नहीं होंगे।

विवाह का धार्मिक महत्व

सनातन धर्म दुनिया के सबसे पुराने धर्मों में से एक है, जो कई प्रकार की परंपराओं और मान्यताओं से समृद्ध है। इस परंपरा में से एक शुभ विवाह भी है, यह जीवन का सबसे खुशनुमा पल होता है। विवाह कई तरह से किए जाते हैं, प्रत्येक के अपने-अपने रीति-रिवाज और महत्व होते हैं। हिंदू धर्म में यह 16 संस्कारो मे से एक होता है और इसके बगैर कोई भी व्यक्ति ग्रहस्थाश्रम में प्रवेश नहीं कर सकता है। इसलिए हमारे शास्त्रों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण और कल्याणकारी माना जाता है।

वर्ष 2026 के शुभ मुहूर्त

फरवरी 2026 – 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25 और 26 फरवरी

मार्च 2026 –1, 3, 4, 7, 8, 9, 11 और 12 मार्च

अप्रैल 2026 – 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28 और 29 अप्रैल

मई 2026 – 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14 मई

जून 2026 – 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29 जून

जुलाई 2026 – 1, 6, 7, 11 जुलाई

नवंबर 2026 – 21, 24, 25 और 26 नवंबर

दिसंबर 2026 –2, 3, 4, 5, 6, 11 और 12 दिसंबर

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

साल का पहला शनि प्रदोष व्रत 14 को, जानिए तिथि, महत्व और पूजा की संपूर्ण विधि

शनि प्रदोष व्रत का धार्मिक महत्व हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत को भगवान शिव की विशेष आराधना का पर्व माना जाता है। यह व्रत हर महीने शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। जब प्रदोष व्रत शनिवार के दिन पड़ता है, तब इसे शनि प्रदोष व्रत कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव के साथ-साथ शनिदेव की भी विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन में स्थिरता, अनुशासन और मानसिक संतुलन बना रहता है। साल 2026 का पहला शनि प्रदोष व्रत 14 फरवरी, शनिवार को मनाया जाएगा। पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 14 फरवरी की शाम से आरंभ होकर अगले दिन 15 फरवरी की शाम तक रहेगी। चूंकि प्रदोष व्रत सूर्यास्त के समय किया जाता है और यह तिथि शनिवार को पड़ रही है, इसलिए इसी दिन शनि प्रदोष व्रत का विशेष योग बन रहा है। इस संयोग को शिव और शनि दोनों की उपासना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

प्रदोष काल में पूजा का महत्व

प्रदोष काल वह समय होता है, जब दिन और रात का संधिकाल चलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी अवधि में की गई शिव उपासना का फल शीघ्र प्राप्त होता है। शनि प्रदोष व्रत के दिन इस काल में पूजा करने से व्यक्ति को आत्मिक शांति के साथ-साथ जीवन में चल रही बाधाओं से भी राहत मिलने की मान्यता है।

शनि प्रदोष व्रत की पूजा विधि

शनि प्रदोष व्रत के दिन श्रद्धालु प्रातःकाल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और व्रत का संकल्प लेते हैं। दिनभर संयम और साधना के साथ समय बिताने के बाद संध्या के समय भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। शिवलिंग का जल, दूध और अन्य पवित्र द्रव्यों से अभिषेक कर बेलपत्र और पुष्प अर्पित किए जाते हैं। इसी के साथ शनिदेव का भी ध्यान कर उनका स्मरण किया जाता है। पूजा के दौरान शिव मंत्रों का जप और शांत मन से आराधना करना विशेष फलदायी माना जाता है।

शनि देव की उपासना का भावार्थ

शनि प्रदोष व्रत में शनिदेव की पूजा का उद्देश्य जीवन में अनुशासन, धैर्य और कर्म के महत्व को समझना होता है। इस दिन शनिदेव का स्मरण कर उनसे जीवन में संतुलन और न्यायपूर्ण फल की कामना की जाती है। मान्यता है कि इस व्रत से व्यक्ति को कर्मों के अनुसार शुभ दिशा मिलने लगती है।

शनि प्रदोष व्रत से जुड़ी मान्यताएं और लाभ

शनि प्रदोष व्रत को शिव और शनि दोनों की संयुक्त उपासना का पर्व माना गया है। ऐसी धार्मिक धारणा है कि इस व्रत से जीवन में चल रहे मानसिक तनाव, पारिवारिक उलझनों और कार्यक्षेत्र की बाधाओं में धीरे-धीरे कमी आती है। साथ ही यह व्रत आत्मिक शुद्धता और सकारात्मक सोच को भी मजबूत करता है। श्रद्धालु इसे संयम, श्रद्धा और भक्ति के साथ करते हैं, ताकि जीवन में स्थिरता और संतुलन बना रहे।

किन राशियों को मिलेगा धन और करियर में लाभ, किसे सेहत व रिश्तों में बरतनी होगी सावधानी

5 फरवरी 2026 का दिन कई राशियों के लिए बदलाव और फैसलों से जुड़ा रहेगा। कुछ जातकों के लिए आर्थिक और पेशेवर मोर्चे पर सकारात्मक संकेत मिलेंगे, वहीं कुछ को स्वास्थ्य, पारिवारिक मामलों और भावनात्मक रिश्तों में सतर्क रहने की जरूरत होगी। ग्रहों की चाल दिनभर के अनुभवों को प्रभावित कर सकती है।

मेष राशि– मेष राशि वालों के लिए दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए दिनचर्या पर ध्यान देना जरूरी होगा। कामकाज में छोटे लाभ के अवसर बनेंगे, लेकिन जल्दबाजी में लिए गए फैसले नुकसान दे सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन को भावनात्मक सहारा दे सकती है। शिक्षा और विदेश से जुड़े मामलों में सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों को आर्थिक लेन-देन में सतर्कता बरतनी होगी। परिवार में किसी शुभ कार्य या धार्मिक आयोजन की चर्चा हो सकती है। घर के किसी वरिष्ठ सदस्य की सेहत को लेकर चिंता रह सकती है। पहले दिया गया धन वापस मिलने से राहत महसूस होगी। संपत्ति और पारिवारिक भविष्य से जुड़े मामलों में स्थिरता के संकेत हैं।

मिथुन राशि – मिथुन राशि वालों का मन आज असमंजस में रह सकता है, जिससे कामों में रुकावट महसूस होगी। संतान या परिवार से जुड़े किसी महत्वपूर्ण निर्णय पर विचार करना पड़ सकता है। व्यापार में साझेदारी से जुड़े मामलों में सावधानी जरूरी होगी। निजी रिश्तों में दबाव में आकर कोई फैसला लेने से बचना बेहतर रहेगा।

कर्क राशि – कर्क राशि के लिए दिन लाभदायक हो सकता है, लेकिन शॉर्टकट अपनाने से बचना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में समझदारी से लिए गए निर्णय फायदा दिला सकते हैं। कुछ लोग दोस्ती की आड़ में नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। दूर के रिश्तेदार से जुड़ी कोई खबर मन को थोड़ा विचलित कर सकती है। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में अच्छे संकेत हैं।

सिंह राशि –सिंह राशि वालों के लिए दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा, लेकिन जिम्मेदारियों में लापरवाही न करें। जीवनसाथी की सलाह कामकाज में मददगार साबित हो सकती है। भाई-बहनों के साथ पुराने मतभेद सुलझने के संकेत हैं। किसी वरिष्ठ व्यक्ति से तालमेल बैठाने की जरूरत पड़ सकती है।

कन्या राशि –कन्या राशि के लिए दिन मिला-जुला असर दिखा सकता है। जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान का कारण बन सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक सुकून मिलेगा। विवाह योग्य लोगों के लिए अच्छे प्रस्ताव आ सकते हैं। ससुराल पक्ष से जुड़ी कोई सकारात्मक खबर मिल सकती है और लंबे समय से अटके काम आगे बढ़ सकते हैं।

तुला राशि – तुला राशि वालों के मान-सम्मान और प्रभाव में वृद्धि हो सकती है। संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना मामला सुलझने के संकेत हैं। नए काम की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। कार्यस्थल पर किसी की बातों में आकर गलत पक्ष लेने से बचें और अपने निर्णय सोच-समझकर लें।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि के लिए दिन सामान्य लेकिन व्यस्त रह सकता है। सामाजिक दायरे में पहचान और सम्मान बढ़ेगा। परिवार की कुछ जिम्मेदारियां मानसिक दबाव बना सकती हैं। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। संतान से जुड़े मामलों में अतिरिक्त ध्यान देना जरूरी होगा।

धनु राशि–धनु राशि वालों के लिए व्यवसाय के लिहाज से दिन काफी अच्छा रह सकता है। आय के नए स्रोत सामने आ सकते हैं। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य के साथ यात्रा या धार्मिक गतिविधि का योग बन सकता है। वाहन या यात्रा से जुड़े मामलों में सतर्कता रखें। प्रॉपर्टी में निवेश से भविष्य में लाभ मिल सकता है।

मकर राशि–मकर राशि के जातकों के लिए काम और परिवार के बीच संतुलन बना रहेगा। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। जीवनसाथी से जुड़ा कोई सुखद अनुभव दिन को खास बना सकता है। सरकारी या प्रशासनिक मामलों में प्रगति के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिल सकता है।

कुंभ राशि–कुंभ राशि वालों को भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। पैतृक संपत्ति या परिवार से जुड़ा कोई मामला आपके पक्ष में जा सकता है। घर में निर्माण या बदलाव की योजना बन सकती है। प्रेम जीवन में सकारात्मकता रहेगी और जरूरत पड़ने पर आर्थिक सहायता मिल सकती है।

मीन राशि–मीन राशि के लिए दिन सोच-समझकर फैसले लेने का है। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं, जिससे मानसिक तनाव महसूस हो सकता है। आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगाने से शांति मिलेगी। संतान के प्रदर्शन से संतोष मिलेगा और शिक्षा से जुड़े नए अवसर सामने आ सकते हैं।

शनि महादशा प्रभाव, जानें शनिदेव को प्रसन्न करने के उपाय

शनि न्यायप्रिय देवता है जो मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार, फल देते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि की महादशा जब भी किसी व्यक्ति के जीवन में आती है तो वह उसके जीवन को एक नई दिशा देती है। शनि महादशा की कुल 19 वर्ष की होती है। नवग्रहों में शनि सबसे धीमी गति से चलने वाले ग्रह हैं। ऐसा कहा जाता है कि शनि ऐसे ग्रह हैं जो किसी भी व्यक्ति को रंक से राजा बना देते हैं। लेकिन, शनि का सिर्फ एक नियम है, वो है आपके कर्म। आपके कर्मों और कुंडली में शनि की स्थिति के अनुसार, ही शनि महादशा के दौरान फल देते हैं।

शनि महादशा की अवधि और प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि की महादशा कुल 19 वर्ष की होती है। इस दौरान शनि व्यक्ति की परीक्षा लेता है। लेकिन, कुंडली में शनि के शुभ स्थिति में होने पर व्यक्ति को धीरे धीरे लाभ भी मिलता है। जब भी शनि की महादशा आए तो ऐसे व्यक्ति को शॉर्टकट का सहारा नहीं लेना चाहिए। अगर व्यक्ति शॉर्टकट का सहारा लेता है तो शनि के अशुभ प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है। शनि की महादशा में व्यक्ति को धीरे धीरे फल की प्राप्ति होती है। शनि की महादशा व्यक्ति को दंड नहीं बल्कि जीवन को नई दिशा देती है। जब भी किसी व्यक्ति की शनि की महादशा आती है तो वह चीजों को साफ साफ दिखने लगता है। यानी व्यक्ति को अपने अच्छे और बुरे की पहचान होती है उसे अपने और पराए में भेद समझ आता है। शनि महादशा के दौरान आप पर जिम्मेदारियां भी खूब डालते हैं साथ ही आपको आगे बढ़ने का मौका भी देते हैं। शनि व्यक्ति को पहचान दिलाने में देरी जरूर करते हैं लेकिन, जब व्यक्ति को पहचान दिलाते हैं तो वह स्थिर और बड़े पैमाने पर मिलती है।

बता दें कि जब भी किसी ग्रह की महादशा आरंभ होती है तो इस दौरान बाकी ग्रहों की अंतर्दशा भी आती हैं। शनि की महादशा में सबसे पहले शनि की ही अंतर्दशा आती है।

शनि महादशा में बाकी ग्रहों की अंतर्दशा का प्रभाव

शनि की अंतर्दशा – शनि महादशा में शनि की ही अंतर्दशा आती है। ज्योतिष शास्त्र का नियम है कि जिस ग्रह की महादशा शुरु होती है उसी की अंतर्दशा सबसे पहले आती है। ऐसे में शनि की महादशा में शनि की अंतर्दशा आने का मतलब है कि व्यक्ति के ऊपर कई सारी जिम्मेदारियां एक साथ आ जाती है। व्यक्ति को अपनी मेहनत का फल देर से मिलता है। साथ ही एक के बाद एक कई चुनौतीपूर्ण स्थितियां पैदा हो जाती हैं। व्यक्ति के अंदर काफी परिवर्तन देखने को मिलता है।

शनि महादशा में बुध की अंतर्दशा – शनि की महादशा के दौरान दूसरी अंतर्दशा बुध ग्रह की आती है। इस दौरान व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति प्रबल होती है। वह अपने कामकाज के लिए नई नई योजना बनाने में सफल होता है। साथ ही इस दौरान आपको काफी कुछ नया सीखने का मौका मिलता है।

शनि महादशा में शुक्र की अंतर्दशा – शनि की महादशा में तीसरा चरण शुक्र की अंतर्दशा का होता है। इस दौरान व्यक्ति को प्यार, पारिवारिक रिश्तों और लग्जरी लाइफ को काफी थोड़ा संघर्ष करना पड़ सकता है। इस चरण के दौरान आपको कोशिश करनी है कि आप धैर्य से काम करें और भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

शनि महादशा में सूर्य की अंतर्दशा – ज्योतिष शास्त्र में सूर्य और शनि को एक दूसरे का शत्रु माना गया है। ऐसे में जब शनि के साथ सूर्य की अंतर्दशा आती है तो व्यक्ति के अंदर अहंकार अधिक बढ़ जाता है। करियर में दबाव महसूस होता है। आपको अपने वरिष्ठों के साथ रिश्तों में काफी उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। पिता के साथ वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं।

शनि महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा – शनि की महादशा में जब चंद्रमा की अंतर्दशा आती है तो व्यक्ति को अकेलापन महसूस हो सकता है। व्यक्ति के विचारों में उचार चढ़ाव बना रहता है। लेकिन, आप भावनात्मक रुप से मजबूत भी बनते हैं।

शनि महादशा में मंगल की अंतर्दशा – शनि की महादशा में मंगल क अंतर्दशा आने पर व्यक्ति काफी गुस्सैल हो जाता है। क्रोध पहले से अधिक आने लगता है जिस वजह से व्यक्ति अपने ही नुकसान कर बैठता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं। क्रोध पर काबू रखें।

शनि महादशा में राहु की अंतर्दशा – शनि की महादशा में जब भी राहु का अंतर्दशा आति है तो व्यक्ति को कई तरह की चिंताएं सता सकती हैं। आपको बार बार करियर में अस्थिरता महसूस होगी। आपको अपने फैसलों पर ही कई बार संदेह होने लगेगा। ऐसे में कोशिश करें कि आप किसी भी तरह के शॉर्टकट का सहारा न लें।

शनि महादशा में गुरु की अंतर्दशा का फल – जब भी शनि की महादशा में गुरु की अंतर्दशा आती है तो व्यक्ति को काफी राहत महसूस होती है। इस दौरान आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मार्गदर्शन मिलता है जो आपको सफलता दिलाने में मदद करता है। इस दौरान धीमी प्रगति होती लेकिन, वह स्थिर होती है।

शनि महादशा में केतु की अंतर्दशा का फल – शनि की महादशा में केतु की अंतर्दशा आती है तो व्यक्ति को अलगाव महसूस होता है। साथ ही भौतिक मामलों में रुचि कम होती है। आध्यात्मिकता की तरफ आपका झुकाव हो जाता है। लेकिन, इस दौरान आपके पास सभी लोग मौजूद रहेंगे फिर भी आपको अकेलापन महसूस होगा।

शनि महादशा के दौरान बरते ये सावधानियां

शनि महादशा के दौरान व्यक्ति को ईमानदारी से अपने काम करना चाहिए। साथ ही कोशिश करें कि आप किसी शॉर्टकट का सहारा न लें। वरना शनि आपसे नाराज हो सकते हैं।

कोशिश करें इस दौरान अनावश्यक लोन और कर्ज आदि लेने से बचें।

इस दौरान भावनात्मक रुप से किसी को भी प्रतिक्रिया न दें।

आपको इस दौरान हड्डियों से जुड़ी समस्या हो सकती है ऐसे में योग आदि का सहारा लें और हेल्दी लाइफस्टाइल रखें।

शनि महादशा के उपाय

शनि चालीसा का पाठ शनिवार के दिन पाठ करें। इसके अलावा शनि स्रोत का पाठ करें।

शनि महादशा के दौरान संकल्प लेकर 21 दिन तक हनुमान चालीसा का पाठ मंगलवार के दिन करें। वैसे तो पूरी महादशा के दौरान भी आप कर सकते हैं।

सुंदरकांड का पाठ भी शनि महादशा के दौरान राहत दिलाता है।

शनि महादशा के दौरान हर शनिवार पीपल के पेड़ को जल अर्पित करना चाहिए लेकिन, इस बात का ख्याल रखें कि सूर्योदय होने से पहले ही जल अर्पित करें।

हर शनिवार शनिदेव के सामने सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

जरुरतमंद लोगों को वस्त्र, जूते चप्पल आदि का दान करें।

शनि के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए आप शनि का रत्न नीलम भी धारण कर सकते हैं लेकिन, यह किसी ज्योतिष की सलाह से कुंडली दिखाने के बाद ही धारण करें। ऐसे ही इसे धारण करने पर आपको अशुभ परिणाम भी मिल सकते हैं।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

संसद में अनछपी किताब

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी। परंपरा रही है कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में सरकार की जिन नीतियों, कार्यक्रमों और प्राथमिकताओं का उल्लेख किया है, सांसद उन पर चर्चा करते हैं। आलोचना भी करते हैं। विपक्ष का एजेंडा कुछ अलग भी हो सकता है। याद करें, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी नेता प्रतिपक्ष थे। तब अटल जी ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में ही, बहस के दौरान, चीन का मुद्दा आक्रामक अंदाज में उठाया था और सरकार की भत्सना तक की थी। जब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस और यूपीए सरकार थी, तब लालकृष्ण आडवाणी नेता प्रतिपक्ष थे। उन्होंने भी चीन के साथ सीमा-विवाद, सुरक्षा-विवाद और सैन्य तनावों का जिक्र करते हुए मनमोहन सरकार की तीखी आलोचना की थी। भारत-चीन संबंधों, टकरावों और विवादों पर संसद में बोलना 'वर्जित' नहीं है। यह सांसदों की संवैधानिक आजादी है कि वे कौनसा मुद्दा उठाते हैं। हालांकि संसद के दोनों सदन-लोकसभा और राज्यसभा-निश्चित नियमों में बंधे हैं। लोकसभा के नियम 349 (1) के तहत सांसद किसी भी किताब, पत्रिका, अखबार को उद्धृत नहीं कर सकते, जब तक वे उद्धरणों को सत्यापित नहीं करते। नियम 353 के तहत, यदि सांसद को इसी आधार पर अपनी बात कहनी है, तो वह स्पीकर और संबद्ध मंत्री को पहले नोटिस देगा। स्पीकर ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उद्धरणों के संदर्भ में इन नियमों का बार-बार हवाला दिया। स्पीकर ने नियमानुसार अपनी व्यवस्था भी दे दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष जिद पर अड़े रहे। सवाल करते रहे कि आखिर सरकार डरी हुई क्यों है? सरकार उनके वक्तव्य से असहज क्यों है? दरअसल नेता प्रतिपक्ष पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखित, लेकिन अभी तक अप्रकाशित किताब के कुछ अंश संसद में पढ़कर प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह को बेनकाब करना चाहते थे। राहुल गांधी जो वाक्य बोल पाए, उनमें डोकलाम टकराव का जिक्र सुनाई दिया, जबकि चीनी सेना के साथ तनाव, टकराव और युद्ध जैसे हालात पूर्वी लद्दाख में पैदा हुए थे। जून, 2020 को जो 'गलवान संघर्ष' हुआ और हमारे 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए, वह भी लद्दाख में हुआ था। जनरल नरवणे तब सेना प्रमुख थे और वह अप्रैल, 2022 तक इस पद पर रहे। गौरतलब है कि जनरल नरवणे की कथित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है, लेकिन उसका हार्डकवर अप्रैल, 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब के प्रकाशन की अनुमति देना सरकार का विशेषाधिकार है, क्योंकि पूर्व सेना प्रमुख की किताब राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारी युद्ध रणनीति से भी जुड़ी है। हमारा दुश्मन देश उन जानकारियों का नाजायज फायदा उठा सकता है। लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की संसद में आपत्ति और हस्तक्षेप तार्किक था। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया कि नेता प्रतिपक्ष को इस विषय पर न बोलने दिया जाए, क्योंकि वह देश को गुमराह कर रहे हैं। राहुल गांधी के हाथ में दिल्ली प्रेस की पत्रिका 'कारवां' की फोटोप्रति थी, जिसमें कुछ अंश छपे हैं। इससे पहले करीब दो साल पहले कुछ अंश 'द प्रिंट' पत्रिका में छप चुके हैं। समाचार एजेंसी 'पीटीआई' ने कुछ अंश दिसंबर, 2023 में प्रकाशित किए थे। जाहिर है कि जनरल नरवणे की किताब के कई अंश तो सार्वजनिक हो चुके हैं। सदन में रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री की जबरदस्त आपत्तियां इसलिए थीं, ताकि राहुल गांधी के जरिए कुछ विवादास्पद जानकारियां लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज न हो सकें और इस तरह विकृत इतिहास न बन सके। दरअसल चीन का मुद्दा जनरल नरवणे के खुलासों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा संदर्भ में सेना के पूर्व जनरलों और कर्नल सरीखे विशेषज्ञों के विरोधाभास भी बेपर्दा कर दिए। कुछ पूर्व जनरल उन भारत-चीन समझौतों पर भी सवाल उठा रहे हैं, जो 1993, 1997, 2005 से लेकर 2013 तक किए गए थे। गलवान इसीलिए संभव हो सका, क्योंकि हमारे सैनिक हथियार नहीं उठा सकते थे, गोली नहीं चला सकते थे, क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौते हुए थे। संसद की कार्यवाही सोमवार को भी नहीं हो सकी, अब भी हंगामा जारी रहेगा, क्योंकि चीन का मुद्दा बेहद संवेदनशील है।

अटल जी ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में ही, बहस के दौरान, चीन का मुद्दा आक्रामक अंदाज में उठाया था और सरकार की भत्सना तक की थी। जब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस और यूपीए सरकार थी, तब लालकृष्ण आडवाणी नेता प्रतिपक्ष थे। उन्होंने भी चीन के साथ सीमा-विवाद, सुरक्षा-विवाद और सैन्य तनावों का जिक्र करते हुए मनमोहन सरकार की तीखी आलोचना की थी। भारत-चीन संबंधों, टकरावों और विवादों पर संसद में बोलना 'वर्जित' नहीं है। यह सांसदों की संवैधानिक आजादी है कि वे कौनसा मुद्दा उठाते हैं। हालांकि संसद के दोनों सदन-लोकसभा और राज्यसभा-निश्चित नियमों में बंधे हैं। लोकसभा के नियम 349 (1) के तहत सांसद किसी भी किताब, पत्रिका, अखबार को उद्धृत नहीं कर सकते, जब तक वे उद्धरणों को सत्यापित नहीं करते। नियम 353 के तहत, यदि सांसद को इसी आधार पर अपनी बात कहनी है, तो वह स्पीकर और संबद्ध मंत्री को पहले नोटिस देगा। स्पीकर ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उद्धरणों के संदर्भ में इन नियमों का बार-बार हवाला दिया। स्पीकर ने नियमानुसार अपनी व्यवस्था भी दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष जिद पर अड़े रहे। सवाल करते रहे कि आखिर सरकार डरी हुई क्यों है? सरकार उनके वक्तव्य से असहज क्यों है? दरअसल नेता प्रतिपक्ष पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखित, लेकिन अभी तक अप्रकाशित किताब के कुछ अंश संसद में पढ़कर प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह को बेनकाब करना चाहते थे।

कुछ अलग

फ्री का डाटा हमें दे दो दाता...

हे सरकार! आपके आम बजट पर पढ़ सुन कर मजा आ रहा है। सब दिमाग मूंदे आम बजट की पूजा अर्चना में लीन हैं। कहीं कोई विवेचन नहीं, विश्लेषण नहीं। गधे से भी गधे आज जान गए हैं कि लात पर लात धरे मालपुए पूजा अर्चना से ही खाए जा सकते हैं, विवेचन विश्लेषण से नहीं। जो किसी की किसी भी चीज की पूजा अर्चना छोड़ उसका सही विवेचन विश्लेषण करता है, वह सही होने के बाद भी उसकी चौलती खाकर सरपट मरता है। हे सरकार! मान लिया, बजट में आटा सस्ता हुआ। पर घोषणा में सस्ते हुए आटे से हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। आपके आटा सस्ता करने की घोषणा के बाद कौनसा बाजार में आटा सस्ता मिलता जाएगा? बाजार जाकर लाला से बजट वाला सस्ता आटा मांगेंगे तो चिल्लाएगा, 'सरकार से लो।' हे सरकार! मान लिया, बजट में दाल सस्ती हुई। पर घोषणा में सस्ती हुई दाल से हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। आपकी दाल सस्ती होने की घोषणा के बाद कौनसा बाजार में दाल सस्ती मिल जाएगी? लाला से बजट वाली सस्ती दाल मांगेंगे तो चिल्लाएगा, 'सरकार से लो।'

दूध की वैश्विक औसत खपत फिलहाल लगभग 328 ग्राम प्रति व्यक्ति है।मुर्गी एवं मत्स्य पालन के साथ जलीय कृषि को भी बढ़ावा दिया जा रहा

ग्रामीण समृद्धि की रीढ़ बनेगा पशुधन

प्रमोद भार्गव

पशुधन की महिमा इस तथ्य से जानी जा सकती है कि खेती से होने वाली कुल आय में करीब 16 प्रतिशत की भागीदारी पशुपालन और उनसे उत्पादित आहार से है इस आय में लगातार पिछले ग्यारह साल से 12.77 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हो रही है।यानी खेती जहां लघु व मध्यम किसानों के लिए घाटे का सौदा बनी हुई है, वहीं पशुपालन ग्रामीणों को भरोसे की आय का साधन बन गया है। भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले सोपान पर है। विश्व के कुल दूध उत्पादन में भारत 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। बीते 10 साल में देश में दूध का उत्पादन लगभग 57 प्रतिशत बढ़ा है। नतीजतन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2024-25 में 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। 9 वर्ष पहले यह उपलब्ता महज 300 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन थी। कुछ साल पहले दुग्ध उत्पादों के आयात की संभावना जताई जाने लगी थी।

ग्राम और ग्रामीण की समृद्धि की रीढ़ अब केवल खेती-किसानी तक सीमित नहीं रह गई है, इस आम बजट में सरकार ने पशुधन से पशुपालकों और दुग्धउत्पादकों की आय बढ़ाने के ठोस उपाय किए हैं इससे रोजगार बढ़ने के साथ दैनिक और मासिक आमदनी में स्थिरता आएगी खेती पर बढ़ते संकट कम होंगे। पशुधन, मुर्गी व मत्स्य पालन ग्रामीणों की आजीविका के भरोसे के सहारा बनेंगे।यह पशुधन स्वस्थ्य बना रहे, इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 20 हजार से अधिक पशुचिकित्सकों की उपलब्धता भी तय की गई है ताकि गांव में ही त्वरित इलाज की सुविधा मिले। फिलहाल देश में पशु-चिकित्सकों की बहुत कमी है,इस कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इस कमी को दूर करने के लिए डेढ़ लाख पशु देखभाल प्रशिक्षित सेवकों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। इस उपाय से दुधारू पशुओं की असमय मृत्यु में कमी आएगी।यदि पालतू पशुओं को आरक्षित वनों में चरने की छूट दे दी जाती है तो सड़क दुर्घटनाओं में पशुओं के मरने में तो कमी आएगी ही,पौष्टिक चारा मिलने से दूध भी पौष्टिक होगा। पशुधन की महिमा इस तथ्य से जानी जा सकती है कि खेती से होने वाली कुल आय में करीब 16 प्रतिशत की भागीदारी पशुपालन और उनसे उत्पादित आहार से है इस आय में लगातार पिछले ग्यारह साल से 12.77 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हो रही है।यानी खेती जहां लघु व मध्यम किसानों के लिए घाटे का सौदा बनी हुई है, वहीं पशुपालन ग्रामीणों को भरोसे की आय का साधन बन गया है। भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले सोपान पर है। विश्व के कुल दूध उत्पादन में भारत 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। बीते 10 साल में देश में दूध का उत्पादन लगभग 57 प्रतिशत बढ़ा है। नतीजतन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2024-25 में 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। 9 वर्ष पहले यह उपलब्धता महज 300 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन थी। कुछ साल पहले दुग्ध उत्पादों के आयात की संभावना जताई जाने लगी थी। किंतु अब पशु संवर्धन के लिए किए गए प्रयास रंग दिखाने लगे हैं। बीते एक दशक में दूध के उत्पादन एवं उत्पादकता में आजादी के बाद से सर्वाधिक वृद्धि हुई है। दूध की उपलब्धता बढ़ी तो

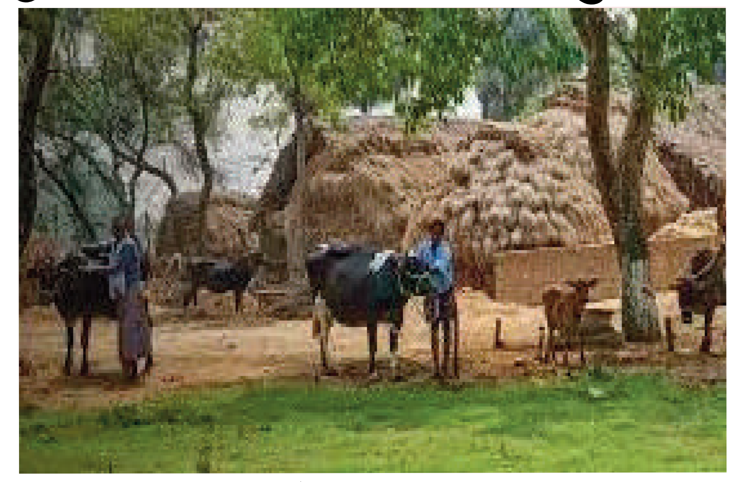

भारतीयों के खान-पान की आदत में दूध और उसके उत्पादों का सेवन व खपत भी बढ़ गई। अब प्रत्येक भारतीय दुनिया में औसत खपत में से 65 ग्राम अधिक दूध पीने लगा है। दूध की वैश्विक औसत खपत फिलहाल लगभ 328 ग्राम प्रति व्यक्ति है।मुर्गी एवं मत्स्य पालन के साथ जलीय कृषि को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसीलिए अमेरिका जैसे देश भारत के दूध बाजार को हड़पना चाहते हैं।भारत ने अमेरिका के लिए निर्मित वस्तुओं को बाजार नहीं खोले तो अनर्गल टैरिफ लगा दिए। पशुधन का संरक्षण इसलिए जरुरी है, क्योंकि ग्रामों में दूध नियमित नकद आय का पुख्ता आधार बना हुआ है।ग्रामीण रोजगार और अर्थव्यवस्था में इसकी बड़ी भागीदारी है। देश में 2019 में हुई 20 वीं पशुधन गणना के अनुसार करीब 14 करोड़ गाएं और 11 करोड़ भैंसें हैं।याक,ऊंट,भेड़ और बकरी भी दुधारू पशुओं में गिने जाते हैं।हालांकि अभी तक हमारा राष्ट्रीय आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो महज 20 फीसदी पशुओं का ही आनुवंशिक वर्गीकरण कर पाया है। इससे पता चलता है कि हम अपने पशुधन के प्रति कितने लापरवाह हैं। जबकि घरेलू नस्ल के दुधारू जानवरों को स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों में पलने-बढ़ने व वंश वृद्धि में ज्यादा मजबूत और जुझारु पाया जाता है। ये पशु जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बर्दाश्त करने में भी ज्यादा समर्थ होते हैं।भारत दूध उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश है।फिर भी दूध की आपूर्ति सिंथेटिक दूध बनाकर और पानी मिलाकर की जा रही है। यूरिया से भी दूध बनाया जा रहा है। दूध की बढ़ती मांग के कारण दूध का कारोबार गांव-गांव फैल गया है। जैविक तकनीक के क्षेत्र में भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र में देश में पहली बार ई-3 (इकोनोमी एनवायरमेंट, एमप्लायमेंट) नीति कुछ समय पहले जारी की हुई है। इसके तहत दूध, खाद्यान्न, पर्यावरण सहित आम जनजीवन के सामने खड़ी होने वाली प्रत्येक चुनौती से निपटने की तैयारी है। इस क्षेत्र में फिलहाल जनता को सबसे बड़ा लाभ जैविक दूध के रूप में मिलने वाला है। पशुधन के बिना मिलने वाला यह जैविक दूध, दूध की कमी पूरा करने के साथ पौष्टिक भी होगा। यह नई औद्योगिक क्रांति, जैव तकनीक और बायो मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में होगी। आईटी क्रांति की तरह जैविक दूध और खाद्य सामग्री अभी भले ही लोगों को एक चौंकाने वाली बात लग रही हो, लेकिन भविष्य की जरूरतें इसी से पूरी होंगी। यह दूध केवल जैविक उत्पादों से तैयार होगा। इसमें रसायन का प्रयोग कतई नहीं होगा। अब तक बिना किसी सरकारी मदद के दूध का कारोबार फलता-फूलता रहा है। दूध का 70 फीसद कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। इस व्यापार में लगे ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं। लेकिन पांरपरिक ज्ञान से न केवल वे दुग्ध उत्पादन में दक्ष हैं, बल्कि दूध के सह-उत्पाद बनाने में भी कुशल हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित क्षेत्र, मसलन दूध डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध के उत्पादन से 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की भी अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण संस्थाएं केवल दो प्रतिशत हैं। बावजूद वे अशिक्षित किंतु पारंपरिक ज्ञान से कुशल ग्रामीण स्त्री-पुरुष ही हैं, जो दूध का देशी उपायों से प्रसंस्करण करके दही, घी, मक्खन, पनीर आदि बना रहे हैं। इस कारोबार की विलक्षण खूबी यह भी है कि इससे सात करोड़ से ज्यादा लोगों की आजीविका चलती है। एक अनुमान क अनुसार भविष्य में जलवायु परिवर्तन और उच्च तापमान के चलते, सालाना दूध उत्पादन में 32 लाख टन की कमी आ सकती है। इस दूध का मूल्य 5,000 करोड़ रुपए के बराबर होगा। इसलिए जरुरी है कि दुधारू पशुओं की सभी प्रजातियों की नस्लों का संरक्षण व संवर्धन किया जाए।इस दृष्टि से 20 हजार पशु चिकित्सक, डेढ़ लाख दक्ष पशु सेवा प्रदाताओं के प्रबंध के साथ, 84 पशु चिकित्सा महाविद्यालय खोलने का प्रावधान इस बजट में किया गया है। भारत में गिर, राठी, साहिवाल, देवनी, थरपाकर, लाल सिंधी जैसे देशी नस्ल के दुधारू पशु उत्तर, मध्य, पूर्व और पश्चिम भारत में पाए जाते हैं। वाकई यदि इनके आनुवंशिक स्वरुप को उन्नत करने और इनके वंश की वृद्धि के कारगर प्रबंध किए जाते हैं तो देसी नस्ल की गायों से दुग्ध का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। दक्षिण भारत में पाई जाने वाली पंगुनूर, विचूर और कृष्णा घाटी की गायों के आनुवंशिक संरक्षण की आवश्यकता को भी पूरा किया जाना जरुरी है। क्योंकि इस नस्ल के पशुओं की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। हालांकि अब पहली बार आम बजट में पशुधन के संरक्षण को व्यापक महत्व दिया गया है,जो सराहनीय पहल है।यदि यह योजना प्रभावी ढंग से क्रियान्वित होती है तो आने वाले चंद सालों में पशुधन ग्रामीण भारत की रोजगार की पुख्ता गारंटी बन जायेगा।पशुधन जब तकदीर बनेगा तो ग्रामों से पलायन भी थम जाएगा।

देश दुनिया से

श्वेत-श्याम व मोबाइल-डिजिटल में उलझा जीवन

बसंत पंचमी के बाद वातावरण, वायुमंडल तथा जलवायु बासंती प्रभाव में सौंदर्ययुक्त होने चाहिए। संभवतः कभी ऐसा होता रहा हो, किंतु अब ऐसा नहीं। गत तीन दशकों से तो ऐसा है ही नहीं। बसंतागमन के बाद ही पर्वतों के सिर पर हलचल होती है। शीत बढ़ती है। जल वर्षण आरंभ होता है तथा तत्पश्चात हिमवर्षण भी होने लगता है। दिल्ली एवं उत्तर भारत के अन्य महानगरों, नगरों में धुंध व कोहरे के अंधेरे से उकताये-खीझे हुए लोग पर्यटकों के वेश में पहुंच जाते हैं, हिमालय पर्वतों पर हिमवर्षण तथा वर्षण के बाद परिव्याप्त हिमश्वेता देखने। विचित्र है, किंतु सत्य है कि दुनिया के जिन अधिसंख्य लोगों को अपने सिर के श्वेत होते केशों से चिढन-कुढन व ईर्ष्या-जलन होती है, वे हिमालय के श्वेतास्तित्व में स्वयं को प्रसन्न रखने का सौंदर्य देखते हैं। हिम का श्वेत रूप-स्वरूप उन्हें अच्छा लगता है। वे इसे देख प्रेमालाप करते हैं। इसमें खड़े होकर अपने व्यतीत, वर्त तथा भावी प्रेमानुभवों को आत्मसात करते हैं। प्रेमाकुलता में वृद्धि करने वाले गीत गाते हैं, गीत-संगीत सुनते हैं तथा हिमालय की अत्यधिक शीत ऋतु में भी युवावस्था की प्रेमाग्नि का ताप महसूस करते हैं। मानव की विचित्रता से उत्पन्न कुंठित विरोधाभास की स्थिति यह है कि श्वेत वस्त्र धारण करने वाली ज्ञानदेवी सरस्वती की आभा से वह अवश्य ही आत्मप्रेरित होता है। श्वेत दुग्ध प्राप्ति के लिए विशेष प्रयास करता है। श्वेत वसन धारण कर समाज व लोगों का नेतृत्व करने नेता बनता है। श्वेत वसन व टोप पहन कर भद्र जनों की क्रीड़ा क्रिकेट के टेस्ट मैच खेलता है। टेस्ट खिलाड़ी के रूप में मान, सम्मान, पद, प्रतिष्ठा, धन, संसाधन, सुंदरियों का ध्यान प्राप्त करता है। श्वेत गुलाबी त्वचा प्राप्त करने के अथक प्रयास करता है। चरित्र न होते हुए भी चरित्रवान होने के लिए दिखावटी श्वेत क्रियाकलाप करता है। मानव की कुंठा तथा कुंठागत विरोधाभास की पराकाष्ठा यह है कि वह अपने श्वेत केशों को छोडक़र जीवन के समस्त श्वेत को प्राप्त करने को आतुर होता है। मानव इस सत्य को विस्मृत कर चुका है कि जीवन में महत्त्व ही श्वेत-श्याम का है। दिन उदित होता है, सूर्योदय होता है, तो प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह श्वेत क्रांति की दैनिक प्राकृतिक गतिविधि है, जो सर्वप्रथम सूर्य के माध्यम से घटित होती है। सूर्यास्त तक पूरा दिन, संपूर्ण प्रकृति एवं चराचर जगत श्वेत के वशीभूत होकर ही तो सक्रिय होता है। रात्रि माने श्याम। रात होते ही अंधेरा फैल जाता है। प्राकृतिक रूप में समस्त जग-जीवन कालिमा से घिर जाता है। अंधेरा व कालिका ही श्याम है। इस प्रकार श्वेत-श्याम मानव के जन्म से लेकर उसकी मृत्यु तक दो महत्त्वपूर्ण रंगाभासों के रूप में विद्यमान होते हैं। इन दो रंगों से ही अन्य रंगों का अस्तित्व है। इन दोनों के मिश्रण द्वारा ही विविध रंग साकार होते हैं। मानव का वर्ण यदि श्याम है, तो वह श्वेत के लिए प्रमुदित होता है, तथा यदि उसके केश श्वेत होते हैं तो वह श्यामरंगी केशों के लिए लालायित होता है। यह कैसी विडंबना है! इससे प्रत्येक आधुनिक व्यक्ति ग्रस्त है। किंतु इस प्रकरण को व्यर्थ सिद्ध करने कुछ आपवादिक स्थितियां भी हैं, जिनमें श्वेत केशधारी व्यक्तित्व संसार का सबसे आकर्षक तथा श्याम केशधारी व्यक्ति अत्यधिक अनाकर्षक प्रतीत होता है। जिस व्यक्ति के अंग-प्रत्यंग सुडौल व सुगठित हों तथा शरीर की संपूर्ण त्वचा श्वेत-गुलाबी आभा से दमक रही हो, और उसके केश श्वेत भी हों, तब भी वो सौंदर्य, आकर्षण, कामुकता व प्रेमानुभवों का वाहक होता है। इसके विपरीत जिसके अंग व त्वचा वृद्धावस्था की कुरूपता, शुष्कता एवं जर्जरता का आभास कराते हों, और उसके केश श्यामल रंग में रंगे हों, तो भी वह केवल केशों की कालिमा द्वारा सौंदर्य, आकर्षण तथा काम वासना का वाहक नहीं बन सकता। केशों को काला करने के लिए आतुर लोगों को इतना मनोविज्ञान समझ नहीं आता। इस मनोविज्ञान की हानि के कारण केश काले करने के असंख्य उत्पाद बाजार में उपलब्ध हैं। दिन-रात यहां-वहां इनके विज्ञापन प्रसारित होते हैं। विज्ञापनों में श्वेत केशों के साथ उपस्थित व्यक्तियों को लज्जित, दुखित व पीड़ित दिखाया जाता है। इसके विपरीत श्याम रंग वाले उत्पादों के उपयोग के बाद श्यामल केशों के साथ उपस्थित लोगों को आनंदित, प्रफुल्लित, हर्षित एवं आत्मविश्वास से संचित दिखाया जाता है। बीस-तीस वर्षों से विज्ञापनों के माध्यम से यह देख-देख कर समाज के एक बड़े हिस्से की मानसिकता ये हो चुकी है कि जिसके बाल काला रंग लगाकर काले हैं, वो युवा है तथा जिसके बाल प्राकृतिक रूप में सफेद हैं, वो बूढ़ा हो रहा है। अब तो अरबों लोगों के हाथों में मोबाइल फोन है, जिसकी खिड़की दिन-रात कुछ न कुछ प्रसारित कर ही रही है तथा पिचानबे प्रतिशत लोगों के हाथों में मोबाइल फोन की भूमिका किंचित वैसी ही है, जैसे बंदर के हाथ में उस्तरे की भूमिका हो सकती है। अर्थात जैसे बंदर के हाथ में उस्तरा आ जाने पर वह उसे दायें-बायें, ऊपर-नीचे, यहां-वहां बिना सोचे-समझे घुमाकर अपनी एवं दूसरों की गर्दन काट सकता है, ठीक उसी भांति आज पिचानबे प्रतिशत लोग मोबाइल फोन को उस्तरा समझकर प्रयोग कर रहे हैं। इस मोबाइल उस्तरे से लोगों की गर्दनें तो नहीं कट रहीं, किंतु मन-मस्तिष्क-आत्मा, सोच-विचार, आचार-व्यवहार, रिश्ते-नाते, साथ-संबंध, मित्रता-बंधुता, जेब, बैंक, धन, बचत, प्राकृतिक ऊर्जा, स्मृतियां, योग्यता, दक्षता, कौशल, उमंग-तरंग, स्वास्थ्य तथा अंततः मानवता भयंकर ढंग से कट रही है। और इसी मोबाइल रूपी उस्तरे पर श्वेत केशों को श्याम रंग में रंगने का विज्ञापन कर रहे बंदर-बंदरिया भी कई बार अवतरित-अंतर्धान होते देखे जा सकते हैं। श्वेत-श्याम केशों के विचारचक्र तथा मोबाइल-डिजिटल दुनिया की अन्य गतिविधियों ने मानसिक रोगों के ढेर लगा दिए हैं। ऐसे विकास, आधुनिकता तथा विश्वगुरु होने-बनने की आकांक्षा का क्या करना, जिन्हें प्राप्त करते-करते व्यक्ति, परिवार, समाज तथा राष्ट्र मानसिक-शारीरिक व्याधियों से घिर जाएं और अंततः व्यक्ति स्वयं से भी वैर पाल ले। इस समय देश ही नहीं, पूरे विश्व की यही स्थिति है। विशाल प्रकृति के समक्ष पिद्दे-नाटे से दिखाई देते व्यक्ति का अहंकार उसकी बुद्धि-विवेक को भस्म कर चुका है। उसे प्रतापी सूर्य, शांतिपुंज चंद्रमा, तारकों की अद्भुत शोभना, विस्तृत सुनील नभ, अपरिमित भूमि, वन-वनस्पतियों की विशालता, वायु व जल की भूमिका, उपयोगिता एवं विनाशक प्रतिक्रिया तथा संपूर्ण प्राकृतिक गतिविधियों पर स्थायी आश्चर्य नहीं होता। वह आधुनिकता द्वारा बोई गई खरपतवार छांटने में उलझा हुआ है। एक-दूसरे की आंतरिक-बाह्य दृष्टियों में ओझल काया के सिर के श्वेत केशों को कृत्रिम श्याम रंग में रंग रहा है और केश रंगाने के बाद भी जब कोई मित्र नहीं मिल रहा है, तो मोबाइल फोन से मैत्री गांठ, उसकी यांत्रिक मादकता में डूब प्राकृतिक स्वास्तित्व के सत्य का नाश कर रहा है। क्या विश्वगुरु बनने-होने की दिशा में अग्रसर तंत्र मनुष्यों की इस दुर्दशा पर ध्यान लगा कुछ निवारक उपाय करेगा।

आप का नज़रिया

असामान्य वित्तीय हालात

जिस वित्तायोग के सहारे पर्वतीय धमनियों को आर्थिक आक्सीजन मिलती थी, उसके विरुद्ध केंद्र सरकार ने ऐलान करके हिमाचल को नाखून चबाने की स्थिति में ला खड़ा किया है। पंद्रहवें वित्तायोग ने पांच सालों में 49 हजार करोड़ की मदद, रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट यानी आरडीजी के रूप में दी, उसे पूरी तरह खत्म कर गिया गया है। अगर केंद्र हिमाचल जैसे छोटे व पर्वतीय राज्यों को वित्तीय अनुशासन सिखाना चाहता है, तो मिलकीयत में मिले अधिकारों की पहचान जरूरी है। बेशक आत्मनिर्भर होने के रास्ते हैं, लेकिन इसके लिए हिमाचल के अधिकारों से पर्दा हटना चाहिए। यह जल, जंगल और जमीन की लड़ाई है, जिसका मोल-तोल होना चाहिए। बेशक राज्य की आर्थिक स्थिति व केंद्र से मिले झटके पर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई है, लेकिन इसे लेकर सर्वदलीय बैठक भी आहूत करनी होगी। मसला हिमाचली अधिकारों का है, तो वो दौर भी याद करना होगा जब बतौर मुख्यमंत्री शांता कुमार केंद्र में तत्कालीन कांग्रेस सरकार से मुफ्त बिजली की रॉयल्टी ले आए थे या प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व में केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने औद्योगिक पैकेज देकर प्रदेश की उत्पादन क्षमता को ताकत दी थी। इसी संदर्भ में कनेक्टिविटी, रेल या पर्यटन विकास पैकेज की अपेक्षा केंद्र से रही है। विडंबना यह है कि मैदानी प्रदेशों की सिंचाई परियोजनाओं के लिए केंद्र के भंडार भरे नजर आते हैं, लेकिन पौंग, गोविंद सागर व अन्य जलाशयों एवं विद्युत परियोजनाओं से हिमाचल को आज भी ठेंगा मिल रहा है। न विस्थापितों का दर्द पौंछा गया और न ही केंद्र के सार्वजनिक उपक्रमों में इस्तेमाल होता पानी हमारे लिए आर्थिक संबल बना। ऐसे में वाटर सैस जैसे स्वावलंबी कदम को रोक के बैठी केंद्र सरकार आखिर तोल क्या रही है। क्या प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने वाले राज्य को केंद्रीय बजट के आबंटन तथा वित्तीय आयोग की सिफारिशों में केवल शून्यता ही मिलेगी। अधिकार तो पंजाब पुनर्गठन के भी सड़ रहे हैं और शानन विद्युत परियोजना की मिलकीयत में भी अपमान कर रहे हैं, तो फिर इंसाफ का राष्ट्रीय चरित्र है क्या। पहले पहाड़ी लोग सेना भर्ती के अगुआ होते थे, लेकिन अब कोटे में सामथ्र्य गायब है, लिहाजा शहादत के परिंदों का आकाश छोटा करके देखा जा रहा है। बहरहाल प्रदेश के लिए वित्तीय संदेश मातम मना कर तो समझे नहीं जा सकते। जिम्मेदारी का एक फलक अगर हमारे राज्यसभा तथा लोकसभा पहुंचे भाजपा सांसदों का है, तो दूसरी ओर यह राज्य सरकार के मंतव्यों और तरीकों की समीक्षा भी है। आंचल फैलाने के बजाय, चादर तक पांव समेटने की जरूरत भी है। सरकार का कद और पद अगर समीक्षा करे, तो फिजूलखर्चियों के आलम में कई कूड़ेदान हटाने पड़ेंगे। कहना न होगा कि जिस तरह आते ही सुक्खू सरकार ने अनावश्यक शैक्षणिक व अन्य संस्थानों तथा कार्यालयों को डीनोटिफाई किया था, वह एक कारगर कदम था, लेकिन अब भी घाटे के कई उपक्रम ताली बजा रहे हैं। यहां आर्थिक पड़ताल की जरूरत तो है, बल्कि राज्य को अपनी प्राथमिकताएं बदलने की मजबूरी भी है। वित्त आयोग के कड़े फैसले के बाद राज्य के समस्त ढांचे की समीक्षा जरूरी है। बेशक भाजपा के प्रतिनिधि केंद्र की गवाही में राग अलाप रहे हैं, लेकिन राज्य के वजूद की ठोकरें असामान्य हालात का वर्णन कर रही हैं। जाहिर है जिन आर्थिक मिस्त्रियों ने हिमाचल की इमारत को नुकसान पहुंचाया है, वे राजनीतिक गलियारों से ही नजर आ रहे हैं। एक दौर वो था जब हिमाचल के आर्थिक स्वावलंबन की चित्रकारी में कभी नरसिम्हा राव, तो कभी अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने रंग भरे थे और एक यह समय है, जब केंद्र सरकार ने पूरी तसल्ली से प्रदेश की आर्थिक हजामत की है।

पंद्रहवें वित्तायोग ने पांच सालों में 49 हजार करोड़ की मदद, रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट यानी आरडीजी के रूप में दी, उसे पूरी तरह खत्म कर गिया गया है।अगर केंद्र हिमाचल जैसे छोटे व पर्वतीय राज्यों को वित्तीय अनुशासन सिखाना चाहता है, तो मिलकीयत में मिले अधिकारों की पहचान जरूरी है।बेशक आत्मनिर्भर होने के रास्ते हैं, लेकिन इसके लिए हिमाचल के अधिकारों से पर्दा हटना चाहिए।यह जल, जंगल और जमीन की लड़ाई है, जिसका मोल-तोल होना चाहिए। बेशक राज्य की आर्थिक स्थिति व केंद्र से मिले झटके पर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई है, लेकिन इसे लेकर सर्वदलीय बैठक भी आहूत करनी होगी।मसला हिमाचली अधिकारों का है, तो वो दौर भी याद करना होगा जब बतौर मुख्यमंत्री शांता कुमार केंद्र में तत्कालीन कांग्रेस सरकार से मुफ्त बिजली की रॉयल्टी ले आए थे या प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व में केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने औद्योगिक पैकेज देकर प्रदेश की उत्पादन क्षमता को ताकत दी थी।इसी संदर्भ में कनेक्टिविटी, रेल या पर्यटन विकास पैकेज की अपेक्षा केंद्र से रही है।विडंबना यह है कि मैदानी प्रदेशों की सिंचाई परियोजनाओं के लिए केंद्र के भंडार भरे नजर आते हैं, लेकिन पौंग, गोविंद सागर व अन्य जलाशयों एवं विद्युत परियोजनाओं से हिमाचल को आज भी ठेंगा मिल रहा है।न विस्थापितों का दर्द पौंछा गया और न ही केंद्र के सार्वजनिक उपक्रमों में इस्तेमाल होता पानी हमारे लिए आर्थिक संबल बना।ऐसे में वाटर सैस जैसे स्वावलंबी कदम को रोक के बैठी केंद्र सरकार आखिर तोल क्या रही है।

दृष्टि कोण

नर्सरी से कॉलेज तक, एडमिशन की युद्धभूमि

आज शिक्षा का अर्थ सीखना नहीं, बल्कि साबित करना हो गया है। साबित करना कि बच्चा बेहतर है, तेज़ है, दूसरों से आगे है। और यह साबित करने की ज़िम्मेदारी बच्चे से ज़्यादा उसके माता-पिता के कंधों पर डाल दी गई है। नतीजा यह है कि नर्सरी से लेकर विश्वविद्यालय तक, 'दाख़िला' अब एक सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक और सामाजिक तनाव का कारण बन चुका है। दाख़िले की इस दौड़ में सबसे पहले निशाने पर आता है मासूम बच्चा। वह उम्र, जब खेलना, कल्पना करना और सवाल पूछना चाहिए, उसी उम्र में उसे फ़ॉर्म, इंटरव्यू, टेस्ट और रैंक के बोझ तले दबा दिया जाता है। नर्सरी एडमिशन के नाम पर माता-पिता छुट्टियाँ लेते हैं, स्कूल-दर-स्कूल भटकते हैं, सिफ़ारिशें ढूँढते हैं और कई बार आत्मसम्मान तक गिरवी रख देते हैं। यह सब इसलिए नहीं कि बच्चा सीख सके, बल्कि इसलिए कि वह 'अच्छे स्कूल' का टैग हासिल कर सके। आज शिक्षा संस्थान ज्ञान के मंदिर कम और प्रतिस्पर्धी बाज़ार ज़्यादा बनते जा रहे हैं। अख़बारों में 'मिशन एडमिशन' जैसे शब्द आम हो चुके हैं। टीवी चैनलों पर दाख़िले को लेकर बहसें होती हैं, कोचिंग संस्थान भविष्य की गारंटी बेचते हैं और स्कूल-कॉलेज अपनी ब्रांड वैल्यू चमकाने में लगे रहते हैं। इस पूरे तंत्र में बच्चा एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रोजेक्ट बन जाता है—जिसे हर हाल में सफल दिखाना ज़रूरी है। कभी 60–65 प्रतिशत अंक लाना सम्मान की बात हुआ करती थी। सेकंड डिविज़न जीवन की हार नहीं मानी जाती थी। आज हालात यह हैं कि 90 प्रतिशत से नीचे अंक लाने वाला बच्चा और उसके माता-पिता अपराधबोध में जीते हैं। 95–96 प्रतिशत अंक लाने वालों को भी चैन नहीं है, क्योंकि कट-ऑफ़ हर साल नई ऊँचाई छू रहा है। ऐसा लगता है मानो अंकों की इस दौड़ का कोई अंत ही नहीं। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब ज़्यादातर बच्चे 90 प्रतिशत से ऊपर अंक ला रहे हैं, तो क्या वास्तव में सब असाधारण प्रतिभाशाली हैं? या फिर मूल्यांकन प्रणाली ही अपना संतुलन खो

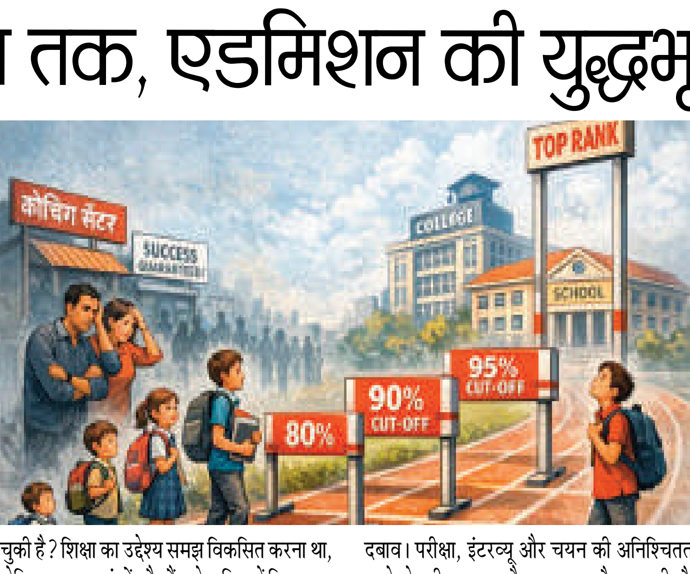

चुकी है? शिक्षा का उद्देश्य समझ विकसित करना था, लेकिन वह अब अंकों और रैंक के गणित में सिमट कर रह गया है। ज्ञान से ज़्यादा प्रदर्शन मायने रखता है, और प्रदर्शन से ज़्यादा उसका प्रचार। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे भयावह पहलू है बच्चों पर पड़ने वाला मानसिक दबाव। परीक्षा, इंटरव्यू और चयन की अनिश्चितता बच्चे के भीतर डर और असुरक्षा पैदा करती है। असफलता की स्थिति में पहला सवाल यही होता है—"अब क्या होगा?" यह सवाल सिर्फ़ भविष्य का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का भी होता है। बच्चा यह मानने लगता है कि उसकी असफलता उसके माता-पिता की हार है। यह भाव उसके आत्मविश्वास को गहरे तक चोट पहुँचाता है। विडंबना यह है कि माता-पिता भी इस दबाव के शिकार हैं। समाज ने उनके सामने सफलता की एक संकीर्ण परिभाषा रख दी है—टॉप स्कूल, टॉप कॉलेज और टॉप करियर। वे यह सोचने से डरते हैं कि अगर उनका बच्चा इस तय ढाँचे में फिट नहीं हुआ, तो लोग क्या कहेंगे। परिणामस्वरूप वे बच्चे की रुचि, क्षमता और स्वभाव को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त असमानता इस समस्या को और गंभीर बना देती है। जिनके पास संसाधन हैं, वे महँगी कोचिंग, प्राइवेट स्कूल और मैनेजमेंट कोटा खरीद सकते हैं। लेकिन मध्यम और निम्न वर्ग के बच्चों के लिए यह दौड़ कहीं ज़्यादा कठिन है। योग्यता के बावजूद अवसर न मिलना, व्यवस्था पर से भरोसा तोड़ देता है। धीरे-धीरे शिक्षा सामाजिक न्याय का माध्यम न रहकर विशेषाधिकार का प्रतीक बन जाती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार और रुमानियत से भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। दोस्त और क़रीबी लोग मदद के लिए आपकी ओर हाथ बढ़ाएंगे। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। थोड़ा–सा मोलभाव और चतुरता काफ़ी फ़ायदा पहुँचा सकती है। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने स्वास्थ्य को नज़रअन्दाज़ न करें आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। नए प्रेम–संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आज इस राशि के कुछ छात्र लेपटॉप या टीवी पर कोई मूवी देखकर अपना कीमती समय जाया कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सफलता क़रीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। अपने गुस्से पर काबू रखें और ऑफिस में सबके साथ ढ़ग से व्यवहार करें अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। लेकिन आज वह दिन है जब आप अगर चाहें तो यह ख़ुद महसूस कर सकते हैं। आज आपकी दृढ़ता और लगन सफलता हासिल करेंगे, क्योंकि आप लक्ष्य भेदने में क़ामयाब रहेंगे। हालाँकि सफलता के नशे को सिर पर न चढ़ने दें और ईमानदारी से कड़ी मेहनत जारी रखें। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा–पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। दिन भर भले ही आप धन को लेकर जूझते रहें लेकिन शाम के वक्त आपको धन लाभ हो सकता है। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना दे। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और की ज़रूरत है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। सारी दुनिया की मदहोशी उन ख़ुशनसीबों के बीच सिमट जाती है, जो प्यार में हों। नई चीज़ों को सीखने की आप मे ललक बढेगी । आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। शाम के समय कुछ हँसी–ख़ुशी भरा वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ महत्वपूर्ण घटित होगा, जो आपके और आपके परिवार के लिए प्रसन्नता लेकर आएगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 फरवरी 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 12:25 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 10:57 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 12:03 तक
करण : बव दोपहर 12:13 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:13 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:22 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 06:05 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:24

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बजट में विकसित भारत के स्तंभ गरीब, युवा, महिला और किसान को केंद्र में रखा गया : सैनी

चंडीगढ़, 04 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही 3.0 केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पेश किया गया दूसरा बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह उस भारत की तस्वीर पेश करता है जो आत्मनिर्भर है, प्रतिस्पर्धी है और सामाजिक रूप से संवेदनशील भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट 'विकास भी, विश्वास भी' के सिद्धांत पर आधारित है और हरियाणा जैसे अग्रणी राज्य के लिए इसमें अपार अवसर निहित हैं। मुख्यमंत्री बुधवार को हरियाणा निवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान केंद्रीय बजट 2026–27 की भावना, दिशा और उसके महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपनी बात रखते हुए केंद्र सरकार के बजट का हरियाणा पर पड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रभावों को भी बताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह बजट उस भारत की सोच को दर्शाता है, जहां विकास का मतलब केवल बड़े शहर नहीं, बल्कि गांव, किसान, महिला, युवा और श्रमिक भी हैं। जहां, अर्थव्यवस्था मजबूत हो, लेकिन समाज का अंतिम व्यक्ति भी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे। उन्होंने कहा कि इस बजट में विकसित भारत के स्तंभ गरीब, युवा, महिला और किसान को केंद्र में रखा गया है। और यही प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारी विकास नीति का भी मूल मंत्र है। इस बजट का मूल उद्देश्य है, संदेह के स्थान पर एक्शन, दिखावे के स्थान पर सुधार और लोक–लुभावन घोषणाओं के स्थान पर जनहित को प्राथमिकता। सरकार ने इस बजट में लगभग 7 प्रतिशत की उच्च आर्थिक विकास दर को लक्ष्य बनाते हुए राजकोषीय अनुशासन और सामाजिक न्याय, दोनों के बीच संतुलन साधा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेश किए गए बजट में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को लगभग 12 लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है। यह निवेश सड़कों, रेल, शहरी अवसंरचना, औद्योगिक कॉरिडोर और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करेगा। इसका सीधा लाभ हरियाणा को मिलेगा, क्योंकि हमारा राज्य दिल्ली–एनसीआर, औद्योगिक

गलियारों और राष्ट्रीय राजमार्गों का केंद्र है। इस निवेश से न केवल विकास कार्य तेज़ होंगे, बल्कि लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के लिए क्या है? इस पर बड़ी चर्चा हो रही है। केंद्र सरकार हमारे युवाओं को देश की सबसे बड़ी पूंजी मानती है। युवा कौशल विकास व शिक्षा क्षेत्र के लिए 1 लाख 39 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। देश के 1 लाख 50 हजार से अधिक युवाओं को नई उम्र की स्किल्स का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसलिए, केंद्रीय बजट में कौशल विकास, रोजगार और भविष्य की तकनीकों के लिए 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बायोटेक और साइबर सिक्योरिटी जैसी तकनीकों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का विशेष फंड रखा गया है। इसका सीधा लाभ गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और रोहतक जैसे शैक्षणिक व तकनीकी केंद्रों को मिलेगा, जहां हमारे युवा विश्व–स्तरीय अति–आधुनिक कौशल सीखकर उच्च–आय रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और उद्यमिता के लिए भी 7,500 करोड़ रुपये के प्रावधान से हरियाणा का स्टार्टअप इकोसिस्टम और मजबूत होगा। इससे प्रदेश में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और हमारा युवा रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनेगा। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा भारत में स्टार्टअप की संख्या में चौथे बड़े राज्य के रूप में उभरा है। वर्तमान में, हरियाणा में 9,100 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स हैं। प्रदेश में 19 यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। इसके अलावा, 250 से अधिक फॉर्च्यून–500 कंपनियां भी यहां हैं।

उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक खुशी की बात यह है कि लगभग 50 प्रतिशत स्टार्टअप महिलाएं चला रही हैं। प्रदेश सरकार ने ने अगले चरण में स्टार्टअप्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 60 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। यही नहीं, सरकार नीति आयोग के साथ मिलकर 'विमेन आंत्रप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म' का एक 'स्टेट चैप्टर' स्थापित कर रहे हैं। इससे महिला उद्यमियों को 700 से अधिक मेंटर्स, विशेष प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, बाजार तक पहुंच और इन्क्यूबेशन सहयोग प्राप्त होगा। सरकार ने हरियाणा में 'हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति–2022' लागू की है। प्रदेश सरकार स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 2 हजार करोड़ रुपये का फंड ऑफ फंड्स स्थापित करवाने जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता' को जोड़ने के लिए उच्चस्तरीय स्थायी समिति का गठन किया गया है। डिजिटल और क्रिएटिव अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए देशभर के 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों और 500 महाविद्यालयों में एवीजीसी (तत्रख्ठ) कंटेंट क्रिएटर लैब्स स्थापित की जाएंगी।

प्रस्तावित भारत–अमेरिका ट्रेड डील पर पारदर्शिता और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा अनिवार्य : कुमारी सैलजा

सिरसा, 04 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने प्रस्तावित भारत–अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सार्वजनिक हो रही सूचनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह प्रस्तावित समझौता विशेषकर हरियाणा और पंजाब के किसानों के लिए अत्यंत हानिकारक सिद्ध हो सकता है। किसानों को वर्ष 2022 तक आय दोगुनी करने और एमएसपी की गारंटी देने का सपना दिखाने वाली सरकार एक बार फिर किसानों के हितों से समझौता करती हुई दिखाई दे रही है। यदि कृषि क्षेत्र को बिना पर्याप्त सुरक्षा प्रावधानों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए खोल दिया गया तो इसका सीधा असर खेतिहर परिवारों की आजीविका पर पड़ेगा। कुमारी सैलजा ने कहा कि इस समझौते की घोषणा एकतरफा बयानबाज़ी के रूप में सामने आई है और अमेरिकी पक्ष द्वारा यह संकेत दिया

जा रहा है कि भारत टैरिफ तथा नॉन–टैरिफ बैरियर को शून्य के करीब लाने पर सहमत हो रहा है। यह स्थिति देश के हितों को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि भारतीय बाज़ार को इस प्रकार व्यापक रूप से खोला जाता है, तो इसका सीधा प्रभाव देश के उद्योग, लघु एवं मध्यम उद्यमों, व्यापारियों तथा अन्नदाताओं पर पड़ेगा। कृषि क्षेत्र को खोलने की चर्चा हो रही है, परंतु किसानों के हितों की सुरक्षा किस प्रकार सुनिश्चित की जाएगी, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है। यह अस्पष्टता ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा, दोनों के लिए चिंता का विषय है। तेल खरीद के संदर्भ में रूस से दूरी और अमेरिका व वेनेजुएला पर निर्भरता बढ़ने की बात भी सामने आई है। कुमारी सैलजा ने प्रश्न उठाया कि यदि यह किसी व्यापारिक समझौते का हिस्सा है, तो इससे देश की ऊर्जा नीति और रणनीतिक संतुलन पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। ऐसी किसी भी शर्त पर निर्णय लेते समय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। यदि अमेरिका से बड़े पैमाने पर आयात बढ़ाया जाता है, तो 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भरता के संकल्प पर भी प्रश्नचिन्ह लगेंगे। कुमारी सैलजा ने कहा कि देश के विनिर्माण क्षेत्र और रोजगार पर इसके प्रभाव का आकलन सार्वजनिक होना चाहिए।

कुमारी सैलजा ने स्पष्ट किया कि ट्रेड डील के हर पहलू पर पारदर्शिता अनिवार्य है। देश और संसद को यह जानने का पूरा अधिकार है कि किन शर्तों पर क्या सहमति बनी है।

राहुल गांधी को संसद में बोलने से रोके जाने के विरोध में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

निशित कटारिया के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय का घेराव

गुरुग्राम, 04 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा युवा कांग्रेस की ओर से बुधवार को भाजपा कार्यालय 'गुरु कमल' के बाहर विशाल प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शन का उद्देश्य केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध और संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने से रोके जाने के खिलाफ आवाज बुलंद करना था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे की किताब और गलवान घाटी से जुड़े गंभीर मुद्दों पर चर्चा से राहुल गांधी को रोकना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह सरकार की जवाबदेही से बचने की कोशिश है। उन्होंने सवाल उठाया कि गलवान घाटी में शहीद हुए जवानों की शहादत से जुड़े तथ्यों पर देश को सच्चाई जानने का अधिकार है, लेकिन सरकार लगातार चुप्पी साधे हुए है। दोपहर 12:30 बजे शुरू हुए प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और हाथों में तख्तियां लेकर विरोध दर्ज कराया।

कोटपूतली–बहरोड़ में भूमि की उपलब्धता एवं बजट के आधार पर स्टेडियम निर्माण करवाया जाएगा : राठौड़

जयपुर, 04 फरवरी (एजेंसियां)। युवा मामले और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि नवगठित जिले कोटपूतली–बहरोड़ में 1 फरवरी, 2025 से जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। यह केन्द्र वर्तमान में महात्मा गांधी विद्यालय, बहरोड़ परिसर में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम निर्माण के लिए नियमानुसार भूमि की उपलब्धता तथा बजट के आधार पर स्टेडियम निर्माण करवाया जाएगा। युवा मामले और खेल मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य डॉ. जसवंत सिंह द्वारा इस विषय में पूछे गए पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने बताया कि जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र के

लिए भूमि आवंटन के संबंध में जिला कलेक्टर को पत्र भेजा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला, तहसील एवं पंचायत स्तर पर खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुसार खेल स्टेडियम निर्माण में उन स्थानों को प्राथमिकता दी जाती है, जहां विधायक एवं सांसद कोटे द्वारा निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि एल.बी.एस. राजकीय महाविद्यालय, कोटपूतली में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से केंद्र सरकार के माध्यम से इंडोर हॉल तथा बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल एवं एथलेटिक्स ट्रैक का निर्माण किया गया है। इस इंडोर हॉल में वर्तमान में कुश्ती एवं बैडमिंटन खेलों का संचालन किया जा रहा है, जहां कुश्ती के लिए 3 एवं एथलेटिक्स के लिए 1 प्रशिक्षक की व्यवस्था है।

यूनेस्को दिशा–निर्देशों के अनुरूप पिंक सिटी के संरक्षण–पुनरुद्धार के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : वी. श्रीनिवास

जयपुर, 04 फरवरी (एजेंसियां)। पिंक सिटी जयपुर को यूनेस्को विश्व धरोहर शहर का दर्जा प्राप्त होना राज्य के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए मुख्य सचिव ने संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि संरक्षण एवं पुनरुद्धार से जुड़े समस्त कार्य यूनेस्को द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुरूप किए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यूनेस्को से जुड़े दायित्वों एवं मेंडेट की पूर्ति को लेकर पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी स्टेटस के तहत आवश्यक कार्यों की समीक्षा करते हुए 'होल ऑफ गवर्नमेंट अप्रोच' अपनाने पर जोर दिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, समयबद्ध कार्यान्वयन तथा सभी एजेंसियों की साझा जिम्मेदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने पर्यटन

विभाग, स्वायत्त शासन विभाग एवं नगरीय विकास विभाग की संयुक्त टीम को पिंक सिटी का निरीक्षण कर कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने वॉल्ड सिटी क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने, शहर के सौंदर्य को प्रभावित करने वाले बैनर, विज्ञापन एवं अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से हेरिटेज गेट्स एवं प्रमुख मार्गों पर नियमित निगरानी रखते हुए अवैध तत्वों को हटाया जाए। उन्होंने संबंधित जिला एवं जोन स्तर के अधिकारियों को विरासत क्षेत्र की गरिमा बनाए रखने हेतु नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

टॉफी समझकर बच्ची ने चबाया विस्फोटक, गंभीर रूप से घायल

रामगढ़, 04 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के रामगढ़ थाना क्षेत्र के अलवर मार्ग पर स्थित चौकी बास गांव से एक बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बताया गया कि एक तीन साल की छोटी बच्ची ने टॉफी समझकर कोई वस्तु मुंह में ली और उसने उसे चबाया, तो जोरदार विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि बच्ची का जबड़ा और गाल बुरी तरह फट गया। बच्ची खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ी। जानकारी के अनुसार, अक्शु अपनी छह साल की बड़ी बहन अहाना के साथ गांव की एक किराना दुकान पर टॉफी लेने गई थी। आरोप है कि दुकानदार सुदील उर्फ काला पुत्र नत्थो ने बच्ची को टॉफी की जगह बारूद से भरी पटाखे जैसी चीज दे दी। जैसे ही बच्ची ने उसे मुंह में डालकर चबाया, विस्फोट हो गया। परिजनों ने तुरंत बच्ची को अलवर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसका ऑपरेशन किया। चिकित्सकों ने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा है और बच्ची अब खतरे से बाहर है।इस मामले में बच्ची की चाची निकिता ने रामगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दुकानदार सुदील उर्फ काला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थानाधिकारी डॉ. विजेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) से जांच कराई जा रही है और विशेषज्ञों की राय भी ली जा रही है।

जयपुर में टैक्स आतंक का संगठित खेल: फेल कंपनी को फिर उपकृत क्यों करना चाहते हैं आयुक्त

जयपुर, 04 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर शहर में यूडी टैक्स निर्धारण और वसूली के नाम पर निजी कंपनी स्पैरो सॉफ़्टेक प्रा. लि. द्वारा किया गया कार्य अब एक संगठित टैक्स आतंक का रूप ले चुका है। गलत बिल, मनमाने नोटिस और अधूरे सर्वे से परेशान व्यापारी और आम नागरिक सड़कों पर हैं, लेकिन नगर निगम प्रशासन या तो मजबूरी का हवाला दे रहा है या फिर ऊपर से दबाव के संकेतों के बीच चुप्पी साधे हुए है। हालांकि इस बीच नगर निगम ने टेंडर की तारीख अब आगे बढ़ा दी है।

स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि जब व्यापारियों ने नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी से सीधे सवाल किया, तो आयुक्त ने दो–टूक शब्दों में कहा कि अगर स्पैरो सॉफ्टटेक टेंडर में दुबारा से आती है तो मैं कुछ नहीं कर सकता। आयुक्त का यह बयान अब नगर निगम की निष्पक्षता और प्रशासनिक कार्यशैली पर ही सवाल खड़े कर रहा है।

यह हालत तो तब है जब नगर निगम की ओर से तत्कालीन आयुक्त द्वारा भ्रष्टाचार की शिकायतों को लेकर मैसर्स स्पैरो सॉफ्टटेक प्रा. लि. को पत्र लिखकर कहा था कि उनकी वजह से नगर निगम ग्रेटर की छवि आम जनता में धूमिल हो रही है। चेतावनी दी कि अगर आगे शिकायतें मिलीं तो अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा। अब नगर निगम अपने उसी पत्र को फाइलों में दबा दिया है। तमाम शिकायतों के बावजूद कार्रवाई करने के बजाय शहरवासियों की भावनाओं के विपरीत फिर उसी कंपनी को उपकृत करने की तैयारी कर रहे हैं। जयपुर नगर निगम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष गिरिराज खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि स्पैरो सॉफ़्टेक अपने पुराने ठेके में पूरी तरह विफल रही है। ठेका शर्तों के अनुसार दो वर्षों में 6 लाख संपत्तियों का सर्वे किया जाना था, लेकिन कार्यकाल समाप्त होने तक 3 लाख से भी कम संपत्तियों का सर्वे हुआ।

इसके बावजूद अधूरे और त्रुटिपूर्ण डेटा के आधार पर रिहायशी और छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर भारी टैक्स के नोटिस जारी कर दिए गए। खंडेलवाल ने कहा कि ठेका शर्तों में ठऋखऊ टैगिंग अनिवार्य थी, ताकि पारदर्शिता रहे, लेकिन यह व्यवस्था बड़े पैमाने पर लागू ही नहीं की गई। तकनीकी विफलता के बावजूद टैक्स निर्धारण कर देना पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध और अविश्वसनीय बनाता है। व्यापार मंडलों का आरोप है कि नगर निगम कैंपों और बैठकों में यह तो मान रहा है कि स्पैरो सॉफ्टटेक द्वारा गलत बिल और गलत नोटिस जारी किए गए, लेकिन इसके बावजूद न तो नोटिस रद्द किए जा रहे हैं और न ही कंपनी पर कोई दंडात्मक कार्रवाई हो रही है।

बागी नेता भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए बन गए सिरदर्द

मंचेरियाल, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिले में कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों को बागी दलों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है हालांकि नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि मंगलवार थी लेकिन वार्ड सदस्य और पार्षद पदों के लिए नामांकन दाखिल करने वाले कई नेताओं ने अपने नामांकन वापस नहीं लिए है

वार्ड सदस्य और पार्षद पदों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है दोनों पार्टियों की ओर से प्रत्येक सीट के लिए तीन से चार उम्मीदवार मैदान में है सभी उम्मीदवारों को बी-फॉर्म जारी करना संभव न होने के कारण कई नेता निराश हुए है जिन नेताओं को पार्टी का बी-फॉर्म नहीं मिला उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया है कांग्रेस नेता और पूर्व पार्षद मोंडी श्रीलता चंद्रशेखर ने करीमनगर नगर निगम के 53वें डिवीजन से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया है चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि करीमनगर निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी वेलीचाला राजेंद्र राव ने भाजपा के साथ गुप्त समझौता करके किसी अन्य व्यक्ति को पार्टी का टिकट आवंटित किया भाजपा के वरिष्ठ नेता और करीमनगर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष बेथी महेंद्र रेड्डी ने भी जन सेना पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है महेंद्र रेड्डी ने 24वें डिवीजन से टिकट मांगा था लेकिन टिकट न मिलने पर उन्होंने भाजपा से इस्तीफा दे दिया और जन सेना का नामांकन पत्र जमा कर दिया इससे पहले वे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के करीबी सहयोगी थे जगतियाल में वरिष्ठ कांग्रेस नेता टी जीवन रेड्डी के समर्थकों ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया है मेटपल्ली नगर परिषद की अध्यक्ष हरिथा टिकट न मिलने पर भावुक हो गई उन्होंने बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने पहले उन्हें बी-फॉर्म लेने के लिए कहा था लेकिन बाद में टिकट किसी और उम्मीदवार को दे दिया गया उन्होंने अपनी आपबीती जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष विजयलक्ष्मी को सुनाई इसी बीच सिरसिला से भाजपा नेता नागराजू गौड़ ने पार्टी छोड़ दी और सिरसिला कस्बे में अंबेडकर प्रतिमा के पास अपना त्यागपत्र सौंप दिया 10वें वार्ड से टिकट की मांग करने वाले नागराजू गौड़ ने आरोप लगाया कि भाजपा जिला अध्यक्ष गोपी ने टिकट आवंटन के बदले पैसे की मांग की थी।

एससीसीएल जुर्माना चोरी विवाद के केंद्र में कांग्रेस नेता का रिश्तेदार

मंचेरियाल, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

एक कथित वित्तीय धोखाधड़ी में एक ठेका फर्म ने वरिष्ठ अधिकारियों के कथित समर्थन से सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) द्वारा लगाए गए जुर्माने के भुगतान से बचने का प्रयास किया प्रबंधन ने कथित तौर पर जुर्माना न वसूलने का फैसला किया था क्योंकि कंपनी एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता के रिश्तेदार की बताई जा रही है हालांकि सतर्कता विभाग ने जांच के बाद इस साजिश का पर्दाफाश किया सूत्रों के अनुसार सतर्कता विभाग की जांच के नतीजों से वरिष्ठ अधिकारी कथित तौर पर घबरा गए और उन्होंने मामले की जांच करने वाले सतर्कता अधिकारी का तबादला कर दिया। वे रिपोर्ट को दबाकर ठेकेदार की मदद करने की कोशिश कर रहे थे हालांकि यह घटना कुछ महीने पहले हुई थी लेकिन इसका खुलासा हाल ही में हुआ है सिंगारेनी सूत्रों के अनुसार, मंचेरीयाल जिले के इंद्रमखानी ओपन कास्ट प्रोजेक्ट में ऊपरी परत हटाने का ठेका निजी कंपनी वराही जीकेआर जेवी को दिया गया था हालांकि एससीसीएल को कथित तौर पर दस लाख टन से अधिक कोयले का नुकसान हुआ क्योंकि कंपनी लक्ष्य हासिल करने में विफल रही और निर्धारित अवधि के भीतर केवल लगभग 30 प्रतिशत ऊपरी परत ही हटा पाई मामले को गंभीरता से लेते हुए एससीसीएल ने कंपनी पर लगभग 25 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है आरोप लगाया गया कि ठेकेदार निज़ामाबाद के एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता से संबंधित होने के कारण सिंगारेनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हस्तक्षेप किया और ठेकेदार के पक्ष में एक समिति का गठन किया जिसकी अध्यक्षता महाप्रबंधक रैंक के एक अधिकारी ने की बताया जाता है कि समिति का प्रमुख पहले श्रीरामपुर क्षेत्र में हुए एक डीजल घोटाले में भी शामिल था जैसा कि उम्मीद थी समिति ने कथित तौर पर ठेकेदार के पक्ष में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की और अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर) खंड का हवाला देते हुए जुर्माने को माफ करने की सिफारिश की हालांकि सतर्कता अधिकारियों ने एक अलग जांच की और निष्कर्ष निकाला कि नुकसान ठेकेदार की लापरवाही के कारण हुआ था इस संबंध में एक रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपी गई मामले की जांच करने वाले सतर्कता अधिकारी के तबादले से सिंगारेनी के अधिकारियों में संदेह पैदा हो गया है सूत्रों के अनुसार कुछ वरिष्ठ अधिकारी सतर्कता रिपोर्ट को दबाकर ठेकेदार की मदद करने पर विचार कर रहे हैं इन आरोपों का खंडन करते हुए सिंगारेनी के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर दावा किया कि जुर्माने की राशि 10 करोड़ रुपये से कम थी उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में ठेकेदार आमतौर पर जुर्माना भरने के बजाय अदालतों का रुख करते है और यह भी बताया कि सतर्कता अधिकारी आमतौर पर ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं करते हैं और ठेकेदार ने अब काम जारी नहीं रखा है

अपर कलेक्टर दीपक तिवारी ने सरकारी नर्सिंग कॉलेज का औचक निरीक्षण किया

आसिफाबाद , 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । कुमराम भीम आसिफाबाद जिला: जिले के अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, आईएएस ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर सरकारी नर्सिंग कॉलेज का दौरा किया और औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय की कक्षाओं, छात्रावास सुविधाओं, भोजनालय एवं अन्य सुविधाओं का गहनता से निरीक्षण किया। कक्षाएँ नियमित रूप से चल रही हैं या नहीं यह देखने के लिए रजिस्टरों की जाँच की गई। आवास और भोजन: छात्रावास में छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में पूछताछ की गई। अधिकारियों को मेस में बन रहे भोजन का निरीक्षण करने तथा छात्रों को मेनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया. छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे अनुशासन के साथ पढ़ाई करें और अच्छे परिणाम प्राप्त करें।हाल ही में नर्सिंग कॉलेज के प्रबंधन में कुछ शिकायतों के मद्देनजर जिला कलेक्टर के आदेश के अनुसार यह निरीक्षण प्राथमिकता बन गया है। अपर समाहर्ता ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े.कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रतिनिधि, संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

ईवीएम गोदाम में मजबूत सुरक्षा उपाय : हरिता

आसिफाबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के गोदाम में मजबूत सुरक्षा उपाय किए गए हैं, जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर के. हरिता ने कहा। बुधवार को जिला केंद्र में ईवीएम भंडारित गोदाम के मासिक निरीक्षण के तहत जिला अपर समाहर्ता (राजस्व) डेविड, प्रशिक्षण आई.एफ.एस. अधिकारी भार्गव कुमार से जांच की. इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपाय जोरों पर किए गए हैं, सीसी कैमरों से 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी और अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएं कि सीसी कैमरे हर वक्त काम करते रहें.

निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

आर्द्रभूमि के रूप में पहचाने जाने वाले तालाबों को संरक्षित किया जाए : कलेक्टर हरिता

आसिफाबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

आर्द्रभूमि के रूप में पहचाने जाने वाले तालाबों को संरक्षित किया जाना चाहिए, जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा। बुधवार को जिला केंद्र में एकीकृत जिला समाहरणालय भवन के बैठक कक्ष में जिला वन पदाधिकारी नीरज कुमार, जिला अपर समाहर्ता दीपक तिवारी, डेविड, आसिफाबाद राजस्व मंडल पदाधिकारी लोकेश्वर राव, खगजनगर प्रभाग वन पदाधिकारी अप्पिया और प्रशिक्षु आईएफएस भार्गव कुमार शामिल हुए. इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में वेटलैंड के अंतर्गत आने वाले तालाबों को चिन्हित कर उनका संरक्षण किया जाये. उन्होंने कहा कि पेंचिकल पेटा मंडल में एलुरु तालाब की पहचान एक आर्द्रभूमि के रूप में की गई है और इस प्रकार अतिक्रमण को रोकने के लिए तालाबों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि तालाब के विकास एवं जल क्षमता में वृद्धि से किसानों को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा, मवेशियों के लिए पीने का पानी उपलब्ध होगा तथा विभिन्न पक्षियों के प्रवास से पर्यटन समुदाय का विकास किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि तिरयानी मंडल में चेलिमेला परियोजना को आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए और आवश्यक विकास योजनाएं बनाई जानी चाहिए।

जिला पंचायत अधिकारी बिक्षापति, जिला कृषि अधिकारी वेंकटथी, जिला मत्स्य अधिकारी संबाशिव राव, सिंचाई विभाग के ईई एल गुणवंता राव, प्रभाकर, वन और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

कैंसर की रोकथाम के लिए समन्वय बनाकर कार्य करें : कलेक्टर

आसिफाबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा कि जिले में कैंसर रोग की रोकथाम के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा बाल कल्याण विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। बुधवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में समग्रता अभियान 2.0 के तहत आयोजित समीक्षा बैठक में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीताराम, जिला कल्याण अधिकारी अदेपू भास्कर, जिला आदिवासी विकास अधिकारी रामादेवी एवं प्रशिक्षण आईएफएस अधिकारी भार्गव कुमार शामिल हुए। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में कैंसर को फैलने से रोकने के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के अमले तथा महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अमले के समन्वय से मैदानी स्तर पर लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि उचित इलाज मिलने पर कैंसर और टीबी जैसी बीमारियों को शुरुआती दौर में ही खत्म किया जा सकता है।

स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी कर्मचारी मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि कैंसर कई प्रकार के होते हैं और इस बीमारी से डरने की जरूरत नहीं है, जिले में इसके 128 मामले हैं और लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना चाहिए।

बाद में बी.आर. जिला अपर समाहर्ता (राजस्व) डेविड एवं प्रशिक्षण आईएफएस अधिकारी भार्गव कुमार के साथ समाहरणालय भवन सभाकक्ष में सामाजिक न्याय दिवस मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. अंबेडकर के चित्र पर फूलों की माला चढ़ाई गई। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ शपथ ली। जिला अधिकारियों, संबंधित अधिकारियों, स्वास्थ्य और कल्याण कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कर्मचारियों और अन्य लोगों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया।

ग्राम पंचायत के लिए राजस्व जुटाने का प्रयास करे

मदनूर, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मदनूर मंडल केंद्र निवाशी रउत्तवार नागेश ने सोमवार को ग्राम सचिव एम संदीप कुमार को एक याचिका सौंपी, जिसमें मदनूर मंडल केंद्रीय प्रमुख ग्राम पंचायत की सीमा के भीतर निर्मित बहुमंजिला नए भवनों पर लगने वाले नए मकान कर के बारे में पूछा गया। याचिका में कहा गया कि मदनूर ग्राम पंचायत की सीमा के भीतर बड़े हिस्से वाले नए भवनों और पुराने एक मंजिला मकानों पर समान मकान कर लागू होना चाहिए। न केवल मकानों का क्षेत्रफल बढ़ा दिया गया है, बल्कि कई मंजिलों वाली नई इमारतें बनने के बावजूद पुराने मकानों के बराबर ही मकान कर वसूला जा रहा है। इस मुद्दे पर ग्राम सचिव ने नवनिर्मित इमारतों का सर्वेक्षण किया है और मकान कर बढ़ाने तथा ग्राम पंचायत के लिए राजस्व जुटाने का प्रयास किया है।याचिका में यह कहा गया था कि ऐसा किया जाना चाहिए। जब पत्रकार ने इस मामले पर स्पष्टीकरण मांगा, तो उन्होंने कहा कि ग्रामीण का अनुरोध सही था। उन्होंने कहा कि वे नवनिर्मित भवनों का सर्वेक्षण करके और इस मामले को उच्च अधिकारियों के ध्यान में लाकर कर बढ़ाने के लिए कदम उठाएंगे।

धूमधाम से मनाई गई अभ्यंजनेय स्वामी वर्षगांठ

आसिफाबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला केंद्र में उत्तरा वही के तट पर स्थित अभ्यंजनेय स्वामी की 41 फीट विशाल प्रतिमा की 15वीं वर्षगांठ मंगलवार को भक्तों की एक बड़ी संख्या के साथ मनाई गई। इस अवसर पर, मंदिर के मुख्य पुजारी वाझाला सिरीश शर्मा के नेतृत्व में वैदिक विद्वानों ने भगवान को स्वस्ति पुण्य का पाठ किया तथा नवग्रह की पूजा के साथ भगवान का रुद्राभिषेक किया।इसके बाद, मन्युसुक्त हवन आयोजित किया गया और वैज्ञानिक विधि से पूर्णाहुति सम्पन्न की गई। इस धार्मिक अनुष्ठान में मंगलाहारती, मंत्रपुष्पम और महादशिर्वचन के बाद अन्नदानम की व्यवस्था की गई।इस पूजा में कई प्रमुख नेता और अधिकारी उपस्थित थे, जिनमें भाजपा जिला नेता अरिगेला नागेश्वर राव, कांग्रेस पार्टी निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी अजमीरा श्याम नाइक, पूर्व बाजार समिति अध्यक्ष चिलुवेरु वेंकन्ना, चिन्ना मल्लेश, पूर्व एमपीपी बोम्मेना बालेश्वर गौड़, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रापरथी रविकुमार, और सीआई बालाजी वरप्रसाद शामिल थे।मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्मपुरी वेंकटेश्वरलू, महासचिव गुंडा वेंकन्ना, कोषाध्यक्ष पिन्ना विवेक, और अन्य समुदाय के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और भोजन दान कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रकार, इस विशेष अवसर पर भक्तों ने एकजुट होकर संप्रदाय और आस्था के प्रतीक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

चुनावों के दौरान अभद्र टिप्पणियों पर होगी कार्रवाई : नितिका पंत

आसिफाबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला एसपी नितिका पंत आईपीएस ने कहा कि आसिफाबाद और खगजनगर कस्बों में आगामी नगरपालिका चुनावों के मद्देनजर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक विशेष निगरानी स्थापित की गई है। उन्होंने बुधवार को एक बयान में कहा। जिला एसपी ने चेतावनी दी कि चुनाव के दौरान फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणी, अभद्र भाषा, व्यक्तिगत अपमान, जातियों के बीच नफरत भड़काने वाले पोस्ट के साथ-साथ दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले शब्द या वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि खबरें और अफवाहें फैलाना अपराध है और अगर ऐसे कृत्य से शांति और सुरक्षा भंग होती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाएंगे।

लोगों से अनुरोध है कि अगर वे सोशल मीडिया पर गलत अभियान, आपत्तिजनक पोस्ट या संदेश देखते हैं तो तुरंत जिला पुलिस विभाग को सूचित करें। इस हेतु विशेष शाखा निरीक्षक से 8712670505/551 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

आंगनवाड़ी केंद्र में अन्न प्रसन्ना कार्यक्रम का सफल आयोजन

मदनूर, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । संयुक्त मदनूर मंडल के हसन टाकली आंगनवाड़ी केंद्र में मंगलवार को अन्न प्रसन्ना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मदनूर मंडल के आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट अधिकारी के निर्देश पर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, सात महीने के एक बच्चे नियांश को बाल अमृतम दिया गया। बच्चे की माता का नाम शिवानी और पिता का नाम ज्ञानेश्वर बताया गया। ग्राम अध्यक्ष गंगामणि, आशा कार्यकर्ता अन्नपूर्णा, आंगनवाड़ी शिक्षिका सचिता साई और शिक्षिका लक्ष्मी बाई भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं, किशोरियों और बुजुर्ग महिलाओं को पोषण के महत्व के बारे में जागरूक करना था। गांव की सभी माताएं और महिलाएं इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेने पहुंची। इस प्रकार के कार्यक्रमों से समुदाय में स्वास्थ्य और पोषण संबंधित जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

मंचेरियाल पशुपालन के संयुक्त निदेशक के आवास कार्यालय पर एसीबी का छापा

मंचेरियाल,, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को मंचरियाल में पशुपालन विभाग के प्रभारी संयुक्त निदेशक शंकर के आवास और विभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान एसीबी अधिकारियों ने कार्यालय परिसर को सील कर दिया और सरकारी रिकॉर्ड की जांच की बताया गया कि यह कार्रवाई संयुक्त निदेशक के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों वाली शिकायत के बाद की गई थी हालांकि एसीबी अधिकारियों ने कहा कि निरीक्षण के दौरान कोई सबूत नहीं मिला

सिल्क कॉलोनी में सीवर की समस्या गंभीर

काग़ज़नगर, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुराम भीम आसिफाबाद ज़िला काग़ज़नगर शहर के वार्ड नंबर 3 की सर सिल्क कॉलोनी में सीवर की समस्या बहुत गंभीर हो गई है। सीवर में जमा कचरा महीनों से नहीं हटाया गया है, जिससे कॉलोनी के लोगों को बहुत परेशानी हो रही है।आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों की शिकायत है कि सीवर पूरी तरह कचरे से भरे हुए हैं और उन्हें लगातार परेशानी हो रही है। बदबू बर्दाश्त से बाहर हो गई है, खासकर रात में, और स्थानीय लोगों को चिंता है कि मच्छरों की आबादी बढ़ गई है, जिससे बुखार और स्किन की बीमारियां फैलने का खतरा है।

यामल और अराउहो के गोल से बार्सिलोना सेमीफाइनल में, अल्बासेटे को 2-1 से हराया

अल्बासेटे (स्पेन) , 04 फरवरी (एजेंसियां)।

गत विजेता बार्सिलोना ने कोपा डेल रे में अल्बासेटे के जायंट-किलिंग अभियान पर विराम लगाते हुए मंगलवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उसे 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई। हालांकि दूसरे डिवीजन की टीम अल्बासेटे ने अंत में जोरदार वापसी की कोशिश कर बार्सिलोना को कड़ी चुनौती दी।

बार्सिलोना के लिए लामिन यामल ने 39वें मिनट में शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरुआत की। इसके बाद कप्तान रोनाल्ड अराउहो ने दूसरे हाफ में कार्नर से हेडर लगाकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके साथ ही बार्सिलोना पिछले साल जीती गई ट्राफी का बचाव करने की दिशा में आगे बढ़ गया।

मैच के अंतिम चरण में अल्बासेटे ने जोरदार दबाव बनाया। 87वें मिनट में जावियर मोरेनो ने फ्री-किक पर डाइविंग हेडर से गोल कर अंतर घटा दिया। स्टापेज टाइम में अल्बासेटे का एक और प्रयास बार्सिलोना की गोल लाइन से क्लीयर कर दिया गया, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया।

स्पेनिश सेकेंड डिवीजन में 12वें स्थान पर काबिज अल्बासेटे ने इससे पहले कोपा डेल रे में सेल्टा विगो और रियल मैड्रिड जैसी बड़ी टीमों को बाहर कर सनसनी फैलाई थी। क्वार्टरफाइनल में भी उसने दमदार खेल दिखाया, लेकिन बार्सिलोना की गुणवत्ता अंततः भारी पड़ी। पहले हाफ में बार्सिलोना के मार्कस रैशफोर्ड ने गेंद छीनी और फ्रेंकी डी जोंग के जरिए यामल को मौका मिला, जिसे युवा स्टार ने बाएं पैर से बेहतरीन फिनिश दिया। रैशफोर्ड और दानी ओल्मो को भी गोल के मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। दूसरे हाफ में अराउहो ने दिसंबर में मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक के बाद अपनी पहली शुरुआत में गोल कर खास वापसी की। अंतिम मिनटों में फेरान टोरेस का गोल आफ-साइड करार दिया गया, जिससे स्कोर 2-1 ही रहा।

अन्य क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में बुधवार को डेपोर्टिवो अलावेस बनाम रियल सोसिएदाद और वालेंसिया बनाम एथलेटिक बिलबाओ खेला जाएगा, जबकि गुरुवार को एटलेटिको मैड्रिड का सामना रियल बेटिस से होगा।

बार्सिलोना ने पिछले साल सेविला में खेले गए फाइनल में अतिरिक्त समय में रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब जीता था।

न्यूज ब्रीफ

स्मिथ ने पीएसएल फ्रेंचाइज़ी सियालकोट स्टैलियनज़ के साथ किया करार, 2028 ओलंपिक का सपना अब भी जिंदा

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के टेस्ट स्टार स्टीव स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की नई फ्रेंचाइज़ी सियालकोट स्टैलियनज़ के साथ करार कर लिया है। इसके साथ ही आस्ट्रेलियाई टी20 टीम में वापसी और लास एंजेलिस ओलंपिक 2028 में खेलने का उनका सपना अब भी कायम है, जहां पहली बार टी20 क्रिकेट को शामिल किया जाएगा। 36 वर्षीय स्मिथ ने हाल ही में एशेज सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी बेहतरीन बल्लेबाज़ी की। इसके बावजूद उन्हें आस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिल सकी। स्मिथ कई बार साफ कर चुके हैं कि उनका बड़ा लक्ष्य 2028 ओलंपिक में खेलना है। हालांकि सिडनी टेस्ट के बाद उन्होंने यह भी कहा था कि उनका भविष्य दिन-प्रतिदिन का मामला है। लेकिन पीएसएल में साइन करना इस बात का संकेत है कि उनके इरादे अभी मजबूत हैं। आस्ट्रेलियाई टी20 टीम में फिलहाल कप्तान मिच मार्श और आलराउंड स्टार ट्रैविस हेड को ओपनर के रूप में प्राथमिकता दी जा रही है, जिसके चलते चयनकर्ताओं को इन-फार्म स्मिथ के लिए जगह नहीं मिल पाई। पीएसएल में सियालकोट स्टैलियनज़ के लिए खेलना स्टीव स्मिथ के लिए अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अपनी दावेदारी को और मजबूत करने का अहम मौका माना जा रहा है।

आस्ट्रेलिया को हराया यूथ अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट के फाइनल में पहुंची इंग्लैंड

हरारे। इंग्लैंड की टीम यूथ अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। इंग्लैंड ने सेमीफाइनल मुकाबले में कप्तान थामस रेव की शतकीय पारी 110 रनों की सहायता से आस्ट्रेलियाई टीम को 27 रन से हराया। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 277 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलियाई टीम 47.3 ओवरों में 250 रनों पर ही आउट हो गयी। इंग्लैंड की ओर से सेबेस्टियन मार्गन, जेम्स मिंटो, मैनी लुम्स्डेन और राल्फी अल्बर्ट ने दो-दो विकेट लिए। इंग्लैंड की जीत मे थामस रेव का सबसे बड़ा योगदान रहा। रेवे ने 107 गेंदों में 14 चौकों और एक छक्के की सहायता से 110 रन बनाये और टीम को एक बड़े स्कोर तक पहुंचाया। रेव ने सेलेब फाल्कनर के साथ चौथे विकेट के लिए उनकी 135 रन जोड़े इसी कारण टीम बड़े स्कोर तक पहुंच पायी। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया ने अंतिम ओवरों में अच्छा प्रयासा किया पर वह सफल नहीं हुए।

श्रीकांत बोले, पाकिस्तान खेलने को तैयार हो जाऐ तो भी फर्क नहीं पड़ेगा

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्वकप में भारत के खिलाफ नहीं खेलने से भी कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। श्रीकांत के अनुसार अब पाक हालत खाली बर्तन की तरह हो गयी है। श्रीकांत ने ये तंज पाक के 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होनेन वाले टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार की घोषणा के कारण किया है। पाक सरकार ने कहा है कि टीम विश्वकप खेलेगी पर भारत के खिलाफ नहीं उतरेगी। इसी को लेकर श्रीकांत ने कहा कहा है कि पाक अब खाली बर्तन की तरह है, इसलिए कुछ ज्यादा ही शोर कर रहा है। श्रीकांत ने कहा कि अब अगर पाकिस्तान खेलने का फैसला भी करता है, तो इससे ज्यादा अंतर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, खाली बर्तन ज्यादा शोर करते हैं। पाकिस्तान डरा हुआ है। 19 विश्वकप में हार से भी उसका डर और बढ़ गया है। इसलिए वह मैच से बचना चाहता है। वे खेलें या नहीं, यह गेम वैसे भी भारत के लिए वाकओवर की तरह ही है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे आते हैं या नहीं। एशिया कप में, उन्होंने भारत के खिलाफ सभी गेम खेले और हारे भी। एशिया कप फाइनल में भी भारतीय टीम ने उसे हराया था। विश्वकप में भारत और पाकिस्तान के साथ नामीबिया, नीदरलैंड्स और यूनाइटेड स्टेट्स आफ अमेरिका (यूएसए) को आईसीसी ने ग्रुप ए में रखा था। वहीं पाक के सभी मैच श्रीलंका में रखे गये हैं। वहीं माना जा रहा है कि चारों ओर से पड़ रहे दबाव के कारण पाक टीम मैदान में उतर भी सकती है ।

भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया

हरारे, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

अंडर 19 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने अंडर 19 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट चेज करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। टीम इंडिया ने इस मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड 3 विकेट खोकर 311 रन चेज कर दिए और 7 विकेट से इस मुकाबले को जीत लिया। इसी के साथ भारत ने रिकॉर्ड 10वीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में जगह बनाई है। टीम इंडिया के लिए इस मैच के हीरो ओपनर आरोन जॉर्ज रहे, जिन्होंने दवाब भरे मुकाबले में शानदार शतक ठोका। फाइनल में टीम इंडिया का सामना इंग्लैंड से होने वाला है।

आरोन जॉर्ज के शतक ने जिताया मैच

टीम इंडिया भले ही अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 311 रन जैसे बड़े स्कोर का पीछा कर रही थी। लेकिन इसके बावजूद पहले ही ओवर से टीम कभी भी दवाब में नजर नहीं आई। सबसे पहले वैभव सूर्यवंशी ने 33 गेंदों पर 68 रन की बेहतरीन पारी खेली।

वहीं इसके बाद कप्तान आयुष म्हात्रे (62) ने आरोन जॉर्ज का बेहतरीन साथ दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच 100 से ज्यादा की साझेदारी हुई। टीम इंडिया की जीत से पहले जॉर्ज ने सिर्फ 95 गेंद पर अपना शतक पूरा कर लिया। जॉर्ज 115 रन बनाकर आउट हो गए। आखिर में विहान मल्होत्रा ने 38 और वेदांत त्रिवेदी ने 5 रन बनारक मैच को खत्म किया।

अफगानिस्तान के बल्लेबाजों ने दिखाया दम

इससे पहले अफगानिस्तान ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 50 ओवरों में 4 विकेट खोकर 310 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। अफगानिस्तान की इस ऐतिहासिक पारी की नींव ओपनिंग बल्लेबाजों ने रखी, लेकिन बाद में फैसल शिनजादा और उजईरुल्लाह नियाजाई की शानदार बल्लेबाजी के दम पर टीम इतने बड़े स्कोर तक पहुंची। फैसल शिनोजादा ने सूझबूझ और आक्रामकता का परिचय देते हुए 110 रनों की शतकीय पारी खेली, जिसने भारतीय खेमे को बैकफुट पर धकेल दिया।

नियाजाई ने भी खेली शानदार पारी

पारी के अंतिम ओवरों में उजईरुल्लाह नियाजाई ने मैदान के चारों ओर बड़े शॉट्स लगाते हुए भारतीय आक्रमण को बेअसर कर दिया और मात्र 86 गेंदों में नाबाद 101 रन कूट डाले। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच हुई 148 रनों की मजबूत साझेदारी की बदौलत अफगानिस्तान अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल के इतिहास में अपने सबसे बड़े स्कोर तक पहुंचने में सफल रहा। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने 2-2 विकेट लिए।

10वें फाइनल में टीम इंडिया

भारत ने अंडर-19 विश्व कप पांच बार जीता है: 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में। वे चार बार उपविजेता भी रहे हैं, सबसे हाल ही में जब वे 2024 में मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से हार गए थे।

पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हाकी टूर्नामेंट में श्याम लाल कालेज और जेडीएम की शानदार जीत

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

12वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हाकी टूर्नामेंट में मेजबान श्याम लाल कालेज (प्रातः) ने बुधवार को पुरुष वर्ग में दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए किरोड़ी मल कालेज को 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ श्याम लाल कालेज (प्रातः) ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

मेजबान टीम की ओर से नंदकिशोर ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल दागे, जबकि श्लोक, पंकज और हर्ष ने एक-एक गोल कर जीत को और प्रभावशाली बना दिया। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नंदकिशोर को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

महिला वर्ग में जानकी देवी महाविद्यालय (जेडीएम) ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज को 1-0 से हराकर महत्वपूर्ण जीत हासिल की। मुकाबले का एकमात्र गोल कोमल ने किया, जबकि प्रभावी खेल के लिए अंजलि को प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

दिन के अन्य मुकाबलों में श्री राम कालेज आफ कामर्स (एसआरसीसी) ने हंसराज कालेज को 4-2 से मात दी। विजेता टीम के लिए समकित, मनसमर, इंदरपाल और आयुष ने एक-एक गोल किया। हंसराज कालेज की ओर से सागर यादव और गुरशीष ने गोल दागे। शानदार प्रदर्शन के लिए समकित को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

एक अन्य मुकाबले में श्याम लाल कालेज (सांध्य) ने किरोड़ी मल कालेज (केएमसी) को 3-1 से पराजित किया। इस मैच में राघव ने दो गोल किए, जबकि हर्ष ने एक गोल का योगदान दिया।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भी श्रीलंका को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

कोलंबे। इंग्लैंड ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंकाई टीम को करीबी मुकाबले में 12 रनों से हराकर 3-0 से सीरीज जीत ली है। पहले दोनों मुकाबले भी श्रीलंकाई टीम हारी थी। टी20 विश्वकप के ठीक पहले मिली इस करारी हार से श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। इससे उसकी विश्वकप के लिए तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। तीसरे टी20 में सैम करन की करन के 48 गेंदों में 58 रनों की सहायता से इंग्लैंड की टीम ने 128 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का सामना करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.3 ओवर में 116 रनों पर ही आउट हो गयी और इस प्रकार 12 रनों से मैच हार गयी। इस मैच में इंग्लैंड की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर टीम के बल्लेबाज असफल रहे। पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 28 रन ही बना पायी। सैम करन के 58 रनों की पारी के अलावा कई अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 3 बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। सैम करन के अलावा जोस बटलर ने 25 और लियाम डासन ने 14 रन बनाए।

बाक्सम एलीट 2026 : हितेश और प्रीति की दमदार जीत से भारत की शानदार शुरुआत

ला नुसिया, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत ने बाक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। 21 देशों के 214 मुक्केबाज़ों की मौजूदगी वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के पहले दिन भारतीय मुक्केबाज़ों ने एक के बाद एक दमदार प्रदर्शन कर अपनी ताकत दिखाई।

विश्व बाक्सिंग कप फाइनल्स चैंपियन हितेश गुलिया (70 किग्रा) ने पुरुष वर्ग में भारत की अगुवाई करते हुए नीदरलैंड्स के फिन बास को 5:0 के एकतरफा फैसले से हराया। पूरे मुकाबले में हितेश पूरी तरह नियंत्रण में नजर आए और अपनी शानदार टाइमिंग व रिंग इंटेलिजेंस से प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया।

इससे पहले, प्रीति (54 किग्रा) ने एलीट महिला वर्ग में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बत को 5:0 से मात देकर अपने तेज पंचों और मजबूत डिफेंस का बेहतरीन नमूना पेश किया।

भारतीय महिलाओं का शानदार प्रदर्शन यहीं नहीं रुका। प्राची (57 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा) और काजल (65 किग्रा) ने भी जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई। प्राची ने स्पेन की वेनेसा मोरेल रामिरेज और प्रिया ने कनाडा की अलेसिया मांसुएटो को 5:0 से हराया, जबकि काजल ने कड़े मुकाबले में कजाकिस्तान की असेम तनातार को 4:1 से शिकस्त दी।

पुरुष वर्ग में भी भारतीय मुक्केबाज़ों ने दबदबा बनाए रखा। सचिन (60 किग्रा) ने स्पेन के ब्रैंडन अलेजांद्रो को 5:0 से हराया, वहीं मोहम्मद हुस्सामुद्दीन (60 किग्रा) ने डेनमार्क के माटियास मेहमत बुयुकदेमिर को 4:1 से पराजित किया। अभिनाश जमवाल (65 किग्रा) ने डेनमार्क के क़ालिद उस्मान को 5:0 से हराया, जबकि दीपक (70 किग्रा) ने बेल्जियम के हार्नेल अयितेवी पर 4:1 की जीत दर्ज की।इसके अलावा आकाश (75 किग्रा) और अंकुश (80 किग्रा) ने भी 4:1 के फैसले से जीत हासिल की। हालांकि, आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा) को इंग्लैंड के जो टर्नर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

राइफल-पिस्टल एशियन चैंपियनशिप में ईशा सिंह ने जीता स्वर्ण, सम्राट राणा को कांस्य

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

डा. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में जारी एशियन चैंपियनशिप राइफल-पिस्टल प्रतियोगिता में भारत के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। बुधवार को ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश को बड़ी सफलता दिलाई, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन सम्राट राणा ने पुरुष वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया।

महिलाओं के फाइनल में ईशा सिंह ने 239.8 अंकों के साथ दबदबा दिखाया। उन्होंने चीनी ताइपे की येन-चिंग चेंग को 4.4 अंकों के अंतर से पीछे छोड़ा, जिन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चेंग की हमवतन आई-वेन यू (217.7) तीसरे स्थान पर रहीं। भारत की सुरुचि सिंह 197.7 अंकों के साथ चौथे और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर 135.3 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं।

क्वालिफिकेशन राउंड में सैन्यम ने 584 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन वह केवल रैंकिंग पाइंट्स ओनली के तहत खेल रही थीं। इसके चलते सुरुचि (576), मनु भाकर (575-20×) और ईशा (575-18×) ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में जगह बनाई। इन तीनों के संयुक्त स्कोर 1726 के दम पर भारतीय महिला टीम ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में विश्व चैंपियन सम्राट राणा ने 220.3 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव (242.0) ने स्वर्ण और कजाकिस्तान के वलेरिय राखिमझान (241.0) ने रजत पदक हासिल किया। भारत के ही शरवन कुमार 198.6 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे और पदक से चूक गए।

टीम स्पर्धा में शरवन कुमार, सम्राट राणा और वरुण तोमर की तिकड़ी ने कुल 1732 अंकों के साथ भारतीय पुरुष टीम को रजत पदक दिलाया। उज्बेकिस्तान ने समान स्कोर के बावजूद छह अतिरिक्त इनर-10 के आधार पर स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान को कांस्य मिला।

क्वालिफिकेशन राउंड में भी रोचक स्थिति देखने को मिली। रैंकिंग पाइंट्स ओनली शूटर सुभाष सिहाग ने 585 अंकों के साथ सर्वश्रेष्ठ भारतीय स्कोर किया। सम्राट राणा 581 अंकों के साथ चौथे और शरवन कुमार 578 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहे, जबकि वरुण तोमर 573 अंकों के साथ 15वें स्थान पर रहे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा पर जोर : पीयूष गोयल

समझौते का पूरा विवरण साझा करने के लिए संयुक्त बयान जल्द

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते में अपने कृषि और डेरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की है। दोनों देश जल्द ही इस समझौते का पूरा विवरण साझा करने के लिए संयुक्त बयान जारी करेंगे। गोयल ने कहा कि यह करार हर भारतीय के हितों की रक्षा करेगा और नई आर्थिक संभावनाओं के मार्ग खोलेगा। गोयल ने स्पष्ट किया कि भारत डेरी, पोल्ट्री, अनाज, सोया मील और मक्का जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों पर शुल्क में कोई छूट नहीं देगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने भी कहा कि भारत कुछ क्षेत्रों को सुरक्षा प्रदान करता है, और अमेरिका वहां पहुंच बढ़ाने पर काम करेगा। कुछ कम संवेदनशील कृषि उत्पादों पर शुल्क शून्य कर दिया जाएगा, जबकि अधिक संवेदनशील उत्पादों पर शुल्क धीरे-धीरे घटाया जाएगा और कोटा तय होगा। ग्रीर ने बताया कि औद्योगिक सामान पर औसत शुल्क 13.5 फीसदी है, और अब 98-99 फीसदी उत्पाद पर शुल्क शून्य किया जाएगा। गोयल ने कहा कि समझौता टेक्सटाइल, प्लास्टिक, कपड़े, होम डेकोर, चमड़ा, फुटवियर, रत्न-आभूषण, आर्गेनिक रसायन, रबर के सामान, मशीनरी और विमान कलपुर्जों जैसे श्रम-संवेदनशील क्षेत्रों के लिए बड़े अवसर खोलेगा। इन क्षेत्रों का अमेरिका में निर्यात में हिस्सा एक-तिहाई से अधिक है। शुल्क को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया जाएगा, जिससे भारतीय उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलेगी।

एफटीए के बाद मर्सिडीज, राल्स रायस और रेंज रोवर कारें होंगी सस्ती

नई दिल्ली। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) समझौते के तहत यूरोप से भारत आने वाली प्रीमियम इंपोर्टेड कारों पर लगने वाली भारी कस्टम ड्यूटी को चरणबद्ध तरीके से कम किया जाएगा। इसके बाद मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू, आडी, राल्स रायस, रेंज रोवर और पोर्शे जैसी कारें काफी सस्ती हो जाएंगी। वर्तमान समय में 40 हजार डालर से कम कीमत वाली कारों पर 70 प्रतिशत तक और 40 हजार डालर से अधिक कीमत वाली कारों पर 110 प्रतिशत तक कस्टम ड्यूटी लगती है, जिसके कारण यूरोपीय लग्जरी कारें भारत में कई गुना महंगी हो जाती हैं। एफटीए लागू होने के बाद यह टैक्स संरचना बदल जाएगी और 110 प्रतिशत तक की ड्यूटी घटकर लगभग 10 प्रतिशत तक आ सकती है। इसका सीधा असर कारों की एक्स-शोरूम कीमत पर पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, एक करोड़ रुपये की सीआईएफ वैल्यू वाली लग्जरी कार की कीमत अभी टैक्स के कारण करीब तीन करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है, लेकिन ड्यूटी कम होने के बाद इसकी कीमत में करोड़ों रुपये की कमी दर्ज की जा सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे भारत का लग्जरी कार बाजार तेजी से बढ़ेगा और यूरोपीय ब्रांड्स की बिक्री में महत्वपूर्ण इजाफा देखने को मिल सकता है। हालांकि इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को इस समझौते से अगले पांच वर्षों तक बाहर रखा गया है, ताकि घरेलू ईवी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिल सके। यूरोप से आने वाले प्रमुख ब्रांड्स में मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू, आडी, पोर्शे, वोल्वो, लैंड रोवर, जगुआर, मिनी, सिट्रोएन, फेरारी और लैम्बार्गिनी शामिल हैं। आटो सेक्टर से जुड़े विशेषज्ञ इस समझौते को भारतीय लग्जरी कार बाजार के लिए गेमचेंजर मान रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

एडवेंट ने आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस में 2,750 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली। प्राइवेट इक्विटी फर्म एडवेंट इंटरनेशनल की इकाई इंद्रिय लिमिटेड ने आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) में 14.3 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा कुल 2,750 करोड़ रूपए का है, जबकि एबीएएफएल का कुल मूल्यांकन 19,250 करोड़ रूपए आंका गया है। आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड और एबीएचएफएल के बोर्ड ने इस प्राथमिक पूंजी निवेश को मंजूरी दी है। सौदा शेयरधारकों और नियामकों की मंजूरी मिलने के बाद पूरा होगा। एबीएचएएफएल की प्रबंधनीय परिसंपत्ति 31 दिसंबर तक 42,204 करोड़ रूपए थी। कंपनी ने पिछले तीन वर्षों में 48 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से एयूएम बढ़ाई है। इसके अलावा कंपनी ने 0.54 फीसदी ग्रास स्टेज 3 और 0.23 फीसदी नेट स्टेज 3 अनुपात बनाए रखकर उच्च पूंजी गुणवत्ता प्रदर्शित की है। एबीएचएफएल इस निवेश का इस्तेमाल मौजूदा कारोबार को गति देने, बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने और आवास वित्त क्षेत्र में अगले विस्तार चरण में प्रवेश करने के लिए करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह निवेश कंपनी को बाजार में मजबूत स्थिति हासिल करने में मदद करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

फिर भी स्टेट...

डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अधिसूचना में देरी का सीधा असर मरीजों के जीवित रहने की दर और बीमारी की रोकथाम पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का तर्क है कि जिस तरह कोविड-19 की निगरानी की गई थी, उसी तर्ज पर कैंसर डेटा का प्रबंधन होने से लक्षित चिकित्सा सहायता और बेहतर संसाधन तैनाती सुनिश्चित की जा सकती है।

चुनावी रणभेरी ...

गठबंधन की बात करें तो कांग्रेस, सीपीआई और सीपीएम एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, बीआरएस और भाजपा ने स्वतंत्र रूप से अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं।

बागियों के सुर ने बढ़ाई कांग्रेस की चिंता

रणनीतिक स्तर पर कांग्रेस पार्टी को कुछ स्थानों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से महबूबाबाद, नरसापेट और जनगांव नगर पालिकाओं में पार्टी को अपने ही बागी उम्मीदवारों से कड़ी टक्कर मिल रही है, जो पार्टी के आधिकारिक प्रत्याशियों के लिए मुश्किलें पैदा कर सकते हैं।

वरंगल में 260 वार्डों के लिए 1072 उम्मीदवार मैदान में

वरंगल जिले के आंकड़ों पर गौर करें तो यहाँ की 12 नगर पालिकाओं के 260 वार्डों के लिए कुल 1072 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। उम्मीदवारों का विवरण इस प्रकार है- कांग्रेस: 249 उम्मीदवार, बीआरएस: 259 उम्मीदवार, भाजपा : 238 उम्मीदवार, निर्दलीय व अन्य: 326 उम्मीदवार।

प्रशासन ने चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं, जबकि प्रत्याशी मतदाताओं को लुभाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं।

फिक्स्ड चार्ज...

पुरानी व्यवस्था में दूरी के आधार पर लागत का अनुमान तैयार करना समय लेने वाला और जटिल था, जिससे अक्सर विवाद होते थे। नई लोड-आधारित प्रणाली से बिलिंग में पारदर्शिता आएगी, मनमाने अनुमानों की गुंजाइश खत्म होगी और नए कनेक्शन जारी करने की गति तेज होगी।

पीएलआई योजनाएं : 34 हजार करोड़ स्वीकृत, खर्च हुए 19 हजार करोड़

कई योजनाओं में तय राशि का पूरा उपयोग नहीं हो सका

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार की प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाओं को लेकर बजट 2026-27 (वित्त वर्ष 27) में मिली-जुली तस्वीर सामने आई है। 14 से अधिक सेक्टरों से जुड़ी इन योजनाओं में कुछ जगह सरकार ने आवंटन बढ़ाया है, जबकि कई योजनाओं में तय राशि का पूरा उपयोग नहीं हो सका। मोबाइल फोन और बड़े पैमाने की इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए लागू पीएलआई योजना, जो वित्त वर्ष 26 में समाप्त हो रही है, इसका प्रमुख उदाहरण है। इस योजना के तहत सरकार कुल 19,908 करोड़ रुपए का इंसेंटिव देगी, जबकि कुल स्वीकृत बजट 34,193 करोड़ रुपए था। यानी सिर्फ 58 प्रतिशत राशि ही खर्च हो पाई। मार्च 2025 तक 11,603 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं, वित्त वर्ष 26 के संशोधित अनुमान में 6,960 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 27 के लिए 1,345 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कई कंपनियों के तय उत्पादन लक्ष्य पूरे न होने के कारण पूरा बजट खर्च नहीं हो सका। कुछ अन्य पीएलआई योजनाओं में सरकार का रुख काफी सकारात्मक दिखता है। व्हाइट गुड्स और एलईडी मैन्युफैक्चरिंग के लिए वित्त वर्ष 27 में 1,003.54 करोड़ रुपए रखे गए हैं, जो वित्त वर्ष 26 के संशोधित अनुमान से तीन गुना से अधिक है। वहीं आटो और आटो कंपोनेंट पीएलआई योजना के लिए वित्त वर्ष 27 में 5,939.87 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो वित्त वर्ष 26 के आरई से 184 प्रतिशत ज्यादा है। इससे टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज आटो, टीवीएस मोटर और ओला इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके उलट एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरी पीएलआई योजना अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई है। 18,100 करोड़ रुपए के कुल बजट के बावजूद अब तक सिर्फ ओला इलेक्ट्रिक ने इंसेंटिव का दावा किया है। आईटी हार्डवेयर और टेक्सटाइल पीएलआई योजनाओं में भी वित्त वर्ष 26 में कटौती के बाद वित्त वर्ष 27 में केवल सीमित बढ़ोतरी की गई है, जिससे इन सेक्टरों में अनिश्चितता बनी हुई है।

नए साल में 20 से अधिक नए डिवाइस पेश करेगी एप्पल

नई दिल्ली। एप्पल कंपनी नए साल में 20 से अधिक नए डिवाइस पेश करेगी, जिनमें आईफोन, आईपेड, मेक, वियरेबल्स और नए स्मार्ट होम डिवाइस शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, एप्पल की शुरुआत 2026 की पहली छमाही में आईफोन 17ई से होगी, जो आईफोन 16 ई का अपग्रेडेड संस्करण होगा। इसमें ए 19 चिप, मैगसेफ सपोर्ट और डायनामिक आइलैंड मिलेगा, जिससे यह एप्पल की प्रीमियम लाइनअप के और करीब दिखेगा। इसी समय आईपेड एयर को एम 4 चिप और रेगुलर आईपेड को ए18 या ए19 प्रोसेसर मिलने की उम्मीद है। मेकबुक एयर और मेकबुक प्रो लाइनअप में एम5 चिप आधारित माडल आने वाले हैं। प्रो वेरिएंट में एम5 प्रो और एम5 मेक्स के साथ पीसीएलई 5.0 सपोर्ट भी मिल सकता है। एप्पल एक सस्ता मेकबुक भी ला सकता है, जिसमें 12.9 इंच डिस्प्ले और ए18 प्रो चिप शामिल होगी। डेस्कटाप श्रेणी में कंपनी एम5 मेक्स और एम5 अल्ट्रा से लैस नया मेक स्टूडियो लान्च कर सकती है। स्टूडियो डिस्प्ले में मिनी-एलईडी बैकलाइटिंग, 120 एचझेड प्रोमोशन और एचडीआर जैसे फीचर्स जुड़ सकते हैं। साल के बीच में एप्पल अपने स्मार्ट होम हब को पेश कर सकता है, जिसमें 6-7 इंच स्क्रीन, ए18 चिप और बेहतर एसआईआरआई सपोर्ट मिलेगा। साथ ही एप्पल अपना पहला होमकीट-इनाब्लेड सिक्योरिटी कैमरा भी लाएगा। दूसरी छमाही में सबसे रोमांचक लान्च आईफोन 18 प्रो और प्रो मेक्स होंगे, जिनमें ए20 प्रो चिप, पतला डायनामिक आइलैंड, उन्नत कैमरा कंट्रोल और वेरिएबल अपर्चर कैमरा मिलेगा। फोल्डेबल आईफोन भी इस साल देखने को मिल सकता है, जिसमें 7.7-इंच का अंदरूनी और 5.3-इंच का बाहरी डिस्प्ले होगा। इसके अलावा वाच सीरीज 12, अल्ट्रा 4, एयरपाड प्रो 3, एप्पल ग्लासेस, नया आईपेड मिनी और मेकमिनी भी इस सूची में शामिल हैं। टेक दिग्गज एप्पल कंपनी वर्ष 2026 को अपने सबसे बड़े प्रोडक्ट लान्च वर्षों में से एक बनाने जा रहा है।

जोमैटो ने पूर्व कर्मचारियों को एटरनल में लौटने का न्योता दिया

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

जोमैटो के सह-संस्थापक दीपेंद्र गोयल ने हाल ही में एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक भावुक पोस्ट के जरिए अपने पूर्व कर्मचारियों को एटरनल में काम करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि चाहे किसी ने खुद कंपनी छोड़ी हो या उन्हें जाने को कहा गया हो, सभी को वापस आने का स्वागत है। गोयल ने यह भी बताया कि उनका उद्देश्य यह दिखाना है कि कंपनी समय के साथ बदल चुकी है और सीख रही है। पोस्ट में गोयल ने माना कि पहले जोमैटो का कार्यस्थल सभी के लिए उपयुक्त नहीं था।

जोमैटो के सह संस्थापक ने कहा, कंपनी बदल चुकी है, उन्होंने खुद भी काफी कुछ सीखा

उन्होंने लीडरशिप, काम का दबाव और अव्यवस्था को चुनौतियों के रूप में बताया। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ कंपनी बदल चुकी है और उन्होंने खुद भी काफी कुछ सीखा है। गोयल के मुताबिक एटरनल में 400 से अधिक कर्मचारी दूसरी या तीसरी बार कंपनी में काम कर रहे हैं और उनमें से कई अब अपने सबसे अच्छे प्रदर्शन में हैं। गोयल ने साफ किया कि भले ही अब वह एटरनल के सीईओ नहीं हैं, पद कभी मायने नहीं रखते। उनका मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को काम करने का अवसर देना और कंपनी के अगले चरण में उन्हें शामिल करना है। पोस्ट पर सोशल मीडिया पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आईं। कुछ लोगों ने इसे ईमानदार और प्रेरणादायक बताया, जबकि कुछ ने इसे डैमेज कंट्रोल और नास्टैल्जिया की कोशिश करार दिया। कई यूजर्स ने खुले तौर पर लिखा कि वे एटरनल या ब्लिंकिट के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं।

अदाणी पोर्ट्स का तीसरी तिमाही लाभ 21 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनामिक जोन का दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 21.2 फीसदी बढ़कर 3,053 करोड़ रुपए हो गया। यह वृद्धि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों, लाजिस्टिक्स और समुद्री व्यवसायों से हुई अधिक आय के कारण है। हालांकि, ब्लूमबर्ग विश्लेषकों के 3,334.46 करोड़ रुपए के अनुमान से यह कम रहा। कंपनी की एबिटा 20 फीसदी बढ़कर 5,786 करोड़ रुपए रही। घरेलू बंदरगाह से 14.59 फीसदी, अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह से 103 फीसदी, लाजिस्टिक्स से 26.08 फीसदी और समुद्री व्यवसाय से 13 फीसदी की वृद्धि हुई। कुल राजस्व 22 फीसदी बढ़कर 9,704.6 करोड़ रूपए रहा, जो अनुमान से अधिक है। वहीं कुल व्यय 21.03 फीसदी बढ़कर 6,282 करोड़ रूपए हो गया।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में पहले सत्र के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी सांकेतिक कमजोरी के साथ कारोबार कर रही है। कीमत में तेजी आने के कारण सोना 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में एक सौ रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये से लेकर 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये से लेकर 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने की खबर के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,917.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 335.60 अंक यानी 1.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स 96.47 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 49,337.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.26 प्रतिशत टूट कर 10,314.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सीएसी इंडेक्स ने 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 8,179.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.07 प्रतिशत लुढ़क कर 24,780.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,949.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.21 प्रतिशत उछल कर 32,262.87 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,343.99 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ1,339.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 112.50 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,752.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 284.66 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,436 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत लुढ़क कर 8,092.02 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 98.77 अंक यानी 0.37 प्रतिशत फिसल कर 26,736 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.07 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 4,067.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 05 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

डोंग्रेजी महाराज गौशाला के आगामी विशाल लोक दायरो कार्यक्रम में उदार सहयोग

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आगामी 15 फरवरी को आयोजित होने वाले विशाल लोक दायरो कार्यक्रम के लिए शिवराज लक्ष्मीचंद ज्वैलर्स के संस्थापक गौतम सेहलोत ने बड़ी सहयोग राशि प्रदान की है। इस उदार योगदान के लिए गौशाला समिति और संबंधित पदाधिकारियों ने उनका हृदय से अभिनंदन किया है।इस अवसर पर जसमत पटेल, अशोक पटेल, ज्यसुख पटेल (बंसी), रिद्धिश जागीरदार और महेश अगरवाल ने गौतम सेहलोत का विशेष रूप से अभिनंदन करते हुए कहा कि उनका यह सहयोग गौ-सेवा और धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों को मजबूती प्रदान करेगा।

डोंग्रेजी महाराज गौशाला, जो संत रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज की प्रेरणा से संचालित है, नियमित रूप से गौ-सेवा, भंडारा और लोक दायरो जैसे भक्ति-परक आयोजन करती है। आगामी 15 फरवरी का यह विशाल लोक दायरो भक्तों के बीच उत्साह का केंद्र बनेगा, जहां लोक कलाकारों द्वारा भजन-कीर्तन और प्रवचन प्रस्तुत किए जाएंगे।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में उत्तराखंड से आए संतों और पदाधिकारियों ने किये दर्शन

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चारमीनार स्थित विश्व विख्यात श्री भाग्य लक्ष्मी मंदिर के दर्शन करने उत्तराखंड चारधाम के प्रमुख पुजारी और पदाधिकारी पहुंचे। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और दर्शन किए गए।

डी गंगोत्री मंदिर के पुजारी रावल सुरेश सेमवाल, उत्तराखंड चारधाम महा पंचायत के महा सचिव डॉ. बृजेश सती, भद्रिनाथ मंदिर की ट्रस्टी निशा कार्की, प्रकाश कार्की सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने मंदिर में पहुंचकर मां भाग्य लक्ष्मी के दर्शन किए।

इस दौरान जसमत पटेल, पूजा पटेल, रिद्धिश जागीरदार, मंदिर की ट्रस्टी शशिकाला, मथुरादास और पंडित पांडे भी उपस्थित रहे। सभी ने मंदिर की भव्यता और यहां की दिव्य ऊर्जा की सराहना की।

उपस्थित सभी भक्तों ने इस दर्शन को सौभाग्यशाली बताया और मां भाग्य लक्ष्मी से प्रार्थना की कि वे सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। जसमत पटेल और अन्य स्थानीय पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे दर्शन से शहर की धार्मिक सौहार्द्रता मजबूत होती है।

एनएमडीसी ने नौ माह में हासिल किया रिकार्डतोड़ भौतिक एवं वित्तीय परिणाम

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2026 के 9 माह में मात्रा और वित्तीय दोनों क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

जिम्मेवार खनिक ने जनवरी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन एवं बिक्री दर्ज की, जिससे कंपनी की प्रचालन गति और मजबूत हुई। कंपनी ने 5.56 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन किया और 4.79 एमटी की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 9% और बिक्री में 7% की मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्शाती है। जनवरी 2026 तक कंपनी का संचयी प्रदर्शन इस प्रगति को और भी उजागर करता है। उत्पादन बढ़कर 42.65 एमटी हो गया, जो 19% की सर्वोच्च वृद्धि को दर्शाता है, जबकि बिक्री बढ़कर 39.73 एमटी हो गई, जो वार्षिक आधार पर 9.7% की वृद्धि है।

वित्तीय प्रदर्शन पर, एनएमडीसी ने स्थापना के बाद से वित्त वर्ष 2026 के प्रथम नौ माह में शानदार प्रदर्शन किया। राजस्व में 22% की वृद्धि दर्ज की गई और यह

20,381 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि पीबीटी में 5% की वृद्धि हुई और यह 7,280 करोड़ तक पहुंच गया। पीएटी में 4% की वृद्धि हुई और यह 5,401 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि ईबीआईटीडीए बढ़कर 7,666 करोड़ हो गया, जो 5% की वृद्धि दर्शाता है। एनएमडीसी ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 2.50 रुपये का अंतरिम लाभांश भी घोषित किया । यह प्रदर्शन रिकॉर्ड मात्रा और निरंतर प्रचालन उत्कृष्टता के कारण ही संभव हुआ, जिससे एनएमडीसी भारत की सबसे मजबूत खनन कंपनियों में से श्रेष्ठ कंपनी के रूप में स्थापित हो गई है।

स्थापना के बाद से अब तक के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हासिल करके एनएमडीसी अपने वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है। जनवरी में कंपनी की प्रथम कोयला खदान - झारखंड में टोकीसुद नॉर्थ कोयला खदान का उद्घाटन भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो एनएमडीसी के इतिहास में एक और बड़ी सफलता हासिल की है।

यह प्रदर्शन एनएमडीसी के रणनीतिक फोकस, प्रचालन क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। कंपनी अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और अपनी क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ जिम्मेवार खनन और सतत विकास के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता कायम रखती है, जिससे भारत के खनन क्षेत्र में इसकी अग्रणी स्थिति और मजबूत होती जा रही है।

लखदातार मित्र मंडल की पांचवीं श्री श्याम निशान यात्रा 22 को

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। घांसी बाजार स्थित लखदातार मित्र मंडल फाल्गुन मास के पावन अवसर पर श्याम बाबा की भव्य निशान यात्रा निकाल रहा है। यह मंडल द्वारा आयोजित की जा रही पांचवीं निशान यात्रा है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2022 से हुई थी और तब से हर साल भक्तों के बीच इसे विशेष उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।यात्रा 22 फरवरी 2026 (शनिवार) को प्रातः 6:31 बजे से हनुमान मंदिर, वैदिक वाचनालय भवन (लाइब्रेरी), घांसी बाजार से प्रारंभ होगी और समापन काचीगुड़ा श्री श्याम मंदिर पर होगा।यात्रा में श्याम बाबा का आकर्षक सजा हुआ रथ, पारंपरिक गाजे-बाजे, निरंतर भजन-कीर्तन की मधुर धुनें और पूरे मार्ग में पुष्प वर्षा का मनोरम दृश्य रहेगा। पूरी यात्रा भक्ति, श्रद्धा और आनंद के वातावरण में निकलेगी।

श्याम प्रेमियों से विशेष आह्वान

मंडल के सदस्यों ने हैदराबाद और सिकंदराबाद के सभी श्याम प्रेमियों से अपील की है कि वे अपने परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों के साथ इस पावन यात्रा में अवश्य शामिल हों। सभी से आग्रह है कि समय पर पहुंचकर यात्रा को और अधिक भव्य, दिव्य और

सफल बनाएं तथा श्याम बाबा के चरणों में अपनी अटूट श्रद्धा अर्पित करें।यात्रा की तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में- दक्ष अग्रवाल, यशवंत दयाल दादू, कृष्ण अग्रवाल, शौर्य गर्ग, वेदांत गर्ग, देवांश बंसल, राघव मंत्री, कार्तिक अग्रवाल, त्रिनभ गोयल,कुशल बजाज, लक्ष्य तायल, हार्दिक अग्रवाल, देवांग दादू, यश मित्तल, दीपांश दादू एवं अन्य समर्पित मंडल सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए।

लखदातार मित्र मंडल सभी श्याम भक्तों को इस भव्य निशान यात्रा में शामिल होने का हार्दिक निमंत्रण देता है।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा श्री श्याम निशान शोभायात्रा का भव्य स्वागत समारोह 8 को

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी 8 फरवरी को प्रातः 8:00 बजे चारमीनार से काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर तक निकलने वाली भव्य श्री श्याम निशान शोभायात्रा का चार कमान के निकट पुष्पा नर्सिंग होम के सामने राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा भव्य एवं दिव्य स्वागत किया जाएगा।

आज यहां जारी एक विज्ञप्ति में राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि यह शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण

में निकाली जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी भाग लेंगे और भक्ति की लहरें चारों ओर फैलेंगी। राधे-राधे ग्रुप ने निशान शोभायात्रा के स्वागत के लिए विशेष रूप से एक आकर्षक स्वागत मंच सजाया है, जहां सभी श्याम भक्तों का आत्मीय अभिनंदन किया जाएगा। इस अवसर पर भक्तों के लिए सेवा (प्रसाद वितरण), भजन और अन्य भक्ति व्यवस्थाएं की गई हैं।

कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में भजन सम्राट कन्हैया मित्तल जी अपनी सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भावविभोर करेंगे। राधे-राधे ग्रुप के मंच पर उनका सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा, जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ेगी। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद ने समस्त श्याम प्रेमियों से हार्दिक आग्रह किया है कि वे इस पावन निशान शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर सहभागी बनें, कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और श्याम बाबा की कृपा प्राप्त करें।

सेवा भाव से समाज को जोड़ रहा राधे-राधे परिवार : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान केंद्र, बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास श्रद्धा, सेवा और मानवीय संवेदनाओं के साथ अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम स्वयं को अत्यंत धन्य मानते हैं कि हमें राधे-राधे परिवार से जुड़कर निस्वार्थ सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह सेवा कार्य केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी

जिम्मेदारी और संस्कारों का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक सोच, आपसी सहयोग और करुणा की भावना को मजबूत कर रहे हैं। भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा धर्म है और यही सच्ची भक्ति है।

कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के वरिष्ठ एवं सक्रिय सेवा सहयोगी जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, अनिल अग्रवाल धरसूवाले, गोविंद राम पचेरिया, अरुण विजयवर्गीय, पन्नालाल अ अग्रवाल , शिव भगवान, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, अर्चना शास्त्री, रेनू शर्मा, मीना अग्रवाल एवं सुनीता अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी सेवाभावियों ने मिलकर श्रद्धा के साथ जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया।

गौशाला परिसर में सेवा, सहयोग और भक्ति का वातावरण बना रहा। उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे नियमित सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

4 फरवरी विश्व कैंसर दिवस पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत और आरोग्यम प्रोजेक्ट के अंतर्गत,तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद द्वारा निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन दो स्थानों पर किया गया। पहला महावीर हॉस्पीटल व सिओन कैंसर क्लीनिक के सहयोग से महावीर हॉस्पीटल में तथा दूसरा यशोदा हास्पीटल के सहयोग से डी वी कोलोनी,तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में लगाया गया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत महावीर हॉस्पीटल में नमस्कार महामंत्र द्वारा हुई। मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण किया गया। तत्पश्चात तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की अध्यक्ष नमिता जी

सिंघी ने आगंतुक सभी मेहमानों का स्वागत किया। महावीर हॉस्पीटल के चैयरमैन श्री महेंद्र जी रांका , मैनेजिंग ट्रस्टी सुशील जी संचेती, महासभा के संरक्षक श्री महेंद्र जी भंडारी, जैन सेवा संघ के मंत्री विमल जी मुथा , जैन माइनोरिटी फेडरेशन तेलंगाना के अध्यक्ष व सिकंदराबाद सभा के उपाध्यक्ष हिमांशु जी बापना, डॉ समता किरनमयी, डॉ सिरिसा ने अपने विचार व्यक्त किए और तेरापंथ महिला मंडल की, महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अभियान की सराहना की । दोनों डाक्टर ने सर्वाइकल कैंसर के बारे में विस्तृत जानकारी सभी बहनों को प्रदान की।इस अवसर पर तेरापंथ सभा , अणुव्रत समिति, जीटो हैदराबाद लेडीज विंग , चंदनबाला महिला मंडल की संरक्षिका निर्मला बरमेचा , महावीर हॉस्पीटल की ट्रस्टी डॉ आशा जी आदि की उपस्थिति रही। दोनों स्थानों पर मिलाकर लगभग 200 महिलाओं का निःशुल्क पेप स्मियर टेस्ट किया गया। इस कार्यक्रम हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान श्री प्रभात जी - संगीता जी सेठिया ने किया । इस अवसर पर तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की उपाध्यक्ष सुशीला मोदी , उपाध्यक्ष प्रभा दुगड़, सह मंत्री मीनाक्षी सुराणा,सह मंत्री संगीता गोलछा, कोषाध्यक्ष शीतल सांखला, प्रचार प्रसार मंत्री मनीषा सुराणा, निवर्तमान अध्यक्ष कविता आच्छा , अभातेममं कार्यसमिति सदस्य शिल्पा सुराणा आदि मौजूद रहीं। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती मनीषा सुराणा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मुख्य संयोजिका सरला आर भूतोड़िया ने दिया।

पेप स्मियर टेस्ट शिविर का समापन सत्र डी वी कोलोनी, तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया। अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने यशोदा हास्पीटल के डाक्टर व उनकी टीम का स्वागत किया। उपाध्यक्ष सुशीला मोदी ने अभातेममं के कार्यों की जानकारी देते हुए कार्यक्रम का संयोजन किया। इस अवसर पर डॉ श्रावंती रेड्डी, डॉ श्वेता दिप्ती, डॉ मोनिका रेड्डी के साथ यशोदा हास्पीटल की मार्केटिंग टीम से अखिल कुमार व लक्ष्मण कुमार उपस्थित थे। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा यशोदा हास्पीटल की पूरी टीम का सम्मान किया गया।कार्यक्रम की संयोजिका बहनें श्रीमती सरला आर भुतोड़िया, कविता आच्छा, सुशीला मोदी, जुली बैद, संतोष गुजरानी , सरिता डागा , अंजु चोरड़िया, हर्षलता दुधोड़िया, सरला मेहता,शांता बैद ,पुष्पा बरड़िया ,नीरा कोठारी आदि थीं।

नगरागमन पर भाजपा नेताओं का कुमावत समाज द्वारा भव्य सम्मान

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान से नगर पधारे भाजपा के प्रमुख नेताओं का तुमकुंठा में कुमावत समाज तेलंगाना द्वारा स्वागत और सम्मान किया गया। इस अवसर पर कुमावत समाज के प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत ने अतिथियों को माला, साफा और शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया।सम्मानित अतिथियों में- नवनीत सिंह राजपुरोहित (प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा राजस्थान एवं चुनाव प्रभारी करीमनगर), जगवीर छाभा (पूर्व प्रदेश महामंत्री, भाजपा राजस्थान) और रामगोपाल गहलोत (पूर्व जिला उपाध्यक्ष, नागौर, भाजपा राजस्थान) शामिल थे।इस भव्य स्वागत समारोह में कुमावत समाज के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और समाजसेवी उपस्थित रहे। इनमें जी. कृष्णा रेड्डी (तुमकुंठा मुनसिपल के पूर्व काउंसलर), धर्माराम डेया (प्रदेश सचिव, कुमावत समाज तेलंगाना), बुदाराम होतवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कुमावत समाज तेलंगाना), पापालाल कच्छवाह, रतनलाल सीरवी, प्रकाश कुमावत, सुनील कुमावत, मुकेश गहलोत तथा समाज के अन्य गणमान्य सदस्य प्रमुख रूप से शामिल थे।कुमावत समाज तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत ने कहा कि राजस्थान से आए ये सम्मानित अतिथि समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनका तुमकुंठा पधारना समाज की एकता और भाजपा के साथ जुड़ाव को दर्शाता है।नवनीत सिंह राजपुरोहित ने समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कुमावत समाज की तेलंगाना में बढ़ती सक्रियता और सामाजिक कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने समाज के युवाओं से आगे आकर सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में योगदान देने का आह्वान किया।

साहित्य गरिमा पुरस्कार 2025 हेतु कार्यकारिणी की बैठक

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्य गरिमा पुरस्कार 2025 हेतु कार्यकारिणी की बैठक गूगल मीट के माध्यम से मंगलवार दिनांक 3 फ़रवरी 2026 को समिति के परामर्श दाता अवधेश कुमार सिन्हा (नई दिल्ली) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए प्रवीण प्रणव (उपाध्यक्ष) एवं मोहित (महासचिव) ने आगे बताया कि बैठक का आरंभ साहित्य गरिमा पुरस्कार की संस्थापिका स्वर्गीय डॉ अहिल्या मिश्र को पटल पर उपस्थित सदस्यों द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देकर किया गया।बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए प्रवीण प्रणव ने कहा कि विगत 2024 एवं 2025 में पुरस्कार समारोह फ़रवरी माह में तृतीय रविवार को आयोजित हुए थे परंतु इस वर्ष यह कार्यक्रम रविवार दिनांक 15 मार्च 2026 को संपन्न होगा। सभी के साथ और सहयोग की अपेक्षा इस वर्ष भी रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि आदरणीय अहिल्या मिश्र के निधन को हम पूरी तरह से स्वीकार नहीं कर पाए हैं लेकिन डॉक्टर अहिल्या मिश्र ने अस्वस्थ होने के बावजूद भी साहित्य गरिमा पुरस्कार की प्राथमिक तैयारियां आरंभ कर दी थीं। साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति, ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया, हैदराबाद चैप्टर एवं कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बैठक में सर्वसम्मति से साहित्य गरिमा पुरस्कार का नाम बदलकर डॉ अहिल्या मिश्र स्मृति सम्मान किया गया।

15वाँ साहित्य गरिमा पुरस्कार इस बार डॉ अहिल्या मिश्र स्मृति सम्मान के रूप में इस बार अहिन्दी भाषी महिला साहित्यकार को हिंदी लेखन हेतु काव्य विधा पर दिया जाएगा। गौर तलब है कि विगत दो वर्षों से साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति के अंतर्गत विभिन्न विधाओं पर 9 अन्य पुरस्कार भी दिए जा रहे थे जिनके नाम सिया सहचरी काव्य सम्मान, महाश-हस्त्रावधानी गरिकिपाटि डॉ नरसिम्हा राव हिंदी अनुवादक पुरस्कार, महाशहस्त्रा-वधानी गरिकिपाटि डॉ नरसिम्हा राव तेलुगू अनुवादक पुरस्कार,श्रीमती शांति अग्रवाल कहानी/उपन्यास लेखन पुरस्कार, श्री आचार्य कृष्णदत्त हिंदी साहित्य व्यंग्य/लघुकथा लेखन पुरस्कार, सृजनात्मक तकनीक हिंदी सम्मान, चम्पाई माधव कदम हिंदी लेखन पुरस्कार, कादम्बिनी क्लब हिंदी गौरव सम्मान एवं शुभ्रा मोहंतो संगीत साधना पुरस्कार हैं। इस वर्ष इन पुरस्कारों की सूची में एक और पुरस्कार शामिल किया गया है जिसका नाम रामकिशोरी स्मृति सम्मान है और यह कथेतर साहित्य लेखन हेतु दिया जाएगा । प्रस्तुत पुरस्कारों हेतु 150 से अधिक प्रतिभागियों की प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं जिन्हें निर्णायक मंडल को भेजा जा चुका है। जल्द ही निर्णायकों के निर्णय भी आ जाएँगे ।

15 मार्च को आयोजित होने वाले पुरस्कार समारोह हेतु स्थान की सूचना भी जल्द ही दी जाएगी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में पुरस्कार सम्मान और द्वितीय सत्र में पुस्तकों का लोकार्पण किया जाएगा। तत्पश्चात् बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। प्रवीण प्रणव ने बताया कि इन पुरस्कारों हेतु एक ट्रस्ट का निर्माण किया जा रहा है जिसपर कार्य शुरू हो चुका है और इसकी ज़िम्मेदारी कोषाध्यक्ष डॉक्टर आशा मिश्रा एवं मानवेन्द्र मिश्र संभाल रहे हैं। अवधेश कुमार सिन्हा ने कहा कि अभी भी हम सभी डॉक्टर अहिल्या जी की अनुपस्थिति को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना से साहित्य जगत सदमे में है। हम डॉ अहिल्या मिश्र के वारिश हैं और हमें उनके सपनों को उसी तरह मेहनत और जुनून के साथ पूर्ण करना है । अगली बैठक में विभिन्न कार्यकारिणी सदस्यों एवं साथियों को समारोह संबंधी विभिन्न ज़िम्मेदारी सौंपी जाएगी।बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि प्रस्तुत पुरस्कार समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रवीण प्रणव को बनाया जाए। अवधेश कुमार सिन्हा ने कहा कि कि प्रवीण प्रणव डॉ अहिल्या मिश्र के सतत् संपर्क में रहें और संस्था के लिए कार्य करते रहे हैं। कई भविष्यकालीन योजनाएं अहिल्या जी ने उनसे साझा की हैं। अतः इस पद के लिए वे उपयुक्त हैं। उन्होंने पटल पर उपस्थित सदस्यों से अपनी राय माँगी और सर्व सम्मति से प्रवीण प्रणव को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। समिति की उपाध्यक्ष मीना मुथा ने कहा कि जिस कर्मठता से आदरणीय अहिल्या मिश्र प्रत्येक कार्य को सुपरिणाम देते हुए सफलता की मंजिल पर ले जाती थीं उसी जज़्बे के साथ उनके कार्यों को पूरा संगठन साथ मिलकर आगे बढ़ायेंगे। बैठक में अवधेश कुमार सिन्हा, प्रवीण प्रणव, मीना मुथा, प्रो शुभदा वांजपे (निर्णायक मंडल सदस्य), मोहित (महासचिव), डॉ आशा मिश्र ङ्गमुक्ताफ (कोषाध्यक्ष), के राजन्ना (मीडिया प्रभारी), कार्यकारिणी सदस्य शिल्पी भटनागर, मोहिनी गुप्ता, भावना पुरोहित, डॉ जी नीरजा और सीताराम माने उपस्थित हुए । धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुआ ।

सेवा और संवेदना का संगम बना केबीआर पार्क का अन्नदान

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क परिसर में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस सेवा कार्य में जरूरतमंदों, असहायों एवं राहगीरों को सम्मानपूर्वक भोजन कराकर मानवता की सच्ची मिसाल प्रस्तुत की गई।

अन्नदान कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को प्रेम और आत्मीयता के साथ भोजन कराया गया। सेवा भावना से प्रेरित राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने पूरे अनुशासन और समर्पण के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। ग्रुप का मानना है कि भूखे को भोजन कराना ही सबसे बड़ा धर्म और श्रेष्ठ सेवा है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, जयप्रकाश सारडा, हरीश टोलाराम हिंदुजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया गया

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के बहुउद्देशीय कक्ष में हिंदी के युग-पुरुष एवं संस्थान के संस्थापक पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण का जन्मदिन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। उनका जन्म 2 फरवरी 1902 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के दोण्डपाडू गांव में हुआ था। डॉ. मोटूरि सत्यनारायण जी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, संविधान सभा के सदस्य एवं दक्षिण भारत में हिंदी प्रचार-प्रसार के प्रमुख रऑलहळींशलीं थे, जिन्होंने महात्मा गांधी के प्रभाव में हिंदी को राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फत्ताराम नायक ने उन्हें याद करते हुए कहा कि डॉ. मोटूरि जी का दृढ़ मत था कि भाषा सार्वजनिक समाज की वस्तु है। अतः इसका विकास भी सामाजिक विकास के साथ-साथ चलना चाहिए। उन्होंने हिंदीतर राज्यों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सभी को निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

डॉ. एस. राधा ने भावुक होते हुए कहा कि मोटूरि जी का जन्म आंध्र प्रदेश में हुआ और उनका भी जन्म इसी प्रदेश में हुआ है, इसलिए वे उन्हें बहुत अपने लगते हैं। हिंदी के प्रति उनकी रुचि और लगन को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में हिंदी को स्थापित करने का उनका योगदान अमर है।

डॉ. दीपेश व्यास ने उनके जन्मदिवस पर विशेष रूप से उल्लेख किया कि दक्षिण भारत में गांधी जी के आंदोलनों से प्रभावित होकर कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले डॉ. मोटूरि सत्यनारायण जी ने गांधी जी के हिंदी प्रचार कार्यों से प्रेरित होकर केंद्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना की। हिंदी जगत उनके परमपूज्य कार्यों को सदा याद रखेगा।

श्री सजग ने बताया कि डॉ. मोटूरि सत्यनारायण ने हिंदीतर राज्यों के सेवारत हिंदी शिक्षकों को हिंदी भाषा के सहज वातावरण में रखकर उन्हें हिंदी भाषा, साहित्य एवं शिक्षण का विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता महसूस की और इसी उद्देश्य से संस्थान की नींव रखी।

श्री के. इंद्रा ने कहा कि मोटूरि जी कई भाषाओं के जानकार थे, लेकिन हिंदी के प्रति उनका विशेष लगाव उन्हें इसके प्रचार-प्रसार के लिए अधिक प्रोत्साहित करता था।

कार्यक्रम के अंत में केंद्र के सभी सदस्यों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने डॉ. मोटूरि सत्यनारायण जी के चित्रपट्ट पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

महावीर धाम कर्नूल में भगवान महावीर स्वामी के दर्शन

कर्नूल, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रसूलपुरा निवासी पुष्पाबेन जैन रत्न रमेशजी, गुणवंतिदेवी एवं पुखराजजी तातेड़ परिवार (सिरोही मूल निवासी) ने आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थस्थल महावीर धाम, कर्नूल में भगवान महावीर स्वामी के दर्शन किए। परिवार ने वहां पूजा-अर्चना कर सभी की सुख-शांति, स्वास्थ्य, समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की।

इस पावन दर्शन के दौरान परिवार ने कई सदस्यों के महत्वपूर्ण व्यक्तिगत अवसरों पर हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएं दीं। डॉ. श्रवणजी मोदी एवं चंदनबाला मोदी को वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती की विशेष बधाई एवं शुभकामनाएं। शैलेशजी जैन एवं शैलू जैन को उनकी विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाइयाँ। राकेशजी मोदी एवं विमला मोदी को विवाह वर्षगांठ की शुभकामनाएं। रितेशजी तातेड़ एवं पूनम तातेड़ को विवाह वर्षगांठ पर बधाई। विवेकजी मोदी एवं दीप्ति मोदी को उनकी विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं। ललितजी कांकरिया को उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।कर्नूल स्थित महावीर धाम जैन धर्म के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है, जहां भगवान महावीर स्वामी की प्राचीन प्रतिमा विराजमान है। यह स्थान भक्तों के लिए शांति, समृद्धि एवं मोक्ष प्राप्ति का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। परिवार के सदस्यों ने इस दर्शन को अत्यंत पवित्र एवं सौभाग्यपूर्ण बताया।

परिवार की ओर से सभी जैन भक्तों एवं शुभचिंतकों को भगवान महावीर की कृपा प्राप्त हो, ऐसी कामना की गई है।

भालकी में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन
भालकेश्वर मंदिर से निकली विशाल शोभायात्रा

भालकी (कर्नाटक), 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) भालकी शहर में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शहर भर से हजारों हिंदू भक्त, समाजसेवी और संगठन एकत्र हुए।

इस अवसर पर भालकी के प्राचीन भालकेश्वर मंदिर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से

गुजरते हुए चन बसवा आश्रम पहुंची।

शोभायात्रा का प्रारंभ भालकेश्वर मंदिर से हुआ और यह बस स्थानक, महात्मा फूले चौक, गांधी चौक और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक से होकर गुजरी।

इसके बाद यात्रा चन बसवा आश्रम पहुंची, जहां सम्मेलन की मुख्य बैठक संपन्न हुई।

कैंसर निवारण दिवस पर तेलंगाना मेधावी मंच द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

तीन प्रोफेसरों को बेस्ट ऑन्कोलॉजिस्ट अवॉर्ड-2026 प्रदान

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व कैंसर निवारण दिवस के अवसर पर तेलंगाना मेधावी मंच (राज्य शाखा) के तत्वावधान में नारायणगुड़ा स्थित राजा बहादुर वेंकटरामन रेड्डी महिला महाविद्यालय के सभागार में कैंसर जागरूकता एवं नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कैंसर निवारण एवं उपचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले तीन प्रतिष्ठित ऑन्कोलॉजिस्ट प्रोफेसरों को बेस्ट ऑन्कोलॉजिस्ट अवॉर्ड02026 से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उस्मानिया विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार जी. नरेश रेड्डी ने कहा कि कैंसर उन्मूलन के साथ-साथ इस बीमारी से प्रभावित लोगों में आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि वर्तमान में हर सात में से एक व्यक्ति कैंसर से पीड़ित है।सरकारी एमएनजे कैंसर अस्पताल के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रो. रघु रामन ने कैंसर के सामान्य लक्षणोंजैसे भूख न लगना, थकान, सिरदर्द, हीमोग्लोबिन का कम होना, ईएसआर का बढ़ना तथा वजन कम होनाको उदाहरणों सहित विस्तार से समझाया।

निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (निम्स) के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रो. सदाशिवुडु ने बताया कि धूम्रपान, शराब सेवन, पान मसाला, गुटखा तथा शरीर में अधिक चर्बी के कारण कैंसर होने की संभावना अधिक रहती है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि कैंसर के लिए अब उन्नत और बेहतर उपचार उपलब्ध हैं।सरकारी एमएनजे अस्पताल की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. गायत्री पलाट ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि फल, सब्ज़ियां, मोटे अनाज और हरी पत्तेदार सब्ज़ियां अधिक मात्रा में लें। साथ ही प्रतिदिन ध्यान, योग, पैदल चलना और व्यायाम करने की सिफारिश की।

कार्यक्रम के दौरान कैंसर निवारण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले तेलंगाना राज्य के तीन प्रतिष्ठित डॉक्टरोंप्रो. आर. रघुरामन, प्रो. गायत्री पलाट एवं प्रो. सदाशिवुडुको बेस्ट ऑन्कोलॉजिस्ट अवॉर्ड02026 से सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति पत्र, शॉल, स्मृति-चिह्न और पुष्पमालाएं भेंट कर भव्य रूप से सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व, महाविद्यालय की छात्राओं ने कैंसर के लक्षणों पर नारे लगाते हुए एक विशाल जागरूकता रैली निकाली और आम जनता को कैंसर के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. जी. अच्युतादेवी, लायंस रामादेवी रेड्डी, लायंस प्रेमचंद मुनोत जैन, उस्मानिया विश्वविद्यालय के शोधार्थी डॉ. रवितेजा, तथा तेलंगाना मेधावी मंच के अध्यक्ष डॉ. राजनारायण मुदिराज ने भी संबोधित किया।

इसके अलावा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए.सी.एच. प्रद्युत, डॉ. जी. विजयलक्ष्मी, डॉ. रुमिला सीतारामन, समन्वयक जी. वेणुगोपाल, श्री आरेकटीका बिच्चुकारी सूर्या, कुमारी साक्षी बोरा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्राएं एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।यह कार्यक्रम कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने और समय पर जांच एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का महत्वपूर्ण संदेश देने में सफल रहा।

करामातुल्ला नवाब बिजनेस टाइकून अवार्ड- 2026 से सम्मानित

हैदराबाद, 04 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रसिद्ध व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता और अल-फतह फर्निशिंग एंड डेकोर के अध्यक्ष, सैयद करामतुल्ला नवाब को व्यवसाय में उनके उत्कृष्ट योगदान और सामाजिक सेवा में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए तेलंगाना बिजनेस टाइकून अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह का आयोजन केआर ग्रुप द्वारा एसवीएम ग्रैंड होटल, नागोल, हैदराबाद में किया गया था और इसमें देशभरके विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। यह पुरस्कार प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री भूमिका चावला द्वारा प्रदान किया गया, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। सभा को संबोधित करते हुए भूमिका चावला ने उद्यमियों के दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और नवाचार की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे व्यक्ति देश के आर्थिक विकास की रीढ़ हैं। गौरतलब है कि सैयद करामातुल्लाह

नवाब न सिर्फ़ एक सफल बिजनेस लीडर ही नहीं हैं बल्कि उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाई है। उन्हें पहले भारत सम्मान पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है, जो उनके बहुमुखी योगदान का प्रमाण है। इस कार्यक्रम में उद्योग, व्यापार, मीडिया और सामाजिक सेवा के क्षेत्र से बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित हस्तियाँ मौजूद रहीं। तेलंगाना बिजनेस टाइकून अवार्ड-2026 उन व्यावसायिक हस्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने नवाचार, नेतृत्व, सामाजिक ज़िम्मेदारी और उद्यमशीलता की सफलता में विशिष्टता हासिल की है और सैयद करामातुल्ला नवाब को दिया गया यह सम्मान उस चल रही परंपरा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पुरस्कार प्राप्त करने पर, सैयद करामतुल्ला नवाब ने के.आर. ग्रुप के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए बहुत गर्व की बात है और वह भविष्य में अपने व्यावसायिक प्रयासों के साथ-साथ समाज सेवा भी जारी रखेंगे। इस अवसर पर एजाज शरीफ (सीईओ, एसबीए इवेंट्स) ने सैयद करामातुल्ला नवाब को बधाई दी और उनकी निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, MOHAMMED AYUB KHAN (old Name), S/o ABBAS KHAN MOHAMMED, R/o. H.No.5-2-276, Raheem Pura, Town & Mandal: KORUTLA, Pincode: 505326, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to MOHAMMED AYUB KHAN Here after my name is known as AYUB KHAN

CHANGE OF NAME

I, ABBAS KHAN MOHAMMED (old Name), S/o DAVUD KHAN, R/o. H.No.5-2-276, Raheem Pura, Town & Mandal:KORUTLA, Pincode: 505326, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to ABBAS KHAN MOHAMMED Here after my name is known as ABBAS KHAN

सूर्यदत्त ग्रुप का 28 वां राइजिंग-डे 7 को राष्ट्रीय जीवनगौरव पुरस्कारों की हुई घोषणा

पद्मश्री डॉ. चंदनाजी महाराज को 'सूर्यदत्त ग्लोबल पीस गांधीयन फिलॉसॉफी अवॉर्ड 2026' से नवाजा जाएगा

पुणे, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट की 28वीं वर्षगांठ के अवसर पर दिए जाने वाले ङ्कसूर्यदत्त जीवनगौरव पुरस्कारफ और 'सूर्यदत्त राष्ट्रीय पुरस्कार' की घोषणा की गई है। ये पुरस्कार शनिवार, 7 तारीख को शाम 5.30 बजे, बंटारा भवन, बाणेर, मुंबई-पुणे महामार्ग पर सम्मानपूर्वक प्रदान किए जाएंगे। यह जानकारी सूर्यदत्त के संस्थापक अध्यक्ष प्रा. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इस अवसर पर सूर्यदत्त की सहयोगी उपाध्यक्ष स्नेहल नवलखा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षित कुशल, मुख्य विकास अधिकारी सिद्धांत चोरडिया, जनसंपर्क प्रबंधक स्वप्नाली कोगजे तथा सलाहकार समिति के सदस्य जीवराज चोले उपस्थित थे।

प्रा. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने बताया कि अहिंसा विश्वभारती के संस्थापक आचार्य डॉ. लोकेश मुनिजी की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश उदय ललित के करकमलों से इन पुरस्कारों का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) भूषण गोखले, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएस. कृष्णमूर्ति, वरिष्ठ अभिनेता रज़ा मुराद और एमआईटी के अधिष्ठाता प्रा. डॉ. शरदचंद्र दराडे उपस्थित रहेंगे।

पद्मश्री परमपूज्य आचार्य डॉ. चंदनाजी महाराज (ताई माँ) को ङ्कसूर्यदत्त ग्लोबल पीस गांधीयन फिलॉसॉफी अवॉर्ड 2026फ प्रदान किया जाएगा। इस वर्ष ङ्कसूर्यदत्त जीवनगौरव पुरस्कारफ से पूर्व मुख्य न्यायाधीश उदय ललित, वरिष्ठ अभिनेता अशोक सराफ, हास्ययोग आंदोलन के प्रवर्तक विठ्ठल काटे, पूर्व वरिष्ठ प्रशासक शेखर गायकवाड, अभिनेता राकेश बेदी, निर्माण व्यवसायी विलासकुमार पालरेषा, फिल्म निर्देशक सुभाष सेहगल, शिक्षाविद् अशोककुमार ठाकूर, वैज्ञानिक डॉ. आनंद भाडळकर, वरिष्ठ अधिवक्ता ऍड. प्रमोद आडकर, साहित्यकारा प्रो. सुरेखा कटारिया, उद्यमी प्रकाश गांधी और वैश्विक रणनीतिकार संजय पुरी को सम्मानित किया जाएगा। वहीं ङ्कसूर्यदत्त राष्ट्रीय पुरस्कारफ श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति ट्रस्ट के महेश सूर्यवंशी, योगसद्गुरु डॉ. कृष्णदेव गिरी, अभिनेत्री व स्टैंडअप कॉमेडियन उपासना सिंह, भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर अभिजित कुंटे, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ऍड. आशुतोष श्रीवास्तव, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सुरेंद्र कुमारी, योग प्रशिक्षक राखी गुगळे, अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. कनक सहा, बांसुरी वादक पारस नाथ, ग्लोबल यूथ एंबेसडर दारासिंग खुराणा, डॉ. प्रमोद त्रिपाठी और पर्वतारोही आशिष माने को दिया जाएगा। इसके अलावा ङ्कसूर्यदत्त नेशनल यंग अचीवर अवॉर्डफ सीए मोहित धांड, गायिका प्रीती दवे और पिंकी दवे तथा तैराक हातवी शहा को प्रदान किया जाएगा। वहीं ङ्कसूर्यदत्त लिटिल मास्टर नेशनल अवॉर्डफ से मास्टर ऋषि शिव प्रसन्न व मास्टर राघव मालपाणी को सम्मानित किया जाएगा।

बेटे-बहू की शादी की सालगिरह को राधे-राधे ग्रुप ने यादगार बना दिया : रुचिता अग्रवाल

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-- के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत आज सेवा और संवेदनाओं से परिपूर्ण एक विशेष आयोजन संपन्न हुआ।अपने बेटे-बहू की शादी की सालगिरह के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर पहुँची श्रीमती रुचिता अग्रवाल ने भावुक स्वर में कहा कि राधे-राधे ग्रुप की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। आपने मेरे बेटे-बहू की शादी की सालगिरह को सेवा के माध्यम से अविस्मरणीय बना दिया। इसके लिए मैं पूरे राधे-राधे ग्रुप का हृदय से धन्यवाद करती हूँ।आज की सेवा श्रीमती साक्षी जी एवं श्री गौरव जी गोयल की शादी की सालगिरह के पावन अवसर पर (श्री मुकुंद लाल जी एवं श्री सूरजभान जी गोयल परिवार, बंजारा हिल्स) की ओर से श्रद्धा भाव से अर्पित की गई। इस अवसर पर जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक अन्न वितरण किया गया।कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप से जुड़े अनेक सेवाभावी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, कमला देवी कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, राजेश योगा सरजी, अशोक गुप्ता (एसजे), सुरेश डालमिया, भगतराम गोयल, गोपाल गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, गौरव गोयल, बर्खा गोयल, रुचिता अग्रवाल, साक्षी गोयल, गौरव गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।राधे-राधे ग्रुप के इस सेवा कार्य ने यह संदेश दिया कि खुशियों को सेवा से जोड़ना ही सच्चा उत्सव है।

गीत चाँदनी की कवि गोष्ठी में राष्ट्रीय एकता की कविताओं ने बाँधा समाँ

हैदराबाद, 4 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय एवं लोकप्रिय साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन का आयोजन मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलार सभागृह में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस गरिमामय कवि गोष्ठी की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध गीतकार श्री चंपालाल बैद ने की।

कार्यक्रम में कवि ठाकुर दिनेश सिंह ने संत रविदास (रैदास) की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत रविदास द्वारा प्रतिपादित क्षमतामूलक समाज, सामाजिक एकता, करुणा और भाईचारे के विचार आज भी अत्यंत सार्थक हैं। उन्होंने कहा कि जाति-पाँति, धर्म और लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त कर मानवीय समानता की स्थापना तथा मन चंगा तो कठौती में गंगा जैसे विचारों के माध्यम से आंतरिक शुद्धि की उनकी शिक्षाएँ आज के समाज को सही दिशा दिखाती हैं।

इस अवसर पर कवि जी. परमेश्वर ने अपनी सद्यः प्रकाशित अनूदित काव्य कृति सत्य दर्शन (तेलुगु से हिंदी), जिसके मूल लेखक डॉ. समन्ना इटेला हैं, की एक-एक प्रति सभी उपस्थित कवियों एवं लेखकों को भेंट की।

अपनी अध्यक्षीय टिप्पणी में गीतकार चंपालाल बैद ने कहा कि इस कवि गोष्ठी में सभी कवियों ने अपनी श्रेष्ठ रचनाओं का पाठ कर कार्यक्रम को स्मरणीय बनाया। उन्होंने आगे कहा कि संत रविदास ईमानदारी से श्रम करने की वकालत करते थे, जो आज के समय में भ्रष्टाचार और अनुचित साधनों के विरुद्ध एक सशक्त संदेश है।

कवि आर. दुर्गाराज पठून ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संत रविदास के सिद्धांत न केवल 15वीं शताब्दी के लिए, बल्कि 21वीं सदी के भारत में भी भेदभाव-मुक्त, न्यायपूर्ण और बंधुत्वपूर्ण समाज के निर्माण के लिए पथ-प्रदर्शक हैं।

गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोंडा दर्पण के संपादक एवं कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया तथा संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कवि गोष्ठी में हैदराबाद के कवियों ने देश की समसामयिक परिस्थितियों, सामाजिक सरोकारों, मानवीय मूल्यों, जीवन के विविध रंगों तथा राष्ट्रीय एकता पर आधारित अपने गीत, ग़ज़ल, कविताएँ एवं हास्य-व्यंग्य रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर डी. प्रेमराज, सत्यनारायण काकड़ा, श्रीपूनम जोधपुरी, अनुज कुमार तिवारी, आर. दुर्गाराज पठून, जी. परमेश्वर, दिनेश अग्रवाल शशि, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, तज्ज़मुल गुलरेज, आशा ठाकुर, चंपालाल बैद, गोविंद अक्षय, ममता मिश्रा, ठाकुर दिनेश सिंह सहित अनेक कवियों ने काव्य-पाठ किया।

कवयित्री आशा ठाकुर ने अपनी मधुर वाणी में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कवि गोविंद अक्षय ने आगे बताया कि गीत चाँदनी संस्था का उद्देश्य साहित्य और संस्कृति के माध्यम से समाज में संवेदनशीलता, विचारशीलता तथा रचनात्मक ऊर्जा का संचार करना है। संस्था पिछले 44 वर्षों से प्रतिमाह नियमित रूप से कवि गोष्ठियों का आयोजन करती आ रही है, जिनमें नवोदित एवं वरिष्ठ रचनाकार समान रूप से भाग लेते हैं।कार्यक्रम की सफलता में विश्वनाथ पेंढारकर, बंसीलाल एवं अंकित पाण्डेय का योगदान सराहनीय रहा। कवि डी. प्रेमराज की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप कवयित्री आशा ठाकुर को 1100/- की सम्मान राशि भेंट की गई। कार्यक्रम के आरंभ में कवि अनुज कुमार तिवारी द्वारा जलपान की सुंदर व्यवस्था की गई।संस्था के पदाधिकारियों ने सभी कवियों, साहित्य-प्रेमियों एवं हिंदी प्रेमी श्रोताओं का समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

'नटकिरिटी' डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अमरावती में चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण से की शिष्टाचार भेंट

अमरावती (आंध्र प्रदेश), 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रसिद्ध तेलुगु फिल्म अभिनेता और ङ्कनटकिरिटीफ के नाम से मशहूर डॉ. गद्दे बाबू राजेंद्र प्रसाद ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से अमरावती में शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा घोषित पद्म पुरस्कारों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पद्मश्री सम्मान से नवाजे जाने की घोषणा के बाद हुई।मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा कि पिछले चार दशकों से राजेंद्र प्रसाद ने अपनी विविध और यादगार भूमिकाओं से करोड़ों दर्शकों का मनोरंजन किया है। उन्होंने तेलुगु सिनेमा की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है और आंध्र प्रदेश तथा तेलुगु भाषा-संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से सौहार्दपूर्ण मुलाकात

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी डॉ. राजेंद्र प्रसाद का हार्दिक स्वागत किया और उनसे सौहार्दपूर्ण एवं स्नेहपूर्ण बातचीत की। दोनों नेताओं ने अभिनेता की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी और भविष्य में भी तेलुगु सिनेमा के लिए उनके योगदान की अपेक्षा जताई।

इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पद्मश्री सम्मान उनके लिए व्यक्तिगत उपलब्धि से कहीं अधिक आंध्र प्रदेश और तेलुगु सिनेमा के लिए सम्मान है। उन्होंने दोनों नेताओं के प्रोत्साहन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया।डॉ. राजेंद्र प्रसाद तेलुगु सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं, जिन्होंने हास्य, भावनात्मक और सामाजिक भूमिकाओं में अपनी अलग पहचान बनाई है। पद्मश्री पुरस्कार उनकी लंबी और सफल यात्रा का सम्मान है।

अजहरुद्दीन ने जहीराबाद नगर निगम चुनाव 2026 से पहले उम्मीदवारों के साथ की रणनीति बैठक

ज़हीराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी ज़हीराबाद नगर निगम चुनाव 2026 की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मुहम्मद अजहरुद्दीन ने मंगलवार को चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों के साथ एक महत्व-पूर्ण रणनीति बैठक की। यह बैठक ज़हीराबाद स्थित शहर सांसद शिविर कार्यालय में आयोजित की गई, जो पार्टी के चुनाव अभियान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बैठक में नगर निगम चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवार एक साथ उपस्थित हुए। मंत्री अज-हरुद्दीन ने व्यक्तिगत रूप से विभिन्न वार्डों के उम्मीदवारों से विस्तृत बातचीत की और जमीनी स्तर पर चल रही तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने उम्मीदवारों को उनकी मेहनत के लिए बधाई दी और आगामी चुनाव में सफलता की शुभकामनाएं व्यक्त कीं।मंत्री अजहरुद्दीन ने उम्मीदवारों से अपील की कि वे जनसेवा के प्रति पूर्ण प्रतिबद्ध रहें और जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी एकजुटता के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि संगठित प्रयास, जमीनी जुड़ाव और समन्वित रणनीति ही चुनावी सफलता की कुंजी है।अजहरुद्दीन की इस रणनीति बैठक के साथ ही पार्टी ने 2026 के जहीराबाद नगर निगम चुनाव से पहले अपनी तैयारियों को और मजबूत करने का स्पष्ट संकेत दिया है। नेताओं का मानना है कि मजबूत संगठनात्मक ढांचा, समन्वित चुनाव अभियान और जमीनी स्तर की सक्रियता से पार्टी इस बार शानदार प्रदर्शन करेगी।

यह बैठक न केवल उम्मीदवारों के बीच समन्वय बढ़ाने वाली साबित हुई, बल्कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की गंभीरता और जीत की मजबूत इच्छाशक्ति को भी दर्शाती है।

बुधवार को हैदराबाद पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के स्वागत समारोह में उपस्थित पार्षद सरला केतनी, भारत गौड़, वरिष्ठ भाजपा नेता सपना गुप्ता, दयानंद, डिवीजन नरेश, श्रीनिवास, उमा, महैश, चन्दू, अश्विनी व अन्य।

DAILY शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME
I, Army No. 6947973H CHM NANDKISHORE of 1 Trg Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO have changed my name from NANDKISHORE to NANDKISHORE KUMAWAT.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. JC 735917H Nb/Sub CLKSD K ARUMUGAM of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad that my father name is to be changed from KANGAIRAJAN to GANGAIRAJAN MUTHAIYA and my mother name and DOB is to be changed from MV NIYAMMAL, DOB:10-05-1955 to MUNIYAMMAL GANGAIRAJAN, DOB:20-10-1955.

CHANGE OF NAME
I, MARJINA KHATUN spouse of Army No.6949697K Hav MD BABUL ISLAM of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad have changed my name from MARJINA KHATUN to MORZINA KHATUN vide affidavit dt:4-2-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, NARASIYAMMA Mother of Army No.2610051L Hav N ESWARA RAO GUJJU, Residing at Vill and PO:Gudivada, Chittivalasa-TO, Bhogapuram-Tk, Vizianagaram-Dist, Andhra Pradesh-531162 have changed my name from NARASIYAMMA to GUJJU NARASIYAMMA.

CHANGE OF NAME
I, DAMERA LACHAIAH Father of Army No.2624833M Sep DAMERA SAGAR, Resident of 3-99, Ramadugu Mandal, Kokkerakunta, Karimnagar - 505451, Telangana have changed my name from DAMERA LAXMAIAH to DAMERA LACHAIAH.

CHANGE OF NAME
I, CHINNA YERRAYYA father of Army No.2610051L Hav N ESWARA RAO GUJJU, Residing at Vill and PO:Gudivada, Chittivalasa-TO, Bhogapuram-Tk, Vizianagaram-Dist, Andhra Pradesh-531162 have changed my name from CHINNA YERRAYYA to GUJJU CHINNA YERRAYYA.

CHANGE OF NAME
I, DHANAM C Mother of Service No. 15192113F Hav ELUMALAI C, Residing at 72, Vadakku Kollai, Medu Kathalampettu, Vellore, Tamilnadu-632312 have changed my name from DHANAM C to DHANAM CHINNKUZHANDHAI vide affidavit dt:04-02-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, VENKAT RAO, is legally dependent Father of service number 14651222L Rank: HAV, Name:MAREWAD NAMDEV VENKAT RAO, Unit:3TRG BN 1EME Centre secunderabad, Residing at Vill:DONGARSHELKI, Post:DONGARSHELKI, Teh:UDGIR, Dist:LATUR, State:MAHARASHTRA, Pin:413517, That I have Changed my Name from VENKAT RAO to VYANKAT SOPAN MAREWAD, And my DOB is 01/01/1947 and Affidavit dated 27/01/2026

CHANGE OF NAME
I, RUKHAMEENA BAI, is legally dependent Mother of service number 14651222L Rank: HAV, Name: MAREWAD NAMDEV VENKAT RAO, Unit:3TRG BN 1EME Centre Secunderabad, Residing at Vill: DONGARSHELKI, Post:DONGARSHELKI, Teh:UDGIR, Dist:LATUR, State: MAHARASHTRA, Pin:413517, That I have Changed my Name from RUKHAMEENA BAI to RUKMIN VENKATRAO MAREWAD, And my DOB is 01/01/1948 and Affidavit dated 27/01/2026

CHANGE OF NAME
I, MAREWAD NAMDEV VENKAT RAO, Army No: 14651222L, Rank: HAV, Unit:3 TRG BN 1 EME Centre Secunderabad, Residing at Vill:DONGARSHELKI, Post: DONGARSHELKI, Teh: UDGIR, Dist:LATUR, State:MAHARASHTRA, Pin:413517, That I have Changed my Daughter Name from VAISHNAVI to MAREWAD VAISHNAVI NAMDEV, and DOB is 05/11/2011 Affidavit dated 27/01/2026,

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का हैदराबाद में भव्य स्वागत

कार्यकर्ताओं में दिखा भारी उत्साह

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन जी के प्रथम हैदराबाद आगमन पर शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका जोरदार और भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद तेलंगाना के अपने पहले दौरे पर पहुंचे नबीन का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा।इस स्वागत समारोह में गोलकुंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र के नेतृत्व में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने शिरकत की। राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए प्रदेश और जिला स्तर के कई महत्वपूर्ण नेता उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से: जी.एस. के. सुरेंद्र, राज्य परिषद सदस्य के. दिनेश, मुगलपुरा डिवीजन अध्यक्ष भगवती, भाजपा नेता पी. वीरमणि, कुणाल राव और कृष्णकुमारी एवं अन्य।हवाई अड्डे पर ढोल-नगाड़ों और फूलों की वर्षा के साथ हुए इस स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा आगामी नगर निकाय चुनावों के मद्देनजर तेलंगाना भाजपा के लिए संजीवनी का काम करेगा। उपस्थित नेताओं ने विश्वास जताया कि नितिन नबीन जी के मार्गदर्शन में तेलंगाना में पार्टी और अधिक मजबूती के साथ उभरेगी।

पालमुरु भाजपा का गढ़ : विजय संकल्प सम्मेलन में गरजे केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी

पालमुरु (महबूबनगर), 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बुधवार को हुंकार भरते हुए कहा कि पालमुरु का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गहरा और पुराना रिश्ता है। उन्होंने इस क्षेत्र को भगवा पार्टी का अभेद्य किला करार दिया। भाजपा के 'विजय संकल्प सम्मेलन' को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने विश्वास जताया कि पार्टी आगामी नगर निकाय चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी।किशन रेड्डी ने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि सरकार मुफ्त बस योजना को छोड़कर अपने बाकी सभी चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि जनता अब कांग्रेस की वादाखिलाफी को समझ चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने पिछली केसीआर सरकार को भी नहीं बख्शा और बीआरएस शासन पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अवैध फोन टैपिंग का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि वर्तमान सरकार उन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में क्यों हिचकिचा रही है।

क्षेत्र के विकास का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार पालमुरु से गुजरने वाले हाई-स्पीड रेलवे एलिवेटेड कॉरिडोर में लगभग 50,000 करोड़ का निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह निवेश क्षेत्रीय विकास के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। किशन रेड्डी ने मतदाताओं से अपील की कि वे 11 फरवरी को होने वाले नगर निकाय चुनावों में भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करें ताकि तेलंगाना में भ्रष्टाचार मुक्त शासन सुनिश्चित किया जा सके।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद नितिन नबीन के पहले तेलंगाना दौरे का स्वागत करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि नबीन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा पूरे राज्य में अपना आधार बढ़ाएगी। उन्होंने पालमुरु और आसपास के कस्बों में निकाय निकायों में भाजपा की हालिया सफलताओं को दोहराते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा और उन्हें जीत का मंत्र दिया।

विपक्ष की आवाज दबा रही है सरकार : रामचंद्र राव

पालमुरु (महबूबनगर), 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आगामी नगर निकाय चुनावों से पहले कांग्रेस विभाजनकारी राजनीति और भाजपा के खिलाफ झूठा प्रचार कर रही है।

'विजय संकल्प सम्मेलन' को संबोधित करते हुए राव ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और कहा कि वह अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए विपक्ष का दमन कर रही है।

रामचंद्र राव ने तेलंगाना पीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ के उन बयानों की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने भाजपा पर धार्मिक आधार पर मतदाताओं के ध्रुवीकरण का आरोप लगाया था। राव ने कहा कि ये आरोप निराधार हैं और जनता को गुमराह करने के लिए लगाए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर पलटवार करते हुए सवाल किया कि वह कौन सी पार्टी है जिसके नेतृत्व ने चुनावी सभाओं में खुलेआम धार्मिक बयानबाजी की और एक विशेष समुदाय को कांग्रेस पार्टी का पर्याय बताया?

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार उन असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही है जो मंदिरों को तोड़ने और हिंदू भावनाओं को ठेस पहुँचाने में शामिल हैं। उन्होंने कहा, जब भाजपा ऐसे कृत्यों के खिलाफ आवाज उठाती है, तो कांग्रेस नेता उसे सांप्रदायिक करार देते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि कांग्रेस ही चरमपंथियों को संरक्षण दे रही है।

रामचंद्र राव ने सरकार पर लोकतांत्रिक तरीके से विपक्ष को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब भी कांग्रेस नेता जनसभाएं करते हैं, तो भाजपा कार्यकर्ताओं को 'प्रिवेंटिव हाउस अरेस्ट' (नजरबंद) कर दिया जाता है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कांग्रेस भाजपा की बढ़ती ताकत से कितनी डरी हुई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे इस दमनकारी नीति का जवाब नगर निकाय चुनावों में मतदान के जरिए दें।

हैदराबाद में अवैध मेडिकल डिवाइस फैक्ट्री पर छापा

ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन ने लाखों का स्टॉक जब्त किया

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने शहर के बाहरी इलाके रायदुर्ग (सेरिलिंगमपल्ली) में स्थित ब्लूसेमी रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर छापेमारी कर लगभग 4 लाख मूल्य के अवैध रूप से निर्मित मेडिकल डिवाइस जब्त किए हैं। यह कार्रवाई मंगलवार को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के समन्वय के साथ की गई।

डीजीए के महानिदेशक शाहनवाज कासिम के अनुसार, छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में पेशेंट मॉनिटर (एधतअ - इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल डिवाइस) जब्त किए गए। कंपनी इन उपकरणों का निर्माण और बिक्री बिना किसी अनिवार्य निर्माण लाइसेंस के कर रही थी। जब्त की गई सामग्री में तैयार डिवाइस, यूजर मैनुअल और बिक्री चालान शामिल हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि बिना लाइसेंस वाले उपकरण मरीजों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं क्योंकि वे सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते।

डीजी ने स्पष्ट किया कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और मेडिकल डिवाइसेस रूल्स, 2017 के अनुसार, रिस्क क्लास ए (स्टेरिल/मेजरिंग) और रिस्क क्लास बी श्रेणी के चिकित्सा उपकरणों का निर्माण केवल तेलंगाना‸उअ द्वारा जारी वैध लाइसेंस (फॉर्म एमडी-5) के तहत ही किया जा सकता है। लाइसेंस के बिना इन उपकरणों का उत्पादन एक दंडनीय अपराध है, जिसमें पांच साल तक की कैद का प्रावधान है।

यह छापेमारी ड्रग इंस्पेक्टर डी. श्वेता बिंदु, के. अन्वेष और एम. विक्रम द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में की गई। विभाग ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है और इस अवैध कारोबार के लिए जिम्मेदार सभी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

बिना ब्रांड वाले तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क शून्य: सीएम चंद्रबाबू नायडू ने किया केंद्र के फैसले का स्वागत

विजयवाड़ा, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बिना ब्रांड वाले तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क को घटाकर शून्य करने के केंद्र सरकार के निर्णय का पुरजोर स्वागत किया है। बुधवार को जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम से राज्य के गैर-ब्रांडेड तंबाकू व्यापार और इससे जुड़े हजारों किसानों को सीधा लाभ होगा।

मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी गैजेट अधिसूचना एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि अतीत में बिना ब्रांड के थोक तंबाकू की बिक्री और व्यापार के बीच कोई स्पष्ट अंतर नहीं था, जिसके कारण कानून के विभिन्न प्रावधानों की वजह से व्यापारियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अस्पष्ट नीतियों के कारण अक्सर किसानों और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था, जिसे अब शून्य प्रतिशत शुल्क के जरिए सुधारा गया है।

मुख्यमंत्री ने खुलासा किया कि इस नए गैजेट से उत्पाद शुल्क लगाने में विभिन्न वर्गीकरणों के कारण पैदा होने वाली जटिलताएं कम होंगी। उन्होंने कहा, ''स्पष्ट दिशा-निर्देशों और नियमों के कारण अब उत्पाद शुल्क की चोरी में काफी कमी आएगी।'' मुख्यमंत्री का मानना है कि इस नीतिगत स्पष्टता से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि व्यापार करना भी आसान होगा।

चंद्रबाबू नायडू ने सीमा शुल्क बोर्ड और अप्रत्यक्ष कर विभाग से इस कानून को पूरे देश में कड़ाई से लागू करने की अपील की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस निर्णय का जमीनी स्तर पर लाभ तभी मिलेगा जब संबंधित विभाग इसे दृढ़ता के साथ क्रियान्वित करेंगे।

केटीआर का रेवंत रेड्डी पर पलटवार

गाली-गलौज वाली भाषा से चुनाव प्रचार का स्तर गिरा रहे मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 04 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा अभद्र भाषा के निरंतर उपयोग पर कड़ा प्रहार किया। केटीआर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री व्यक्तिगत अपमान और अभद्र टिप्पणी कर नगर निकाय चुनाव प्रचार के स्तर को गिरा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियों, वादों और योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के बजाय मुख्यमंत्री ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह केवल अपशब्दों और व्यक्तिगत हमलों में ही सक्षम हैं।

केटीआर ने कहा कि बुधवार को मिर्यालगुडा में दिए गए अपने भाषण में रेवंत रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर हमला करके एक बार फिर अपनी हताशा और झल्लाहट को उजागर किया है। केटीआर ने जोर देकर कहा, राजनीतिक बहस का केंद्र जनता के मुद्दे और सुशासन होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत हमले। उन्होंने मुख्यमंत्री को गरिमा बनाए रखने की सलाह दी।

रामा राव ने आगे कहा कि तेलंगाना की जनता रेवंत रेड्डी के शब्दों और उनके व्यवहार को बहुत करीब से देख रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, जनता आने वाले नगर निकाय चुनावों में रेवंत रेड्डी और कांग्रेस पार्टी को सबक सिखाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

केटीआर के अनुसार, सरकार अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की भाषा का सहारा ले रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.